राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 95 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,09 अक्टूबर 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

पेट्रोल-डीजल के दामों में फिर हुई वृद्धि

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी रुख से गुरुवार को कच्चे तेल में फिर से उबाल आया है। लगातार तीसरे दिन भी पेट्रोल-डीजल के दामों में बढ़ोतरी हुई है। शुक्रवार को डीजल के दाम में 34 से 37 पैसे तो वहीं पेट्रोल के दाम 26 से 30 पैसे बढ़े हैं। भोपाल में पेट्रोल 112.07 रुपए और डीजल 101.17 रुपए प्रति लीटर पर पहुंचे। वहीं दिल्ली में पेट्रोल का दाम 103.54 रुपए जबकि डीजल का दाम 92.12 रुपए प्रति लीटर है।

पुलिस टीम पर हमला, एक आतंकी ढेर

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में एक बार फिर शुक्रवार को आतंकी हमला हुआ। इस बार हमला श्रीनगर के रामबाग में पुलिस टीम पर किया गया है। हमले के बाद पुलिस की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की गई जिसमें एक आतंकी ढेर हो गया है। हालांकि दूसरा आतंकी भागने में कामयाब रहा। मारे गए आतंकी के पास से मिले पहचान पत्र के अनुसार, उसकी पहचान प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े ट्रेन्ज़ शोपियां के आकिब बशीर कुमार के रूप में हुई है।

फरार छह पुलिसकर्मियों पर 25-25 हजार का इनाम

कानपुर, (एजेंसी)। गोरखपुर में मृत कानपुर के प्रॉपर्टी डीलर मनीष गुप्ता प्रकरण में निलंबित और फरार चल रहे पुलिसकर्मियों पर इनाम घोषित किया गया है। गोरखपुर से थाना रामगढ़ ताल में तैनात सभी छह पुलिसकर्मियों पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है। एसटीएफ और पुलिस टीम फरार हत्यारोपियों की तलाश में यूपी के छह जिलों में लगातार दबिश दे रही है। फिलहाल अभी तक किसी का सुराग नहीं लगा है। पुलिस टीम उनकी तलाश में दबिश दे रही है।

चार साल की कोशिश के बाद मिली कामयाबी

68 वर्षों के बाद एयर इंडिया की कमान फिर टाटा के पास

टाटा संस ने एयर इंडिया के लिए 18,000 करोड़ की बोली लगाई

नई दिल्ली ■ एजेंसी

टाटा संस ने घाटे में चल रही सरकारी विमानन कंपनी एयर इंडिया के लिए बोली जीत ली है। अब 66 साल बाल टाटा समूह एयर इंडिया का नया मालिक होगा। मंत्रियों के एक पैनल ने एयरलाइन के अधिग्रहण के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। कंपनी ने इस सरकारी एयरलाइंस के लिए सबसे अधिक 18,000 करोड़ रुपए की बोली लगाई। इसी के साथ अब टाटा संस के पास देश में तीन एयरलाइंस होंगी। आपको बता दें कि मोदी सरकार ने जुलाई 2017 में एयर इंडिया के बिक्री का फैसला किया था और उसके बाद से लगातार कोशिश जारी थी। चार सालों की कोशिश के बाद एयर इंडिया को शुक्रवार को नया मालिक मिला।

एयर इंडिया के कर्ज का क्या होगा?- टाटा संस एयर इंडिया में सरकार की 100 फीसदी हिस्सेदारी के बदले 15 हजार करोड़ कर्ज का वहन करेगी। इसके बाद भी एयरलाइन पर कुल कर्ज 42262 करोड़ का रह जाएगा। यह कर्ज एआईएएचएल को ट्रांसफर कर दिया जाएगा। तुहीन कांत पांडेय ने कहा कि 2009-10 से सरकार ने एयर इंडिया को 1.10 लाख करोड़ से ज्यादा का वित्तीय समर्थन दिया है।

स्पाइसजेट के अजय सिंह ने 15 हजार करोड़ की लगाई थी बोली

एयर इंडिया के लिए टाटा सन्स ने 18 हजार करोड़ की बोली लगाई जबकि स्पाइसजेट के अजय सिंह ने 15 हजार करोड़ की बोली लगाई है। माना जा रहा है कि यह ट्रांजैक्शन दिसंबर 2021 तक पूरा हो जाएगा। टालास प्रा.लि. के जरिए टाटा ग्रुप ने एयर इंडिया के लिए बोली लगाई थी। इस कंपनी की स्थापना मुख्य रूप से इसी काम के लिए अगस्त 2020 में की गई थी। बता दें कि एयर इंडिया स्पेसिफिक अल्टरनेटिव मैकेनिज्म (एआईएसएएम) पैनल ने एयर इंडिया की फाइनेंशियल बोली पर फैसला लिया है। इस पैनल में गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण समेत कई महत्वपूर्ण मंत्री और अधिकारी शामिल थे।

5 साल तक रखना होगा 'महाराजा' का लोगो

एयर इंडिया का मालिकाना हक मिलने के बाद नए मालिक को इससे जुड़े नाम और लोगो को 5 साल तक संभाल कर रखना होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार टाटा कंपनी चाहे तो 5 साल बाद एयर इंडिया के नाम और लोगो को ट्रांसफर कर सकती है, लेकिन इसमें एक शर्त रखी गई है कि ये नाम और लोगो किसी भारतीय इकाई या व्यक्ति को ही दिया जा सकेगा। कोई भी विदेशी व्यक्ति या इकाई इसे हासिल नहीं कर सकेगी।

रतन टाटा ने कहा : वेलकम बैक

टाटा समूह के मुखिया रतन एन टाटा ने सरकारी विमाणन सेवा कंपनी एयर इंडिया के लिए अपने समूह की बोली मंजूर करने की घोषणा पर खुशी जाहिर करते हुए ट्विटर पर अपने संदेश में लिखा है 'वेलकम बैक-एयर इंडिया ! वापसी पर आपका स्वागत है)। श्री टाटा ने लिखा है कि एयर इंडिया के लिए नीलामी में टाटा समूह के लिए एक बड़ी सफलता है। यह मानते हुए कि एयर इंडिया को फिर से मजबूत करने में बड़ा प्रयास करना होगा। पर उम्मीद है कि इससे विमानन उद्योग में टाटा समूह की उपस्थिति के एक मजबूत बाजार अवसर प्राप्त होगा। गौरतलब है कि एयर इंडिया की शुरुआत 1932 में जेआरडी टाटा ने की थी। रतन टाटा ने अपने इस ट्वीट के साथ एयर इंडिया के एक बोइंग 747 विमान की तस्वीर भी पोस्ट की है जिसकी सीढ़ियों के नीचे सैल्यूट की मुद्रा में जेआरडी टाटा खड़े दिखाई दे रहे हैं। और उनके पीछे भारतीय वेशभूषा में विमान परिचारिकाओं का समूह सीढ़ियों से उतर रहा है। एयर इंडिया की शुरुआत 1932 में टाटा ग्रुप ने ही की थी। जेआरडी टाटा खुद एक कुशल पायलट थे।

यूपी सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार, कहा- आपकी जांच से संतुष्ट नहीं हम

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को लखीमपुर खीरी मामले में सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह लखीमपुर खीरी मामले की जांच में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से संतुष्ट नहीं है। कोर्ट ने मामले में सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, क्या आरोपी आम आदमी होता तो उसे इतनी छूट मिलती। एसआईटी में सिर्फ स्थानीय अधिकारियों को रखा गया है।

यह मामला ऐसा नहीं, जिसे सीबीआई को सौंपना भी सही नहीं रहेगा। हमें कोई और तरीका देखना होगा। डीजीपी सबूतों को सुरक्षित रखें। अब मामले की अगली सुनवाई 20 अक्टूबर को होगी। सुप्रीम कोर्ट में उत्तर प्रदेश की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने पक्ष रखा। उन्होंने कोर्ट को बताया कि आशीष मिश्र कल पेश होंगे। उन्हें नोटिस भेज दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से सवाल करते हुए कहा कि जब मामले में मृत्यु या बंदूक की गोली से घायल होने जैसे गंभीर आरोप लगे हों तब भी क्या आरोपियों के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में आठ लोगों की नृशंस हत्या हुई है और कानून को सभी आरोपियों के खिलाफ अपना काम करना चाहिए। कोर्ट ने आगे कहा कि मामले की संजीदगी को देखते हुए हमें उम्मीद है कि यूपी सरकार इस मामले में आवश्यक कदम उठाएगी।

इससे पहले गुरुवार को कोर्ट ने यूपी सरकार को आज मामले में स्टेटस रिपोर्ट पेश करने को कहा था। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार से पूछा था कि कितने लोगों पर एफआइआर हुई और किसे-किसे गिरफ्तार किया गया है।

सीजेआइ एनवी रमना, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस हिमा कोहली की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। गुरुवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से कहा था कि वह कल स्टेटस रिपोर्ट में बताएगी कि किन-किन अभियुक्तों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई है और वे लोग गिरफ्तार किए गए हैं या नहीं। इसके साथ ही कोर्ट ने यूपी सरकार को यह भी आदेश दिया था कि हिंसा में अपना बेटा गंवाने वाली बीमार मां के तत्काल इलाज के लिए तुरंत इंतजाम किए जाएं।

बता दें कि 4 अक्टूबर को किसानों के प्रदर्शन के दौरान चार किसानों और एक पत्रकार समेत आठ लोगों की मृत्यु हो गई थी। किसानों का आरोप है कि केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र के बेटे के काफिले में शामिल वाहनों से कुचलने के कारण किसानों की मृत्यु हुई जबकि दूसरे पक्ष का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान किसान उन पर हमलावर हो गए थे और इस अफरातफरी में वाहन अनियंत्रित हो गए और हादसा हो गया। लखीमपुर खीरी कांड में दर्ज हुई हत्या की रिपोर्ट के मुख्य आरोपित केंद्रीय मंत्री के बेटे आशीष मिश्र मोनू के घर गुरुवार देर शाम पुलिस ने नोटिस चस्पा की है। जिसमें उनको शुक्रवार को पुलिस की अपराध शाखा के समक्ष तलब किया गया है। देखने वाली बात यह होगी कि पुलिस मोनू को इसी बातचीत के दौरान गिरफ्तार कर लेगी या फिर पूछताछ के बाद उनको रिहा कर देगी। देशभर की मीडिया की नजरें इस पूछताछ पर टिकी हैं।

यूपी सरकार ने मांगा वक्त- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह बर्बरता से 8 लोगों की हत्या का मामला है. क्या सीबीआई जांच पर विचार किया गया है? यूपी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने कहा कि राज्य कि तरफ से कोई मांग नहीं की गई है. साल्वे ने कहा कि राज्य सरकार को थोड़ा वक्त दें, 18 अक्टूबर को सुनवाई करें. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले में गंभीर आरोप लगे हैं. जिस तरीके से आप दूसरे लोगो को ट्रीट करते है वैसे ही इस मामले में भी ट्रीट किया जाए. सीजेआई ने कहा कि इस मामले में यह देखने कि जरूरत है कि क्या संदेश जनता में जा रहा है. सुप्रीम कोर्ट मामले में 23 अक्टूबर को सुनवाई करेगा.

मामले की जांच जारी- वहीं उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने कहा कि पोस्टमार्टम में कोई गोली बॉडी से नहीं मिली है. साल्वे ने कहा कि पुलिस ने मामला दर्ज किया है और हमारे पास सबूत हैं. हरीश साल्वे ने कहा, जिस व्यक्ति पर आरोप लग रहा है हमने उसको नोटिस जारी किया है. अगर वो पेश नही होता है तो सख्त कदम उठाया जाएगा. साल्वे ने कहा कि अगर वह पेश नहीं होता तो हम वारंट जारी करेंगे. साल्वे ने कहा कि पोस्टमार्टम में गोली के निशान नहीं मिले है इसलिए हमने 166 के तहत नोटिस जारी किया है.

श्रीनगर आतंकी हमले पर पंजाब सीएम चन्नी ने जताया दुख, केंद्र से की लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील

नई दिल्ली,एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने गुरुवार को श्रीनगर के सरकारी स्कूल में आतंकवादियों द्वारा प्रिंसिपल और एक टीचर की हत्या की घटना पर गहरा शोक प्रकट किया है. उन्होंने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र से तत्काल प्रभावी कदम उठाने की अपील भी की. मुख्यमंत्री चन्नी ने शोक संदेश में केंद्र से कहा कि राज्य में अलग-अलग आतंकवादी संगठनों से लगातार खतरे और भय की स्थिति बनी हुई है. इसलिए, इस माहौल में रह रहे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं. पंजाब के मुख्यमंत्री ने ऐसे लोगों में सुरक्षा की भावना पैदा करने की जरूरत पर भी जोर दिया. उन्होंने केंद्र में बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार से कानून और व्यवस्था को तेज करने को भी कहा ताकि दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किया जा सके, जिन्होंने शांति, सद्भाव और भाईचारे की भावना को नष्ट करके इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया. मुख्यमंत्री ने आगे इस ओर इशारा करते हुए कहा कि दोषियों को कानून के मुताबिक कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए, ताकि आतंकियों में ऐसी घिनौनी हरकतों को दोहराने की हिम्मत न हो. इस कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए.

मुख्यमंत्री चन्नी ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भी अनुरोध किया है कि वे राज्य प्रशासन को इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद देने का निर्देश दें. शोक संतप्त परिवारों को अपनी सहानुभूति देते हुए चन्नी ने ईश्वर से प्रार्थना की, 'ईश्वर इस दुख की घड़ी में इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की उन्हें शक्ति प्रदान करें और दिवंगत आत्माओं को शाश्वत शांति दें. जम्मू-कश्मीर में पिछले 2 दिनों में यहां पांच लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया है. श्रीनगर के ईदगाह इलाके में गुरुवार को आतंकवादियों ने एक महिला प्रिंसिपल समेत सरकारी स्कूल के दो टीचर्स की गोली मार कर हत्या कर दी.

हत्या के विरोध में सड़कों पर उतरे जम्मू के लोग

श्रीनगर ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के सफाकदल इलाके में दो शिक्षकों की हत्या के मामले में जम्मू के विभिन्न संगठनों द्वारा रोष व्यक्त करने के लिए प्रदर्शन किए जा रहे हैं। शुक्रवार को सुबह से ही जम्मू में लोग सड़कों पर उतर और नारेबाजी कर रोष व्यक्त किया।

लोगों द्वारा लगातार सरकार से इंसाफ की मांग की जा रही है। रियासी में भी बार एसोसिएशन ने कश्मीर में हुई हत्याओं के विरोध में रोष रैली निकाली, जिसमें लोगों ने इंसाफ की गुहार लगाई। वहीं जम्मू

दो शिक्षकों की मौत पर इंसाफ की मांग

कश्मीर पीपुल्स फोरम ने भी महाराजा हरि सिंह की प्रतिमा के पास तवी पुल पर प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय बजरंग दल ने भी रोष व्यक्त करते हुए प्रदेश सरकार का पुतला भी फूंका।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि कश्मीर में दो शिक्षकों की निर्मम हत्या की गई है, लेकिन प्रदेश सरकार आंखें मूंदे बैठी है।बजरंग दल के अध्यक्ष राकेश बजरंगी ने बताया कि कश्मीर के हालात फिर से 1990 दशक की तरह हो रहे हैं।

वायुसेना प्रमुख वीआर चौधरी ने कहा

हर हाल में सीमाओं का उल्लंघन करने नहीं देंगे

हिंडन ■ एजेंसी

वायुसेना प्रमुख वीआर चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख में पिछले साल हुए घटनाक्रम की प्रतिक्रिया में त्वरित कार्रवाई भारतीय वायुसेना की किसी भी परिस्थिति से निपटने की तैयारी का प्रमाण है। वायुसेना की क्षमता बढ़ाने के लिए चल रहे कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न कार्यक्षेत्रों में 'त्वरित और निर्णायक' वांछित नतीजे हासिल करना है।

उन्होंने 89वें वायुसेना दिवस के मौके पर अपने संबोधन में वायुसेना के योद्धाओं के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल में सुधार लाने का आह्वान किया और वरिष्ठ अधिकारियों से अपने अधीनस्थ और युवा अधिकारियों को 'सशक्त बनाने तथा उन्हें तैयार करने' में समय देने और प्रयास करने को कहा तथा इसे अपना प्राथमिक कार्य समझने को कहा। सेना के तीनों अंगों (थल सेना, नौसेना और वायुसेना) के एकीकरण का जिक्र करते हुए एयर चीफ मार्शल चौधरी ने देश को संयुक्त क्षमता प्रदर्शित करने और सुसंगत राष्ट्रीय रणनीति के तौर पर एकीकृत प्रतिक्रिया विकल्प पैदा करने की ओर भारतीय वायुसेना की 'अटल प्रतिबद्धता' को लेकर भी 'आश्वस्त' किया।

वायु सेना के अभियान देश के इतिहास के स्वर्णिम अध्याय

नयी दिल्ली, (एजेंसी) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि वायु सेना ने देश की रक्षा करते हुए ऐसे अभियानों को अंजाम दिया है जो देश के इतिहास के स्वर्णिम अध्याय माने जायेंगे। श्री सिंह ने शुक्रवार को वायु सेनाकर्मियों, भूतपूर्व सैनिकों तथा उनके परिजनों को वायु सेना के 89 वें स्थापना दिवस पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए यह बात कही। रक्षा मंत्री के कार्यालय ने इस अवसर पर रक्षा मंत्री का एक वीडियो संदेश जारी किया है। श्री सिंह ने अपने संदेश में कहा कि देश की संप्रभुता , एकता और अखंडता की रक्षा के लिए वायु सेना ने जरूरत पड़ने पर दुश्मनों के हौसले पस्त करने वाले शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया है।

एक्सप्रेस-वे पर 140 की स्पीड से दौड़ेंगे वाहन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने शक्रवार को कहा कि वह एक्सप्रेस-वे पर अधिकतम गति सीमा बढ़ाकर 140 किलोमीटर प्रति घंटा करने के पक्ष में हैं और इस संबंध में जल्द ही संसद में एक विधेयक पेश किया जाएगा।

संसद में जल्द लाएंगे बिल

उन्होंने कहा कि विधेयक का मकसद अलग-अलग कैटिगरी की सड़कों पर वाहनों की गति सीमा में बदलाव करना है। गडकरी ने कहा कि गति को लेकर ऐसी सोच है कि अगर कार की गति बढ़ गई, तो दुर्घटना हो जाएगी। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि मेरा निजी विचार है कि एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की गति सीमा बढ़ाकर 140 किमी प्रति घंटा कर देना चाहिए।

आर्यन सहित तीन आरोपियों जमानत याचिका हुई खारिज

मुंबई, (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान समेत अन्य आरोपियों की जमानत याचिका खारिज हो गई है।

गुरुवार को उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। जिसके तुरंत बाद उनके वकील सतीश मानशिंदे ने आर्यन की जमानत के लिए आवेदन किया था, जिस पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। किला कोर्ट ने कहा ये जमानत याचिका कायदे से सेशन कोर्ट में दाखिल किया जाना चाहिए था। इसलिए उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई। किला कोर्ट से जमानत न मिलने के बाद आर्यन को अब सेशन कोर्ट का द्वारा खटखटाएंगे।

शनिवार, रविवार को कोर्ट बंद रहेगा, ऐसे में आर्यन को कम से कम तीन रातें तो जेल में काटनी ही पड़ेंगी। आर्यन को जमानत नहीं मिलने पर उसे 14 दिन के लिए आर्थर रोड जेल भेजा गया है। इस मामले में आठ आरोपियों में से दो लड़कियां हैं, इसलिए उन्हें भायखला जेल भेजा गया। उन्हें बैरक नंबर-1 में रखा गया है, जो स्पेशल क्वारंटाईन बैरक है।

घोषणा अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा के लिए नोबेल शांति अवार्ड से सम्मानित

अमेरिका व रूस के पत्रकारों का सम्मान

न्यूयॉर्क ■ एजेंसी

2021 के शांति के नोबेल पुरस्कारों का ऐलान कर दिया गया है। नोबेल कमेटी ने इस बार इस सम्मान के लिए दो पत्रकारों को चुना है। इनमें एक पत्रकार रैप्लर मीडिया ग्रुप की संस्थापक अमेरिकी पत्रकार मारिया रेसा हैं और दूसरे रूस के पत्रकार दिमित्री मुरातोव हैं। नोबेल कमेटी ने कहा है कि इन दोनों को अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है, क्योंकि बोलने की आजादी ही लोकतंत्र और स्थायी शांति की पहली शर्त है।

कौन हैं नोबेल जीतने वाले दोनों पत्रकार

1. दिमित्री मुरातोव- इसके अलावा रूस के दिमित्री मुरातोव को भी नोबेल शांति पुरस्कार देने का एलान किया गया। वे रूस के स्वतंत्र अखबार नोवाजा गजेटा के सह-संस्थापक हैं और पिछले 24 साल से पेपर के मुख्य संपादक रहे हैं। रूस में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के तानाशाही राज के बावजूद मुरातोव को अपने अखबार के जरिए सरकार की योजनाओं की आलोचना के लिए जाना जाता रहा है। नोबेल कमेटी ने कहा कि मुरातोव कई दशकों से रूस में अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा कर रहे हैं।

2. मारिया रेसा- फिलीपींस से नाता रखने वाली अमेरिकी पत्रकार मारिया रेसा न्यूज साइट रैप्लर की सह-संस्थापक हैं। उन्हें फिलीपींस में सत्ता की ताकत के गलत इस्तेमाल, हिंसा और तानाशाही के बढ़ते खतरे पर खुलासों के लिए पहले भी सम्मानित किया जा चुका है। नोबेल कमेटी ने अभिव्यक्ति की आजादी में उनकी भूमिका की प्रशंसा करते हुए उन्हें इस सम्मान का हकदार बताया।

ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु संरक्षण साथ-साथ हो

जी20 देशों की संसदों के अध्यक्षों के शिखर सम्मेलन में लोकसभा अध्यक्ष ने कहा

रोम ■ एजेंसी

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत वैश्विक विज़न से एक ऐसी विश्व व्यवस्था की स्थापना के लिए कार्य कर रहा है जिसमें ऊर्जा न्याय, जलवायु, न्याय और आर्थिक न्याय हो।

श्री बिरला ने यहां जी20 देशों की संसदों के अध्यक्षों के शिखर सम्मेलन (पी20) में शुक्रवार को दूसरे कार्य सत्र में 'सामाजिक और पर्यावरणीय संघारणीयता के सन्दर्भ में आर्थिक वृद्धि को पुनर्जीवित करना' विषय पर प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि भारत सफल होता है तो यह विश्व की सफलता है। उन्होंने कहा कि हमारा देश वैश्विक विज़न से एक ऐसी विश्व व्यवस्था की स्थापना के लिए कार्य कर रहा है जिसमें ऊर्जा न्याय, जलवायु न्यायऔर आर्थिक न्याय हो। भारत का लक्ष्य ग्लोबल साउथ और ग्लोबल नॉर्थ के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करते हुए एक समेकित वैश्विक कार्यनीति विकसित करना है जो पूरे विश्व के भविष्य का आधार बने।

भारत जलवायु न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध: बिरला

श्री बिरला ने यह जानकारी भी दी कि भारत जलवायु न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और जलवायु परिवर्तन की समस्या के समाधान में दुनिया की मदद करने के लिए बहुआयामी भूमिका निभा रहा है। पर्यावरण से जुड़े मुद्दों के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि भारत एक तरफ ग्लोबल नॉर्थ के साथ साझेदारी कर रहा है और दूसरी तरफ ग्लोबल साउथ के'एडवोकेट'के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की संसद और सरकार के बीच सकारात्मक चर्चा और संवाद के लिए मजबूत तंत्र है। उन्होंने यह भी कहा कि ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु संरक्षण और विकास साथ साथ चलने चाहिए।

भारत के जवाबी एक्शन पर झुकी ब्रिटेन सरकार, टीका लगवा चुके भारतीयों को क्वारंटीन से दी छूट

लंदन। कोरोना नियमों को लेकर भारत सरकार के सख्त एक्शन के बाद ब्रिटेन सरकार ने झुकते हुए भारतीयों के लिए कोरोना यात्रा प्रतिबंधों को लेकर बड़ा ऐलान किया है।

ब्रिटिश सरकार ने कहा है कि 11 अक्टूबर से कोविशील्ड या इंगलैड में मंजूरी पाए किसी अन्य वैक्सीन को लगवाने वाले भारतीय यात्रियों को क्वारंटीन नहीं किया जाएगा।

दरअसल बोरिस जॉनसन सरकार के भारतीयों के लिए कड़े नियमों को लागू करने पर अक्टूबर के शुरुआत में ही भारत ने भी जैसे को तैसा वाला फंडा अपनाते हुए ब्रिटिश नागरिकों को भी अनिवार्य क्वारंटीन होने का फरमान सुना दिया था। यूके के अब यात्रा संबंधी नए अपडेट के अनुसार भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने ट्वीट कर कहा कि कोविशील्ड या यूके सरकार से अनुमोदित किसी अन्य वैक्सीन की पूरी डोज लिए भारतीय यात्रियों को क्वारंटीन नहीं किया जाएगा। यह आदेश 11 अक्टूबर से यूनाइटेड किंगडम जाने वाले भारतीय यात्रियों पर लागू होगा।

भारत की सख्त चेतावनी के बाद सितंबर में ब्रिटेन ने कोविशील्ड को मान्यता तो दे दी थी, लेकिन इसमें क्वारंटीन का कड़ा नियम लागू कर दिया था। भारत अबतक ब्रिटेन के एंबर लिस्ट में था, ऐसे में वैक्सीन लगवाने के बाद भी ब्रिटेन जाने वाले भारतीय नागरिकों को क्वारंटीन रहना पड़ता था। भारत सरकार ने ब्रिटेन के इस रवैये को लेकर कई बार सार्वजनिक तौर पर नाराजगी जताई थी। भारत सरकार ने ब्रिटेन के अड़ियल रवैये को देखते हुए सख?त रुख अपनाया था। अक्टूबर की शुरूआत में भारत सरकार ने ब्रिटिश नागरिकों को भारत आने पर 10 दिन अनिवार्य रूप से क?वारंटीन रहने का हुक्म सुनाया था। फिर चाहे उनके वैक्सीनेशन का स्टेटस कुछ भी हो।

भारत के नए नियम चार अक्टूबर से लागू भी हो गए थे। ब्रिटिश नागरिकों के लिए यात्रा से पहले 72 घंटे के भीतर प्री-डिपार्चर कोविड-19 आरटी-पीआरसी टेस्ट जरूरी किया गया था। एयरपोर्ट आगमन पर उनका कोविड-19 आरटी-पीसीआर टेस्ट भी होगा। फिर आगमन के 8 दिन बाद दोबारा कोविड-19 आरटी-पीसीआर टेस्ट होगा।

अमेरिका में कोरोना के कारण लगभग डेढ़ लाख बच्चे हुए अनाथ, कैलिफोर्निया सबसे अधिक प्रभावित

न्यूयार्क। कोरोना वायरस महामारी ने दुनियाभर में लाखों की संख्या में बच्चों को अनाथ कर दिया है। दुनिया के सबसे समृद्ध देशों का हाल भी बुरा है। एक नए अध्ययन के मुताबिक, कोरोना के कारण अमेरिका में लगभग डेढ़ लाख बच्चे अनाथ हुए। मेडिकल जर्नल में प्रकाशित लेख के अनुसार अनाथ होने ज्यादत बच्चे अश्वेत और हिस्पैनिक समुदाय के हैं। इस अध्ययन के मुताबिक, कोविड-19 महामारी के दौरान अनाथ हुए अमेरिकी बच्चों की संख्या पहले के अनुमान से अधिक हो सकती है।

अधिकारियों का कहना है कि कोरोना काल के दौरान अमेरिका के अनाथालयों में बच्चों में 15 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। कैलिफोर्निया में सबसे ज्यादा बच्चे कोरोना के कारण अनाथ हुए हैं। दूसरे नंबर पर मिसीसिपी है। मेडिकल जर्नल पीडियाट्रिक्स द्वारा गुरुवार को प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, कोरोना महामारी के दौरान प्राथमिक देखभाल करने वाले आधे से अधिक बच्चे उन दो नस्लीय समूहों के थे जो अमेरिका की आबादी का लगभग 40त्न हैं। अध्ययन में पाया गया कि लगभग 19 महीने के कोविड-19 महामारी के 15 महीनों के दौरान, 120,000 से अधिक अमेरिकी बच्चों ने अपने माता-पिता या दादा-दादी को खो दिया, जो वित्तीय सहायता और देखभाल के प्राथमिक प्रदाता थे। अन्य 22000 बच्चों ने एक माध्यमिक देखभालकर्ता की मृत्यु का अनुभव किया- उदाहरण के लिए, एक दादा-दादी जिसने आवास प्रदान किया लेकिन बच्चे की अन्य बुनियादी जरूरतों को नहीं।

वायु प्रदूषण व ट्रैफिक का शोर बढ़ाता है हार्ट फेल का खतरा, धूम्रपान और हाई बीपी से और गंभीर होती है स्थिति

वाशिंगटन। वायु और ध्वनि प्रदूषण के स्वास्थ्य पर होने वाले असर को लेकर कई अध्ययन हुए हैं। अब एक नए अध्ययन में बताया गया है कि यदि आप कई वर्षो तक वायु प्रदूषण और ट्रैफिक के शोर के बीच रहते हैं तो ये दोनों कारकों के कारण हार्ट फेल होने का खतरा ज्यादा बढ़ जाता है। खासकर यदि पहले से धूम्रपान करते हों और हाई ब्लड प्रेशर के शिकार हों तो यह खतरा और भी गंभीर हो जाता है। अध्ययन का यह निष्कर्ष जर्नल आफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन में प्रकाशित हुआ है।

डेनमार्क की यूनिवर्सिटी आफ कोपेनहेगन में सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के प्रोफेसर और इस शोध के लेखक यूं-ही लिमो ने बताया कि हमारे शोध के इस निष्कर्ष के आधार पर लोगों में हार्ट फेल होने के जोखिम को कम करने के लिए उक्त कारकों को लेकर रणनीति बनाई जानी चाहिए ताकि उनका असर कम किया जा सके। यह अध्ययन डेनमार्क की नर्सो को लेकर 15-20 साल तक किया गया है। इसके लिए शोधकर्ताओं ने 22 हजार से अधिक नर्सो का डाटा एकत्र किया। अध्ययन में 1993 या 1999 में शामिल नर्सो से प्रश्नावली भरवाए गए, जिसमें उनके बाडी मास इंडेक्स, जीवनशैली यथा- धूम्रपान, शराब पीने, शारीरिक सक्रियता, खानपान, पहले की स्वास्थ्य और कामकाज की स्थिति के बारे में सवाल किए गए थे। उसके बाद 2014 तक उनके स्वास्थ्य को लेकर सूचनाएं एकत्र की गई, जिनमें हार्ट फेल के मामले पर ज्यादा फोकस किया गया।

चीन ने कहा, ताइवान-हांगकांग-शिनजियांग से जुड़े मामलों में दखल ना दे अमेरिका

ज्यूरिख। चीन ने अमेरिका को ताइवान, हांगकांग और शिनजियांग समेत बीजिंग के आंतरिक मामलों से दूर रहने को कहा है। चीनी शीर्ष राजनयिक यांग जिएची ने अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन के साथ बैठक की।

इस दौरान उन्होंने वाशिंगटन से ताइवान, हांगकांग और शिनजियांग से संबंधित मुद्दों समेत बीजिंग के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करने का आह्वान किया। चीनी मीडिया ने बताया कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य यांग और सुलिवन ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान दोनों पक्ष रणनीतिक संचार को मजबूत करने, मतभेदों को दूर करने, टकराव से बचने, पारस्परिक लाभ और जीत के परिणाम की तलाश करने और चीन-अमेरिका को साथ लाने के लिए कार्रवाई करने पर सहमत हुए। ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, संबंध ध्वनि और स्थिर विकास के सही रास्ते पर वापस आ गए हैं।

बैठक के दौरान, यांग ने ताइवान, हांगकांग, शिनजियांग, तिब्बत और मानवाधिकारों के साथ-साथ समुद्री मुद्दों पर चीन की स्थिति को उजागर किया। संयुक्त राज्य अमेरिका से चीन की संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों का सम्मान करने और उपरोक्त मुद्दों पर हस्तक्षेप बंद करने का आग्रह किया।

दक्षिण चीन सागर में रहस्यमयी वस्तु से टकराई अमेरिकी परमाणु पनडुब्बी, 11 नौसैनिक घायल

वाशिंगटन। अमेरिकी नौसेना की एक पनडुब्बी ने दक्षिण चीन सागर में रहस्यमयी हादसे की शिकार हो गई। पनजुब्बी को किसी वस्तु ने टक्कर मारी। हादसे में 11 नौसैनिक घायल हो गए लेकिन किसी को जानलेवा चोटें नहीं आयी और पनडुब्बी परिचालन के लिहाज से ठीक स्थिति में है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

घटना की संक्षिप्त जानकारी मुहैया कराते हुए अमेरिकी पैसिफिक फ्लीट ने कहा कि पनडुब्बी 'यूएसएस कनेक्टिकट' अब भी ''सुरक्षित और स्थिर स्थिति' में है। बयान में कहा गया है, ''बाकी की पनडुब्बी को हुए

नुकसान का आकलन किया जा रहा है।' उसने बताया कि इस घटना की जांच की जाएगी। बयान में घटना का स्थान नहीं बताया गया है लेकिन नौसेना के दो अधिकारियों ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि यह घटना दक्षिण चीन सागर में हुई जब कनेक्टिकट नियमित अभियान पर था। अधिकारियों ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि पनडुब्बी किस वस्तु से टकरायी लेकिन यह कोई अन्य पनडुब्बी नहीं थी। एक अधिकारी ने बताया कि यह डूबा हुआ जहाज, डूबे हुए जहाज का कोई कंटेनर या कोई अन्य वस्तु हो सकती है। उन्होंने बताया कि कनेक्टिकट में सवार दो नौसैनिकों को चोटें आयी हैं और करीब नौ अन्य को मामूली चोटें आयी हैं। सभी का पनडुब्बी में ही इलाज किया गया।

यात्रा प्रतिबंधों के दौरान वीजा जारी करना बंद नहीं कर सकता अमेरिका : कोर्ट

वाशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि यात्रा प्रतिबंधों का इस्तेमाल भारतीय तकनीकी पेशेवरों समेत अन्य पात्र लोगों को वीजा देने से मनाही के लिए नहीं किया जा सकता। यह गैर कानूनी है। संघीय न्यायाधीश जेम्स ई बासबर्ग ने मंगलवार को विदेश मंत्रालय द्वारा अन्य देशों से आने वाले यात्रियों को वीजा जारी नहीं करने के नियम पर रोक लगा दी। हालांकि, जज की तरफ से अभी यह आदेश दिया जाना बाकी है कि वीजा जारी करने की प्रक्रिया किस प्रकार शुरू करनी चाहिए। नार्थजर्सी डाट काम की रिपोर्ट के अनुसार, यह फैसला अमेरिकी आव्रजन वकील संघ के समर्थन से आव्रजन कानून कंपनियों के समूह व कुछ लोगों की तरफ से अदालत में दाखिल याचिका पर आया है। विदेश विभाग ने महामारी के दौरान वीजा जारी करने से इन्कार कर दिया था। याचिका दाखिल करने वालों में से एक वकील ने ट्वीट किया, अपील में कहा गया था कि यात्रा पर प्रतिबंध का अर्थ वीजा पर प्रतिबंध लगाना नहीं है। अदालत के आदेश में कहा गया है कि कोविड-19 के संक्रमण का प्रसार रोकने के लिए विदेश मंत्रालय द्वारा इन यात्रा प्रतिबंधों का इस्तेमाल पात्र यात्रियों के वीजा की प्रक्रिया पर रोक लगाने के लिए करना गैर कानूनी है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन ने कोविड-19 महामारी को रोकने के उद्देश्य से यात्रा प्रतिबंध लगाए थे।

अफगानिस्तान में गन डीलर बेच रहे तालिबान द्वारा सैनिकों से जब्त अमेरिकी हथियार

न्यूयॉर्क। अफगानिस्तान में गन डीलर तालिबान द्वारा अफगान सैनिकों से जब्त किए गए अमेरिकी हथियार की बिक्री कर रहे हैं । ये हथियार यहां नागरिकों को बेचे जा रहे हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार हथियार डीलरों ने बताया कि अमेरिकी पिस्तौल, गोला-बारूद, राइफल, दूरबीन और नाइट विजन गॉगल्स देश के दक्षिणी हिस्से में बिक्री के लिए आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार इन हथियारों के लिए सरकारी तालिबान सैनिकों को भुगतान करने के बाद दर्जनों अफगानों ने बंदूक की दुकानें स्थापित कर ली हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार अमेरिका की वापसी और अफगान सेना की हार के बाद तालिबान ने बड़ी संख्या में हथियार जमा कर लिए । पेंटागन के अधिकारियों ने कहा है कि सैनिकों के जाने से पहले सभी उन्नत हथियारों को निष्क्रिय कर दिया गया था, लेकिन तालिबान के लिए हजारों हथियार अभी भी उपलब्ध थे। तालिबान ने कुछ हथियार बंदूक डीलरों को बेच दिए हैं क्योंकि युद्ध काफी हद तक समाप्त हो गया है और उन्हें उन सभी की आवश्यकता नहीं है। रिपोर्ट में बताया गया कि कुछ बंदूक डीलरों ने हथियार पाकिस्तान को भी सप्लाई कर दिए हैं क्योंकि वहां अमेरिकी सैन्य हथियारों की अधिक मांग है। जानकारी के मुताबिक अमेरिका ने अफगानिस्तान में अरबों डॉलर के हथियार छोड़े हैं जिनका उपयोग अफगान सुरक्षा बलों के लिए अमेरिकी प्रशिक्षण और सहायता कार्यक्रम के लिए किया गया था।

चीन के साथ विवाद नहीं जिम्मेदार प्रतिस्पर्धा चाहता है अमेरिका : व्हाइट हाउस

लॉस एंजलिस। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका, चीन के साथ जिम्मेदार तरीके से प्रतिस्पर्धा की उम्मीद कर रहा है। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब एक दिन पहले ही दोनों देश इस साल के खत्म होने से पूर्व नेतृत्व स्तर पर ऑनलाइन शिखर वार्ता के लिए सहमत हुए हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ आधिकारिक 'एयरफोर्स वन' विमान से शिकागो के लिए जाते समय व्हाइट हाउस की उप प्रेस सचिव केरिन जीन पियरे ने विमान में मौजूद पत्रकारों से कहा, '' हम चीन के साथ विवाद नहीं चाहते हैं, हम प्रतिस्पर्धा की उम्मीद करते हैं और हम इसे जिम्मेदार तरीके से करना चाहते हैं। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने एक दिन पहले ही कहा था कि अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो सदस्य एवं विदेश मामलों संबंधी आयोग के कार्यालय के निदेशक यांग जिएची ज्युरिख में हुई बैठक के दौरान बाइडन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच ऑनलाइन शिखर वार्ता को लेकर सहमत हुए हैं।

जीन पियरे ने कहा कि बाइडन प्रशासन का मानना ??है कि नेतृत्व स्तर संबंध आवश्यक हैं और यह जिम्मेदारी से प्रतिस्पर्धा का प्रबंधन करने के उनके प्रयास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा, '' ज्यूरिख में अपने समकक्ष के साथ जेक सुलिवन की बैठक सौहार्दपूर्ण थी। वार्ता बेहद स्पष्ट और व्यापक विषयों पर हुई।' इससे पहले, बाइडन ने नौ सितंबर को फोन पर चीन के राष्ट्रपति के साथ लंबी बातचीत की थी।

यूरोप ने जानसन एंड जानसन कोविड-19 वैक्सीन बनाने के लिए मर्क के प्लांट को मंजूरी दी

ब्रसेल्स। यूरोपियन मेडिसिन एजेंसी ने कहा कि उसने जानसन एंड जानसन कोविड-19 वैक्सीन बनाने के लिए वेस्ट प्वाइंट, पेनसिल्वेनिया में अमेरिकी दवा निर्माता कंपनी मर्क एंड कंपनी इंक की निर्माण साइट को मंजूरी दे दी है। ईएमए ने कहा कि मर्क की साइट के तुरंत चालू होने के उम्मीद लगाई जा रही है, जिससे यूरोपीय संघ में जेएंडजे की सीओवीआईडी -19 वैक्सीन की निरंतर आपूर्ति हो सके।

इससे पहले हाल ही में अमेरिका की तीसरी कोरोना वैक्सीन निर्माता कंपनी जानसन एंड जानसन ने संघीय नियामक फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन से अपनी कोरोना वायरस वैक्सीन की बूस्टर डोज की इजाजत मांगी है। बता दें कि महामारी कोविड-19 की शुरुआत के साथ ही दुनिया भर में सबसे अधिक प्रभावित होने वाले देशों में

अमेरिका सबसे आगे रहा है। यहां संक्रमण के मामले तो अधिक आए ही मौतें भी सबसे अधिक यहीं हुई हैं। देश में जानसन एंड जानसन की सिंगल डोज कोरोना वैक्सीन के आपातकालीन इस्तेमाल को मंजूरी मिल गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी थी। यह देश में उपलब्ध होने वाली चौथी कोरोना वैक्सीन होगी। सीरम इंस्टिट्यूट की कोविशील्ड (आक्सफर्ड-एस्ट्राजेनेका), भारत बायोटेक की कोवैक्सीन और डा. रेड्डीज की स्पुतनिक वी (रूस की वैक्सीन) पहले से ही उपलब?ध हैं। मंजूरी मिली कंपनी भारत में आपूर्ति हैदराबाद स्थित बायोलाजिकल ई. लिमिटेड के साथ एक समझौते के माध्यम से करेगी। अध्ययनों से पता चला है कि जानसन एंड जानसन वैक्सीन में कोविड के गंभीर मामलों के खिलाफ 85 फीसद प्रभावकारिता है। वैश्विक स्वास्थ्य से जुड़ी बड़ी कंपनियों में शुमार जानसन एंड जानसन ने केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) को एक आवेदन प्रस्तुत किया है, जिसमें 12-17 वर्ष की आयु के किशोरों के लिए भारत में अपनी कोविड-19 वैक्सीन का अध्ययन करने की अनुमति मांगी गई है।

फ्रांस सरकार ने बिशप कांफ्रेंस के प्रमुख को भेजा समन, दिया था विवादित बयान

पेरिस। चर्च में बड़े पैमाने पर यौन उत्पीड़न के मामलों के पर्दाफाश के बाद आलोचनाओं का सामना कर रही फ्रांस सरकार ने बिशप कांफ्रेंस के प्रमुख को उनके एक विवादित बयान के सिलसिले में समन जारी किया है। बिशप ने कहा है कि चर्च में आरोपित द्वारा स्वीकार किया गया अपराध (कन्फेशन) कानून से ऊपर है। मांसिग्नर एरिक डी मौलिंस-ब्यूफोर्ट ने फ्रांस-इन्फो रेडियो पर कहा था कि कबूलनामे की गोपनीयता गणतंत्र के कानूनों से अधिक अहम है। बिशप ने स्वतंत्र जांच आयोग की तरफ से मंगलवार को जारी उस रिपोर्ट के संदर्भ में बयान दिया था, जिसमें कहा गया है कि वर्ष 1950 के बाद के 70 वर्षो में फ्रांस के चर्च में 3.30 लाख बच्चों का यौन उत्पीड़न किया गया। रिपोर्ट में कहा गया था कि इन यौन उत्पीड़न की

घटनाओं को बहुत ही सुनियोजित तरीके से छिपाया गया। आयोग ने चर्च से फ्रांस के कानून का सम्मान करने की अपील की थी।

सरकार के प्रवक्ता गैब्रिल एटल ने गुरुवार को बलपूर्वक कहा कि फ्रांस के कानून से कुछ भी ऊपर नहीं है। बिशप को अगले हफ्ते गृह मंत्री गेराल्ड डरमैनिन से मिलने को कहा गया है।फ्रांस पारंपरिक रूप से रोमन कैथोलिक देश है, लेकिन वहां 1905 के कानून के अनुसार चर्च को देश से अलग रखते हुए सख्त पंथनिरपेक्ष सार्वजनिक जीवन का अनुपालन किया जाता है। कैथोलिक मान्यता के अनुसार, कन्फेशन की गोपनीयता पवित्र है। कैथोलिक चर्च ने यौन उत्पीड़न के आरोपितों द्वारा किए गए कन्फेशन की जानकारी देने से इन्कार कर दिया है।

मास्को वार्ता में तालिबान को आमंत्रित करेगा रूस, बढ़ेगी दोनों देशों में नजदीकी

मास्को। अफगानिस्तान में सत्ता कब्जाने वाले कट्टर इस्लामिक समूह तालिबान से रूस नजदीकी बढ़ाने जा रहा है। रूस ने कहा कि वह 20 अक्टूबर को अफगानिस्तान पर होने वाली मास्को प्रारूप बैठक में तालिबान के प्रतिनिधियों को आमंत्रित करेगा। अफगानिस्तान के लिए रूसी राष्ट्रपति के विशेष दूत व विदेश मंत्रालय के द्वितीय एशियाई विभाग के निदेशक जमीर काबुलोव के हवाले से टीएएसएस ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। रिपोर्ट के अनुसार, 'रूस अफगानिस्तान पर प्रस्तावित प्रारूप बैठक के लिए तालिबान के प्रतिनिधियों को आमंत्रित करेगा।'

हालांकि, काबुलोव ने यह स्पष्ट नहीं किया कि तालिबानी प्रतिनिधि किस स्तर के होंगे। छह दलों की प्रणाली के आधार पर मास्को प्रारूप वर्ष 2017 में निर्धारित किया गया था। इसका उद्देश्य रूस, अफगानिस्तान, चीन, पाकिस्तान, ईरान व भारत के बीच विशेष प्रतिनिधियों के जरिये परामर्श करना था।

जल्द समावेशी सरकार बनाए तालिबान

पिछले दिनों रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने तालिबान को कहा था कि वह जल्द से जल्द समावेशी सरकार बनाए। उसमें सभी लोगों का प्रतिनिधित्व हो। जनता के साथ जो भी वादे किए हैं, उनको पूरा करें। उन्होंने यह भी कहा कि रूस अफगानिस्तान में आतंकवाद रोकने, समावेशी सरकार व जनता से किए वादों को पूरा कराने के लिए अमेरिका, चीन और पाकिस्तान के साथ मिलकर काम कर रहा है। रूसी विदेश मंत्री ने कहा था कि तालिबान को महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों का सम्मान करना होगा। तालिबान ने सार्वजनिक रूप से जो बात कही हैं, उनको पूरा करके दिखाए।

24 घंटों के अंदर रूस में कोरोना के चलते 924 लोगों की मौत हुई

रूस का यह सख्त रुख तालिबान के उस बयान के बाद आया है जिसमें उसने कहा था कि पाकिस्तान और दुनिया के बाकी मुल्कों को इस्लामिक अमीरात से अफगानिस्तान में एक 'समावेशी' सरकार बनाने के लिए कहने का कोई भी अधिकार नहीं है। अफगानिस्तान में अंतरिम सरकार गठन के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी कहा था कि अफगानिस्तान में एक समावेशी सरकार का गठन किया जाना चाहिए। अमेरिका भी तालिबान से बार- बार इसी बात पर जोर दे रहा है। रूस ने कहा था कि अफगानिस्तान में तालिबान को सरकार के तौर पर मान्यता देने पर अभी फैसला नहीं लिया गया है। रूस का कहना है कि इस बारे में फैसला लेने से पहले वह वहां घटनाक्रम का बारीकी से अवलोकन करेगा।

पीड़ित परिवार को सौंपी सम्मान राशि

भारतीय वायु सेना में कार्यरत शहीद स्वर्गीय रमेश कुमार के परिजनों से मिले केरजीवाल

नई दिल्ली, प्रफुल्ल राय(शिवालिक)।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को दिल्ली के रेस कोर्स क्लब में रह रहे शहीद स्वर्गीय रमेश कुमार के परिवार से मिलकर भावुक हो गए। स्वर्गीय राजेश कुमार भारतीय वायु सेना में तैनात थे और 3 जून 2019 को अरूणाचल प्रदेश में ऑपरेशनल ट्रेनिंग सॉर्टी के दौरान एक विमान दुर्घटना में शहीद हो गए थे। इस दौरान शोक संतप्त परिवार के सदस्य अपने बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पाकर अपने आंसू रोक नहीं सके।

सहायता राशि से परिवार को मिलेगी मदद : केरजीवाल

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि स्वर्गीय राजेश कुमार भारतीय वायु सेना में कार्यरत थे और देश की सेवा करते हुए एक विमान दुर्घटना में शहीद हो गए थे। आज उनके परिवार से मिला और एक करोड़ रुपए की सम्मान राशि का चेक सौंपा। स्वर्गीय राजेश कुमार के जान की कीमत तो हम नहीं लगा सकते हैं, लेकिन मैं उम्मीद करता हूं कि इससे उनके परिवार को थोड़ी मदद मिलेगी। हमने स्वर्गीय राजेश कुमार की एक बहन को पहले ही सिविल डिफेंस में शामिल कर लिया है, दूसरी बहन को भी उसमें नौकरी देंगे और भविष्य में भी उनके परिवार का ख्याल रखेंगे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, की स्वर्गीय राजेश कुमार भारतीय वायु सेना में कार्यरत थे। वह देश की सेवा करते हुए एक विमान दुर्घटना में शहीद हो गए थे। आज उनके परिवार से मिला और एक करोड़ रुपए की सहायता राशि का चेक सौंपा। उम्मीद है कि इससे परिवार को मदद मिलेगी। भविष्य में भी स्वर्गीय राजेश कुमार जी के परिवार का ख्याल रखेंगे। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि स्वर्गीय राजेश कुमार दो साल पहले अरूणांचल प्रदेश में तैनात थे और वहां ऑपरेशनल ट्रेनिंग सॉर्टी एयर मेंटेनेंस के दौरान उनका एयर क्राफ्ट दुर्घटनाग्रस्त होने से वह शहीद हो गए। जैसा कि फौज में तैनात दिल्ली के जो भी लोग शहीद होते हैं, उन लोगों को दिल्ली सरकार एक करोड़ रुपए की सम्मान राशि देती है।

आज मैं स्वर्गीय राजेश कुमार के माता-पिता और पत्नी समेत परिवार के सभी सदस्यों से मिला और परिवार को एक करोड़ रुपए की सम्मान राशि का चेक सौंपा है। स्वर्गीय राजेश कुमार के जान की कीमत तो हम नहीं लगा सकते हैं, लेकिन मैं उम्मीद करता हूं कि इससे इनके परिवार को थोड़ी मदद मिलेगी। स्वर्गीय राजेश की एक बहन को पहले ही हमने सिविल डिफेंस में शामिल कर लिया है और दूसरी बहन को भी हम उसमें नौकरी देंगे।

शहीद के परिवारों को सौंपी गई सम्मान राशि : कैलाश गहलोत

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि केजरीवाल सरकार की तरफ से शहीद के परिवारों को सम्मान राशि सौंपी गई है। केजरीवाल सरकार के मंत्री, विधायक और राज्यसभा सांसद ने शहीदों के परिवारों को उनके आवास पर जाकर आर्थिक सहायता दी है। दिल्ली पुलिस एयर फोर्स और ट्रांसपोर्ट विभाग में अपना कर्तव्य निभाते हुए शहीद होने वाले जांबाजों को आर्थिक सहायता दी गई है। दिल्ली पुलिस के एसीपी संकेत कौशिक 25 जुलाई 2020 को शहीद हो गए थे। मूलरूप से राजस्थान के अजमेर, शास्त्री नगर निवासी स्वर्गीय संकेत कौशिक की तैनाती साउथ वेस्ट दिल्ली में ट्रैफिक में थी। 25 जुलाई 2020 को उनकी ड्यूटी राजकोरी फ्लाई ओवर पर थी। वह सरकारी वाहन से उमराव होटल के पास सर्विस लेन पर वाहनों की जांच करने लगे। इसी दौरान रात करीब 8 बजे गुरुग्राम की तरफ से तेज रफ्तार से आ रहे एक मिनी ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। उन्हें बेहद गंभीर हालत में एम्स में भर्ती कराया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। जिसके बाद शहीद के वसंत एन्क्लेव स्थित आवास पर जाकर उनकी पत्नी प्रभा कौशिक और मां शंकुतला कौशिक को आरके पुरम विधायक प्रमिला ने चैक सौंपा।

राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन के ब्लूप्रिंट का हुआ अनावरण

केंद्रीय पशुपालन मंत्री डॉ.संजीव बालियान ने किया अनावरण

(प्रवीण कुमार सिंह)

नई दिल्ली । केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री डॉ.संजीव बालियान ने एनडीडीबी, आणंद में राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन के ब्लूप्रिंट का अनावरण किया। मीनेश शाह, अध्यक्ष, एनडीडीबी, वर्षा जोशी, अपर सचिव (सीएंडडीडी), डीएएचडी, भारत सरकार, उपमन्यु बसु, संयुक्त सचिव (एलएच), डीएएचडी, भारत सरकार, डॉ.सिंदुरा गणपति, विजिटिंग पीएसए फेलो, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय, भारत सरकार, डॉ.आर.एस.सोढ़ी, प्रबंध निदेशक, जीसीएमएमएफ, गुजरात तथा विभिन्न दूध संघों के प्रबंध निदेशक, एनडीडीबी और इसकी सहायक कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी, टीसीएस और अर्नेस्ट एंड यंग के वरिष्ठ अधिकारी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। डॉ.बलियान ने कहा कि इस पशुधन क्षेत्र के पास ग्रामीण आजीविका का आधार बनने का एक अनूठा संयोजन उपलब्ध है। यदि इस क्षेत्र के विकास हेतु अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए पूरे देश में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में सामंजस्य बिठाने के ठोस प्रयास किए जाते, तो विकास बहुत बेहतर होता। किसान कल्याण को केंद्र में रखते हुए, एनडीएलएम की शुरूआत किए जाने के मूल में यही मुख्य विचार रहा है। एनडीडीबी के अध्यक्ष ने कहा कि एनडीएलएम का मूलाधार सभी पशुधन की विशिष्ट पहचान होगी, जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय सहित सभी राज्य और राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों का आधार बनेगा। इस डिजिटल मंच के माध्यम से किसान सहज रूप से बाजारों तक पहुंच सकेंगे क्योंकि इस पारिस्थितिकी तंत्र में अधिक संख्या में हितधारकों को जोड़ा जाएगा। इस प्रणाली में मजबूत पशु प्रजनन प्रणाली, पोषण, रोग निगरानी, रोग नियंत्रण कार्यक्रम और पशुओं एवं पशु उत्पादों के लिए एक पता लगाने की प्रणाली भी शामिल होगी।

संक्षिप्त खबर

ट्रांस्टील ने क्लब के माध्यम से ग्रोथ कैपिटल जुटाई

नई दिल्ली। ट्रांस्टील, एसएमई तथा मिडल-मार्केट कंपनियों पर लक्षित ऑफिस फर्नीचर के लिए भारत के अग्रणी डीसी ब्राण्ड्स में से एक, ने भारत की अग्रणी राजस्व आधारित वित्त कंपनी क्लब समेत प्रमुख निवेशकों से 4 करोड़ रुपए का ग्रोथ कैपिटल प्राप्त किया है। ट्रांस्टील स्टार्ट-अप्स, छोटे और मझोले आकार के व्यवसाय मालिकों के लिये बने उद्देश्यपूर्ण और प्रीमियम ऑफिस फर्नीचर की पेशकश करता है। ट्रांस्टील ने मई 2020 में कोविड के दौरान अपना डी2सी वर्टिकल लॉन्च किया था। यह स्टार्ट-अप्स और छोटे तथा मझोले व्यवसाय मालिकों के लिये ऑफिस स्पेसेस की फर्नीशिंग को आसान और किफायती बनाता है। फंडिंग राउंड के बारे में ट्रांस्टील के मैनेजिंग डायरेक्टर शिराज़ इब्राहिम ने कहा, इससे हमारा आत्मविश्वास बहुत बढ़ा है हमारे निवेशक ट्रांस्टील के कंज्यूमर, एमएसएमई, एसएमई वर्टिकल्स को बढ़ावा देने के हमारे विचार के अनुरुप हैं। इस फंडिंग से हमें अपने व्यवसाय के विकास में निश्चित रूप से मदद मिलेगी और सीधे अंतिम उपभोक्ता को किफायती फर्नीचर देने का हमारा मिशन आगे बढ़ेगा जिसमें हम फर्नीचर की आपूर्ति और उसका इंस्टॉलेशन एक सप्ताह के भीतर ही करते हैं। वह भी 'बाय नाउ, वर्क नाउ' के एप्रोच के साथ, ताकि स्टार्ट-अप और छोटे व्यवसाय की संस्कृति के तेज गति वाले स्वभाव के अनुकूल रहे।

हाइड्रोलिक ट्री प्रूनर मशीन से होगी पेड़ों की छटाई

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा पेड़ों की छटाई के लिए शहरी विकास फंड से दो हाइड्रोलिक ट्री प्रूनर मशीन खरीदी हैं। शुक्रवार को पूर्वी दिल्ली के महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल, उप-महापौर किरण वैद्य, पूर्वी निगम में स्थायी समिति अध्यक्ष, बीर सिंह पंवार, नेता सदन पूर्वी निगम के मुख्यालय से हरी झंडी दिख कर रवाना किया। इस मौके पर स्थायी समिति के उपाध्यक्ष दीपक मल्होत्रा, शाहदरा उत्तरी क्षेत्र के अध्यक्ष, प्रवेश शर्मा, शाहदरा दक्षिणी के अध्यक्ष हिमांशी पांडे, उद्यान विभाग की अध्यक्ष नीतू त्रिपाठी सहित अन्य पार्षद भी मौजूद थे। इस मौके पर महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल ने बताया कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने यू.डी.एफ फंड से 27 लाख रुपये में ये दो हाइड्रोलिक ट्री प्रूनर मशीने खरीदी है। उन्होंने कहा कि इससे पहले निगम के पास ऊंचे पेड़ो की छंटाई के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी जिसके कारण आंधी के मौसम में उन पेड़ो को गिरने और कोई हादसा होने का डर बना रहता था। महापौर ने कहा कि पूर्वी निगम ने पहल करके पेड़ो की छटाई करने के उद्देश्य ये मशीने खरीदी हैं जिससे सुचारू और सुगम तरीके से यह कार्य किया जा सके। उन्होंने बताया कि दिल्ली के अन्य निगमों के पास अभी इस प्रकार की मशीने उपलब्ध नहीं है। स्थायी समिति अध्यक्ष बीर सिंह पंवार ने हाइड्रोलिक ट्री प्रूनर मशीन की विशेषता बताते हुए कहा कि ये इस मशीन की बॉडी छोटी है इसलिए छोटी गलियों और संकरे रास्तों पर आसानी से जाकर आसानी से पेड़ों की छटाई कर सकती है।

पीड़ित परिवारों के खाते में भेजी एकमुश्त रकम

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल द्वारा गत सप्ताह मुख्यमंत्री कोविड-19 परिवार आर्थिक सहायता योजना को लेकर की गई सख्ती के बाद कोरोना से जान गंवाने वाले ज्यादातर लोगों के परिवारों को आर्थिक मदद मिल गई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सख्ती के बाद अधिकारियों ने युद्ध स्तर पर काम किया और अब तक सत्यापित हुए आवेदनों में से 89 फीसद पीड़ित परिवारों के खाते में एकमुश्त रकम 50 हजार रुपए भेज दी है।

निगम विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों का किया गया वैक्सीनेशन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दक्षिणी निगम के वार्ड संख्या 59एस एंडयूज गंज वार्ड में एक दिन में 800 लोगों का फ्री-वैक्सीनेशन किया गया। दक्षिणी निगम में नेता कांग्रेस दल और निगम पार्षद अभिषेक दत्त ने बताया कि जैसे पूर्व में विभिन्न एजेंसियों एवं डॉक्टर्स द्वारा यह अनुमान लगाया जा रहा था कि कोरोना महामारी की थर्ड-वेव आने वाली है जो कि छोटे बच्चों के लिए बहुत नुकसान दायक और जानलेवा साबित हो सकती है। इसी को मद्देनजर रखते हुए एक योजना प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों के सहयोग से बनाई गई जिसमें निगम के विद्यालयों में पढ़ने वाले गरीब बच्चों के अभिभावको को बिना सरकार की मदद से एक फ्री-वैक्सीनेशन का कार्यक्रम निर्धारित किया गया ताकि वे और उनके बच्चे कोरोना महामारी की चपेट से बस सके। चूंकि, निगम विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चे निम्न वर्ग से आते हैं और उनकी आर्थिक क्षमताए भी कमजोर है। निगम स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावको को सरकार द्वारा दी जा रही वैक्सीनेशन का लाभ नहीं मिल पा रहा था जिसके फलस्वरुप वे कोरोना-वैक्सीनेशन इससे वंचित थे।

दिल्ली में 8 मेट्रो कारिडोर पर एक साथ लागू होगा कामन मोबिलिटी कार्ड, यात्रियों को होंगे ये फायदे

नई दिल्ली । दिल्ली मेट्रो में नेशनल कामन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) को लागू करने के लिए डीएमआरसी (डीएमआरसी) तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इसके तहत मेट्रो स्टेशनों पर लगे आटोमेटिक फेयर कलेक्शन गेट (एएफसी) गेट चरणबद्ध तरीके से अपग्रेड किए जा रहे हैं। इसी क्रम में डीएमआरसी ने फेज चार के स्टेशनों के लिए नए एएफसी गेट खरीदने और मौजूदा मेट्रो कारिडोर (फेज एक, फेज दो व फेज तीन की मेट्रो लाइन) के स्टेशनों पर लगे हजारों एएफसी गेट को अपग्रेड करने की प्रक्रिया शुरू की है। इस योजना पर 411.61 करोड़ खर्च होगा।

डीएमआरसी का कहना है कि सभी स्टेशनों पर लगे एएफसी गेट के साफ्टवेयर को अपग्रेड करने के बाद मौजूदा आठ मेट्रो कारिडोर पर एक साथ एनसीएमसी को लागू किया जाएगा। तब यात्री रुपे डेबिट कार्ड व मोबाइल से क्यूआर कार्ड के जरिये किराया भुगतान कर दिल्ली मेट्रो में सफर कर सकेंगे। दरअसल, एनसीएमसी की योजना के तहत रुपे डेबिट कार्ड को सार्वजनिक परिवहन के वाहनों में किराया भुगतान के लिए कामन मोबिलिटी कार्ड के रूप में स्वीकृति मिली है। मार्च 2019 में केंद्र सरकार ने इसे जारी किया था। मौजूदा समय में दिल्ली मेट्रो के एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर रुपे कार्ड के जरिये किराया भुगतान की सुविधा है। अन्य आठ कारिडोर (रेड, ब्लू, येलो, ग्रीन, वायलेट, पिंक, मजेंटा व ग्रे लाइन) पर इसे अभी तक लागू नहीं किया गया है।

डीएमआरसी के अनुसार दिल्ली मेट्रो के मौजूदा 247 स्टेशनों पर 3047 एएफसी गेट लगे हुए हैं। जिसे अपग्रेड करने का काम एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर कामन मोबिलिटी कार्ड लागू करने के बाद ही शुरू हो गया था। कुछ स्टेशनों पर नए एएफसी गेट भी लगाए गए हैं लेकिन अभी ज्यादातर एएफसी गेट को अपग्रेड करने का काम बाकी है। इस वजह से फेज चार के 44 मेट्रो स्टेशनों के लिए अत्याधुनिक एएफसी गेट खरीदने की प्रक्रिया के साथ-साथ पुराने कारिडोर के एएफसी गेट को अपग्रेट करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। डीएमआरसी ने सभी स्टेशनों के एएफसी गेट को अपग्रेड कर अगले साल के अंत तक कामन मोबिलिटी कार्ड को लागू करने का लक्ष्य रखा है लेकिन बताया जा रहा है कि यह वर्ष 2023 में ही लागू हो पाएगा। तब यात्रियों को मेट्रो का स्मार्ट कार्ड रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। रेड लाइन (रिठाला-दिलशाद गार्डन) के स्टेशनों पर लगे पुराने एएफसी गेट को बदला जाएगा।

ई रिक्शा किराए पर देने का झांसा देकर 1100 लोगों से 15 करोड़ की ठगी, दो आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली । ई-रिक्शा किराये पर चलाकर रोजाना तीन सौ रुपये देने का झांसा देकर 1100 लोगों के साथ 15 करोड़ रुपये की ठगी हो गई। इस मामले में दो आरोपितों को आर्थिक अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। आरोपित अशोक नगर निवासी हषरुल कौशिक व तिलक नगर निवासी गुरमीत साहनी हैं।इस मामले में आर्थिक अपराध शाखा ने वर्ष 2019 में रिपोर्ट दर्ज की थी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि एसओएस व्हीकल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक गुरमीत साहनी, जसनीत सिंह व प्रमोटर हषरुल कौशिक के खिलाफ 50 लोगों ने शिकायतें दी थीं। जिसमें बताया गया कि आरोपितों ने एक ई-रिक्शा के लिए करीब 1.31 लाख रुपए निवेश करने पर रोजाना तीन सौ रुपये देने का वादा किया था। पीड़ितों को विश्वास में लेने के लिए आरोपित ई-रिक्शा बनाने वाली फैक्ट्री में भी लेकर गए। करीब 1100 पीड़ितों ने 15 करोड़ रुपये निवेश कर दिए। टेक्निकल सर्विलांस की मदद से दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं, एक अन्य मामले में नरेला औद्योगिक क्षेत्र में गुरुवार को बदमाशों ने लूटपाट का विरोध करने पर युवक पर चाकू से वार कर दिया। जिससे पीड़ित के बाएं हाथ की अंगुलियां कट गईं।

बदमाश पीड़ित का मोबाइल छीनकर मौके से फरार हो गए। घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां अंगुलियों में टांके लगाए गए हैं और उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। पुलिस ने नरेला औद्योगिक क्षेत्र थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

आप नेता दुर्गेश पाठक का आरोप

सदन में दिल्ली की संपत्ति बेचने का प्रस्ताव पास करना चाहती थी भाजपा

नई दिल्ली,(रविशंकर तिवारी)।

आम आदमी पार्टी के पार्षदों को दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा भाजपा द्वारा बुलाई गई सदन में भाग लेने की इजाजत दे दी गई है। भाजपा ने आप के पार्षदों को 15 दिनों के लिए सस्पेंड कर दिया था। इसके बाद 6 दिनों के भीतर ही भाजपा ने सदन बुला ली जिसमें आप के पार्षदों को भाग लेने की इजाजत नहीं थी। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने इस फैसले के लिए हाई कोर्ट का धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा इस सदन में दिल्ली की संपत्ति बेचने का प्रस्ताव ला रही थी इसलिए किसी भी प्रकार के विरोध से बचने के लिए हमारे पार्षदों को सस्पेंड कर दिया। आम आदमी पार्टी ने भाजपा के कदम की कड़ी निंदा की है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने शुक्रवार को बयान जारी किया।

उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट का बहुत-बहुत धन्यवाद कि उन्होंने लोकतंत्र की रक्षा की। दिल्ली वासियों आज मैं आपको बताना चाहता हूं कि कुछ दिनों पहले, जब दिल्ली की साफ-सफाई को लेकर हमारे पार्षदों ने भाजपा के महापौर और नेताओं से प्रश्न पूछना चाहा तो उन्हें प्रश्न पूछने की इजाजत नहीं दी गई।

भाजपा ने पूरी दिल्ली को कर दिया बर्बाद : पाठक

आप नेता ने कहा, आज भाजपा ने पूरी दिल्ली को बर्बाद कर दिया है, गंदा कर दिया है। हर तरफ कूड़े का अंबार लगा हुआ है। कूड़े के तीन बड़े-बड़े पहाड़ लगे हुए हैं। दिल्ली को पूरी तरह बदसूरत बना दिया है। जिधर देखो उधर बुरा हाल है और जब इसको लेकर हमारे पार्षद बीजेपी से प्रश्न करते हैं तो जवाब देने के बजाय भाजपा के लोग प्रश्न पूछने से ही मना कर देते हैं। यह बिल्कुल भी सही नहीं है। इससे पता चलता है कि भाजपा के लोगों के दिल में चोर है। आम आदमी पार्टी इसका विरोध करती है और आगे भी विरोध जारी रखेगी।

सामाजिक कार्यों के लिए अनवर खुर्शीद को किया गया सम्मानित

हमारे समाज की बेटियां आगे बढ़ रही हैं

(आनंद राय)

नई दिल्ली । पसमांदा सम्मेलन अबुल फैजल रीवर व्यू होटल दिल्ली में आयोजित हुआ। यह सम्मेलन राष्ट्रीय जागरूक मुस्लिम मोर्चा के बैनर तले किया गया। इसकी अध्यक्षता इस्माइल वाटलीवाला मुंबई ने की। इस अवसर पर खैरुल बशर सलमानी, अनीस अंसारी, वकार सहाब, एडवोकेट जाहिद ताज और शमशाद आलम आजमगढ़ ने अपने विचार रखे। पसमांदा समाज की राजनीतिक में भागीदारी की बात कही गई इसकी निजामत हाफिज गुलाम सर्वर ने की। इस प्रोग्राम में सामाजिक कार्यकर्ता को सम्मानित किया गया। इस सम्मेलन में अनवर खुर्शीद को सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। नई जिंदगी ट्रस्ट ने 2020 से 2021 में कोविड-19 में जरूरतमंदों को अर्थिक मदद जैसे राशन किट, रजाई, मेडिसन, ऑक्सीजन सिलेंडर और ऑक्सीमीटर से मदद की। एमबीबीएस डॉक्टरों से ऑन लाईन सलाह भी मुहैया कराई। नई जिंदगी ट्रस्ट एजुकेशन के क्षेत्र मे काम कर रहा है। इस मौके पर अनवर खुर्शीद ने बताया कि हमारा समाज शिक्षित लोगों की कद्र करता है और जरूरत है ज्यादा से ज्यादा शिक्षित लोग आगे आएं जिससे कि समाज में जागृति की ओर बढ़ सकें।

बिना आधार व नोटिस के तलाक देने की परंपरा को अघोषित करने की मांग

नई दिल्ली । बिना आधार व नोटिस के तलाक दिए जाने के प्रविधान को असंवैधानिक घोषित करने मांग वाली याचिका खारिज करने के पूर्व निर्णय को महिला ने चुनौती दी है। न्यायमूर्ति विपिन सांघी व न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने याचिका पर केंद्र व दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले में अगली सुनवाई 12 जनवरी को होगी। इससे पहले इसी पर पीठ ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी थी कि इस पर सुनवाई का कोई आधार नहीं दिखाई देता है और इससे संबंधित कानून पहले ही संसद से पारित हो चुका है।

28 वर्षीय मुस्लिम महिला ने अधिवक्ता बजरंग वत्स के माध्यम से याचिका दायर कर कहा था कि यह परंपरा मनमाना, शरिया काननू विरोधी, असंवैधानिक, स्वेच्छाचारी और बर्बर है। यह पुरुषों को एकतरफा अधिकार देता है। उन्होंने शरिया कानून का उल्लंघन करने वाली इस परंपरा को समाप्त करने और दिशानिर्देश बनाने की मांग की थी। याचिका के अनुसार महिला के पति ने आठ अगस्त को तलाक देकर उन्हें छोड़ दिया है। इसके बाद उन्होंने पति को कानूनी नोटिस भेजा था।

दिल्ली के सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर, टीका न लेने वाले माने जाएंगे अनुपस्थित

नई दिल्ली । दिल्ली के सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर आ रही है। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने अपने अहम आदेश में कहा कि दिल्ली के सभी सरकारी कर्मचारियों को 15 अक्टूबर तक कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लेनी ही होगी। अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया तो अनुपस्थित मानते हुए आन लीव मार्क किया जाएगा, यानी अनुपस्थिति की स्थिति में सैलरी भी कटेगी।

गौरतलब है कि दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से शुक्रवार को जारी आदेश के मुताबिक, सरकारी कर्मचारियों को 15 अक्टूबर तक कोरोना वैक्सीन डोज लेना अनिवार्य। ऐसे में अगर कोई इसका अनुपालन नहीं करेगा तो उसको अनुपस्थिति माना जाएगा। इससे पहले 30 सितंबर को डीडीएमए ने अपने आदेश में सिर्फ शिक्षकों के लिए कोरोना का टीका लेना अनिवार्य लिया था, लेकिन अब यह आदेश सभी सरकारी शिक्षकों पर लागू होगा।

डीडीएमए के स्टेट एग्जीक्यूटिव कमेटी के चेयरपर्सन और दिल्ली के चीफ सेक्रेटरी विजय देव की ओर से यह अहम आदेश शुक्रवार को जारी किया गया। इसमें साफ और स्पष्ट आदेश दिए गए हैं कि 15 अक्टूबर से पहले सभी सरकारी कर्मचारी अपना कोरोना वैक्सीनेशन करवा लें। वरना उन्हें अनुपस्थित माना जाएगा।

आश्रय स्थलों में टीकाकरण करवा रहा जिला प्रशासन- उधर, मध्य जिला प्रशासन इन दिनों लगातार कैंप लगाकर टीकाकरण करा रहा है। इसके लिए समय-समय पर अभियान भी चलाए जा रहे हैं। बुधवार को प्रशासन की ओर से आश्रय स्थलों में कैंप लगाए गए हैं, जहां रहने वाले लोगों को कोरोनारोधी टीके की पहली और दूसरी डोज दी गई। जामा मस्जिद, कश्मीरी गेट व करोलबाग स्थित सभी आश्रय स्थलों में वहां रहने वाले लोगों को डोज लगाई गई।

एडीएम नागेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि बुधवार को 150 लोगों को टीके की पहली और दूसरी डोज दी गई है। उन्होंने कहा कि स्थलों में रहने वाले लोग टीका लगवाने में लापरवाही करते हैं। ऐसे में प्रशासन की ओर से ऐसे ही लोगों के लिए लगातार कैंप का आयोजन किए जाएंगे, जिससे दिल्ली के हर व्यक्ति को टीका लगाया जा सके।

कोरोना ड्यूटी से शिक्षकों को करें कार्यमुक्त'- उधर, राजधानी दिल्ली में ज्यादातर टीजीटी और पीजीटी शिक्षक कोरोना ड्यूटी के चलते चालान काटने या राशन बांटने का कार्य कर रहे हैं। ऐसे में शिक्षा निदेशक उदित प्रकाश राय ने सभी जिलाधिकारियों से टीजीटी और पीजीटी शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से कोरोना ड्यूटी से कार्यमुक्त करने का आग्रह किया, ताकि शिक्षक वापस स्कूलों में लौट कर कक्षाओं में भी ध्यान दे सकें।

इसके साथ ही उन्होंने मांग की कि कोरोना ड्यूटी में दूसरे विभागों के कर्मचारियों या जिन शिक्षकों को स्कूल खुलने के बाद शैक्षणिक कार्यो में शामिल नहीं किया गया उनको प्रधानाचार्यो की मंजूरी लेकर कोरोना ड्यूटी में लगाएं। उदित प्रकाश राय की ओर से जारी परिपत्र में कहा गया है कि नवंबर में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की टर्म -1 की बोर्ड परीक्षाएं होनी हैं। ऐसे में शिक्षकों का स्कूलों में होना बहुत जरूरी है।

चिकन खाने के लिए शौकीने के लिए राहत की खबर, घट गए हैं दाम

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले चिकन के शौकीनों के लिए राहत भरी खबर आ रही है। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली-एनसीआर में चिकन के दामों में भारी कमी आई है। ऐसे में जो लोग महंगाई का रोना रो रहे हैं, वे देश की सबसे बड़ी गाजीपुर चिकन मंडी का रुख कर सकते हैं। यहां पर 85 रुपये प्रति किलो के हिसाब से चिकन खरीदकर उसे खाने का लुत्फ उठा सकते हैं।

दरअसल, पूर्वी दिल्ली स्थित गाजीपुर मंडी में मुर्गों के दामों में भारी गिरावट आई है। पिछले कुछ दिनों के दौरान ही गाजीपुर मंडी में मुर्गा 30 रुपये प्रति किलो तक सस्ता हो गया है, लेकिन सस्ता होने के बावजूद इसकी बिक्री प्रभावित हुई है। कहा जा रहा है कि ऐसा नवरात्र पर्व शुरू होने के चलते हुआ है। अनुमान के मुताबिक, जिस गाजीपुर मुर्गा मंडी से दिल्ली-एनसीआर के अलावा इससे सटे राज्यों में रोजाना 5 लाख मुर्गों को आपूर्ति होती है, वहां पर यह संख्या आधी की करीब यानी ढाई लाख आ गई है। फिलहाल गाजीपुर में मुर्गा 80 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास आ गया है। यह स्थिति हरियाणा और यूपी की भी है। दिल्ली से सटे शहरों में भी मुर्गा 80 रुपये प्रति किलो के आसपास ही मिल रहा है।

मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के गाजीपुर मंडी में चिकन रेट 80 रुपये किलो के करीब है। कुछ दिन पहले तक यही चिकन 105 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा था। जानकारों का मानना है कि नवरात्र शुरू होने के साथ ही मुर्गे-चिकन की कीमत में गिरावट आती है। ऐसा हर साल होता आया है। माना जा रहा है कि अगले कुछ दिनों के दौरान चिकन का दाम 80 रुपये प्रति किलो से नीचे भी आ सकता है, लेकिन नवरात्र खत्म होने के बाद इसकी कीमतों में इजाफा होने के पूरे आसार हैं। ऐसे में आप चाहें तो महंगाई के जमाने में सस्ता चिकन गाजीपुर मंडी या फिर अन्य जगहों से खरीद सकते हैं।

इससे फरवरी, 2020 में कोरोना वायरस को लेकर अफवाह के चलते घरेलू बाजार में चिकेन की खपत 50 फीसद तक घट गई थी। इसका असर यह हुआ था कि कीमतें 70 फीसद तक घट गई थीं।

संपादकीय

रैंकिंग से बाहर हैं जो कॉलेज

कोरोना के कारण पिछले डेढ़ साल से बंद पड़े उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा मंत्रालय द्वारा घोषित वर्ष 2021 की रैंकिंग से चर्चा का माहौल गरम हो गया है। 2016 से शुरू हुई इस रैंकिंग में 11 श्रेणियों, यथा विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, इंजीनियरिंग, प्रबंध, विधि, फार्मेसी, चिकित्सा आदि विषयों के श्रेष्ठतम संस्थानों की सूची जारी की गई है। इस बार सिर्फ 4,000 उच्च शिक्षा संस्थानों ने इस रैंकिंग में भाग लिया, यह देश के कुल संस्थानों के दस प्रतिशत से भी कम है। वर्ष 2021 की रैंकिंग में श्रेष्ठतम विश्वविद्यालयों की सूची में आईआईटी, मद्रास व आईआईएससी, बेंगलुरु प्रथम और द्वितीय स्थान पर रहे। तीन अन्य आईआईटी (मुंबई, दिल्ली और कानपुर) प्रथम पांच संस्थानों की सूची में रखे गए। देश के दो मशहूर विश्वविद्यालयों जेएनयू और बीएचयू को नौवें और दसवें स्थान पर जगह मिल पाई। देश के सर्वश्रेष्ठ कॉलेजों की सूची में दिल्ली के मिरांडा हाउस और लेडी श्रीराम कॉलेज प्रथम व द्वितीय स्थान पर पाए गए हैं। प्रथम 50 श्रेष्ठतम कॉलेजों की सूची में 20 स्थान दिल्ली के कॉलेजों को मिले हैं, जो सूचक है कि देश की राजधानी, भारत की उच्च शिक्षा की भी राजधानी बनती जा रही है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा वर्ष 2021 की रैंकिंग सूची को जारी करते समय जो वक्तव्य दिया गया, उससे अनुमान लगाया जा रहा है कि अगले कुछ वर्षों में इस रैंकिंग में कुछ विकासशील देशों के संस्थानों को भी सम्मिलित किया जाएगा। निश्चित रूप से एनआईआरएफ को विश्वस्तरीय रैंकिंग बनाने से भारत की बौद्धिक एवं अकादमिक प्रभुता को विश्व स्तर पर स्थापित करने में मदद मिलेगी। ज्ञातव्य है कि शंघाई, चीन की जिओ टोंग यूनिवर्सिटी ने वर्ष 2003 में एकेडेमिक रैंकिंग ऑफ वर्ल्ड यूनिवर्सिटी (एआरडब्ल्यूयू) शुरू की थी, जो आज विश्व की प्रमुख तीन रैंकिंग में शामिल है। एनआईआरएफ द्वारा छठी बार देश के श्रेष्ठतम संस्थानों की सूची जारी की जा चुकी है। कोरोना-काल में दूसरी बार यह संभव हो पाया है। क्या इन सूचियों द्वारा हम अपनी उच्च शिक्षा को विश्व स्तरीय बना पा रहे हैं? क्या इस समूची प्रक्रिया में भारत के 90 प्रतिशत औसत दर्जे के संस्थानों को भी मौका मिल पाएगा? ये शिक्षण संस्थान दिल्ली, मुंबई, मद्रास, बेंगलुरु, कोलकाता और चेन्नई जैसे उच्च शिक्षा के हब से दूर ग्रामीण क्षेत्रों व छोटे शहरों में हैं।

एनआईआरएफ रैंकिंग उच्च शिक्षा के चमकते सितारों की चमक-दमक को और ज्यादा लुभावना बनाने में सफल रही है। एनआईआरएफ की रैंकिंग में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले संस्थानों में कुछ ऐसे संस्थान भी आते हैं, जो निजी हाथों से संचालित हैं। अगर आप गौर से देखें, तो इन सूचियों में राज्य संचालित शिक्षण संस्थान बड़ी संख्या में नहीं मिलेंगे। साल 2016 में पहली बार शुरू की गई रैंकिंग में राष्ट्रीय स्तर की 11 श्रेणियां बनाई गई थीं। इन श्रेणियों में की गई रैंकिंग से ताकतवर संस्थानों को और ताकतवर बनाने में तो मदद मिल रही है, किंतु वे संस्थान पिछड़ते जा रहे हैं, जो साधन-संपन्न नहीं हैं। भारत जैसे देश में उच्च शिक्षा की एक बड़ी भूमिका पिछड़े क्षेत्रों के युवाओं को बड़े अवसर देने की रही है। क्षेत्रीय स्तर पर ऐसे कई कॉलेज व यूनिवर्सिटियां मिल जाएंगी, जहां से निकले युवाओं ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तमाम क्षेत्रों में अपनी धाक जमाई। मिसाल के तौर पर, पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम जिन कॉलेजों में पढ़े, उनका नाम आप इन सूचियों में शायद नहीं खोज पाएंगे। विश्व स्तर पर और देश में भी अनेक नामी कंपनियों में उच्च पदों पर काम कर रहे भारतीयों में अधिकांश वे हैं, जो आईआईटी और आईआईएम में नहीं पढ़े थे। यह एक मिथक है कि प्रतिभा सिर्फ शिखर संस्थानों में ही मिलती है।

देश की उच्च शिक्षा में प्रतिस्पर्द्धा शुरू करने के लिए एनआईआरएफ का विचार उत्तम है, किंतु अब समय आ गया है कि इसकी समावेशी, प्रगतिशील व वस्तुपरक आधारों पर समीक्षा करते हुए इसके तीन संस्करण बनाए जाएं, यथा- वैश्विक, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय। इन तीन प्रकार की श्रेणियों में इस बात पर ध्यान रखा जाए कि आजादी के बाद के सात दशकों में देश में जो कुछ आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास हुआ है, उसमें अनेक प्रकार की असमानताएं मिल जाएंगी। इन तीन प्रकार की रैंकिंग में भाग लेने के फैसले को उच्च शिक्षा संस्थानों पर छोड़ दिया जाना चाहिए।

एनआईआरएफ में शामिल देश के सर्वश्रेष्ठ 100 संस्थानों में बमुश्किल पांच प्रतिशत विद्यार्थियों को प्रवेश मिल पाता है। मिसाल के तौर पर, दिल्ली विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध कॉलेजों में हर साल एक लाख विद्यार्थियों को ही दाखिला मिल पाता है। दिल्ली-एनसीआर में करीब तीन करोड़ की आबादी की उच्च शिक्षा विषयक जरूरतों को पूरा करने के लिए सैकड़ों संस्थान हैं, जिनके नाम इन रैंकिंग में नहीं पाए जाते हैं। उच्च शिक्षा पा रहे चार करोड़ विद्यार्थी ये जानना चाहेंगे कि यदि वे अपने जनपद, राज्य या क्षेत्र में ही पढ़ना चाहते हैं, तो उनके लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प क्या हैं? एनआईआरएफ की रैंकिंग तीन स्तर पर घोषित करने विकल्प खोजने में मदद मिलेगी। एनआईआरएफ की पिछले छह वर्षों की रैंकिग से साफ जाहिर होता है कि इसका आईआईटी और केंद्र सरकार द्वारा संचालित संस्थानों की तरफ ज्यादा झुकाव है। इसका एक प्रमुख कारण है रिसर्च को अत्यधिक महत्व दिया जाना। जिन विद्वानों या नीति-निर्धारकों ने एनआईआरएफ की रचना की, वे पश्चिमी देशों के रिसर्च प्रधान संस्थानों से जरूर प्रभावित रहे होंगे। भारत में रिसर्च या शोध शिक्षण संस्थानों की जरूरत है, किंतु ऐसे संस्थान 10 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होंगे। हमारे देश के 90 प्रतिशत कॉलेज और विश्वविद्यालय शिक्षण प्रधान हैं या वे रोजगारपरक शिक्षा देते हैं। इन संस्थानों के शिक्षकों और विद्यार्थियों से शोधकार्य करने एवं शोध पत्र प्रकाशित करने की अपेक्षा करना फिलहाल तो मृग-मरीचिका ही होगी। हमें शिक्षा मंत्रालय से आशा करनी चाहिए कि कोविड काल की जमीनी सच्चाइयों को ध्यान में रखते हुए और एनआईआरएफ की भावी संरचना और श्रेणियों पर एक राष्ट्रीय सहमति बनाते हुए इसका एक नया रूप बनाया जाए, जो अगले दशकों में हमारे देश की चुनौतियों और संभावनाओं के अनुरूप हो।

प्रवीण कुमार सिंह

कांग्रेस बहुत तेजी से अपने राजनीतिक पतन की ओर अग्रसर

हार्दिक को कांग्रेस में आए ढाई साल हो गए। उसके बाद से गुजरात में कांग्रेस की हार का सिलसिला रुकने के बजाय और तेज हुआ है। गुजरात कांग्रेस के नेताओं ने अभी तक हार्दिक को स्वीकार नहीं किया है। गुजरात में कांग्रेस चुनाव तो छोड़िए अपनी पार्टी की राज्य इकाई का पुनर्गठन पिछले ढाई साल से नहीं कर पाई। पार्टी का कोई प्रदेश प्रभारी, अध्यक्ष या विधायक दल का नेता नहीं है। इंदिरा गांधी ने 1967 के बाद कांग्रेस का बौद्धिक पक्ष वामदलों को आउटसोर्स कर दिया था। अब राहुल गांधी पूरी पार्टी को ही वामपंथ के हवाले कर रहे हैं। इसमें भी कोई समस्या नहीं होती, यदि यह काम एक सुविचारित नीति के तहत होता। बस ऐसा हो रहा है। क्यों हो रहा है, किसी को पता नहीं। जानने में किसी की दिलचस्पी भी नहीं दिखती।

कांग्रेस बहुत तेजी से अपने राजनीतिक पतन की ओर अग्रसर है। इस प्रक्रिया को रोक पाना अब कठिन दिखाई देता है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस का क्षरण परमाणु विखंडन की प्रक्रिया जैसा हो गया है। जो एक बार शुरू हो गई तो रुकेगी नहीं। नेहरू-गांधी परिवार इस प्रक्रिया में उत्प्रेरक का काम कर रहा है। यानी बाड़ खेत खाने लगी है। परिवार हर वह फैसला ले रहा है जो उसे नहीं लेना चाहिए। इसकी सूची इतनी लंबी है कि गिनती कराना भी कठिन है। परिवार के फैसलों में राजनीतिक अपरिपक्वता, अदूरदर्शिता, अहंकार और एनटाइटलमेंट की भावना सब एक साथ नजर आती हैं।

कांग्रेस मुक्त भारत का नारा दिया तो था प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने, पर लगता है कि इसे पूरा करने का संकल्प राहुल और प्रियंका ने लिया है। अपने हर फैसले से राहुल गांधी साबित कर रहे हैं कि पार्टी चलाना शायद उनके बस की बात नहीं है। इसमें किसी सुधार की कोई गुंजाइश भी नहीं दिख रही, क्योंकि सुधार के लिए पहली शर्त यह है कि आपको गलती स्वीकार करनी पड़ती है। गलती स्वीकार करना राहुल गांधी के या कहें कि नेहरू-गांधी परिवार के स्वभाव में ही नहीं है। इसे यों भी कह सकते हैं कि ऐसा करना परिवार के लोग अपनी हेठी मानते हैं, क्योंकि मान्यता तो यही है कि राजा कभी कुछ गलत कर ही नहीं सकता।

पंजाब में कांग्रेस छह महीने पहले जीतती हुई लग रही थी। तीन महीने पहले लगने लगा कि शायद अब भी जीत सकती है। अब लग रहा है कि पहले नंबर पर तो नहीं ही रहेगी। इतनी तेजी से पार्टी की स्थिति बिगाड़ने के लिए विशेष प्रयास की जरूरत थी। इसलिए पार्टी हाईकमान ने नवजोत सिंह सिद्धू को मैदान में उतारा। सिद्धू ने काम पूरा कर दिया

है, पर वह वहीं नहीं रुके। सिद्धू ने अब सीधे हाईकमान को ही चुनौती दे दी है। हाईकमान के हाथ-पैर फूल गए हैं। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी से कहा जा रहा है कि वह मामले को हल करें। सिद्धू को समझ में आ गया है कि उनका खेल खत्म हो गया है। चन्नी के मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके मुख्यमंत्री बनने का रास्ता बंद हो गया है। जो बात सिद्धू को बर्दाश्त नहीं हुई, वह यह कि चन्नी रबर स्टैंप बनने को तैयार नहीं हैं।

इससे भी बुरी बात यह कि गांधी परिवार चन्नी के साथ खड़ा हो गया है। सिद्धू के अंदर की असुरक्षा कुलांचे मार रही है। सो उन्हें लगा कि इससे निकलने का एक ही रास्ता है, हाईकमान की सत्ता को ही चुनौती दी जाए। सवाल है कि अब गांधी परिवार सिद्धू का क्या करेगा? उनसे न निगला जा रहा है और न उगला। सिद्धू का इस्तीफा मंजूर करना नहीं चाहते और सिद्धू के सामने झुकने को तैयार नहीं दिखते।

सिद्धू ने अपनी हरकत से दो और काम किए हैं। एक मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का कद बढ़ा दिया है। दूसरे राहुल और प्रियंका का आभामंडल क्षीण कर दिया है। यह गतिरोध तोड़ने के लिए अब सिद्धू को गांधी परिवार से नहीं मुख्यमंत्री चन्नी से बात करनी होगी। समय का फेर देखिए कि कुछ दिन पहले तक चन्नी, सुनील जाखड़ और सुखजिंदर सिंह रंधावा जैसे नेता कैप्टन के खिलाफ सिद्धू के साथ थे, पर अब वे सब सिद्धू के विरोध में खड़े हैं।

उधर पंजाब में आग लगी थी और इधर दिल्ली में कन्हैया कुमार और जिग्नेश मेवाणी के आगमन की पार्टी चल रही थी। हालांकि जिग्नेश अपनी विधानसभा सदस्यता बचाने के लिए औपचारिक रूप से कांग्रेस में शामिल नहीं हुए, परंतु संख्या कितनी भी बड़ी हो उसमें जीरो जोड़ने से कुछ बढ़ता नहीं है। कन्हैया कुमार की पहचान क्या है? आतंकी अफजल गुरु के समर्थन और देश विरोधी नारों के मामले में कन्हैया पर देशद्रोह का मुकदमा चल रहा है। जिग्नेश कांग्रेस के समर्थन से विधानसभा चुनाव जीते थे। इसके अलावा उनकी और कोई उपलब्धि नहीं। तो क्या कांग्रेस उधार के सिंदूर से अपनी मांग भरना चाहती है? सभी पार्टियों में बाहर से लोग आते हैं। यह कोई नई बात नहीं है, लेकिन सवाल है कि जिसे ले रहे हैं, उसकी अपनी कोई जमीन है कि नहीं? बिना जमीन वाला नेता सिर्फ बोझ बनता है। बोझ उठाने वाला नहीं। कांग्रेस को इस समय ऐसे नेताओं की जरूरत है जो उसका जनाधार बढ़ाने में मदद करें। कन्हैया बेगूसराय से लोकसभा चुनाव लड़े। देश भर से उनके समर्थन में लोग जुटे। उसके बावजूद साढ़े चार लाख वोट से हारे। चुनाव में हार-जीत होती रहती है। सवाल है कि हारने के बाद क्या किया? राहुल गांधी ने गलती की थी, जब कन्हैया और उनके साथियों के समर्थन में जेएनयू गए।

उसका खामियाजा लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को उठाना पड़ा। उससे बड़ी गलती की है कन्हैया को पार्टी में लेकर। क्या जो भारत के विरोध में खड़े हैं, कांग्रेस में उनका स्वागत है? जिग्नेश ने विधायक बनने के बाद से चार साल में ऐसा कुछ नहीं किया, जिसके आधार पर कहा जा सके कि उनके कांग्रेस में आने से पार्टी को कोई फायदा होगा।

गुजरात में दलितों की आबादी कुल आबादी का सात फीसद है। उसमें भी जिग्नेश का कोई प्रभाव नहीं है। वह कांग्रेस समर्थन के बिना अपनी सीट तक नहीं जीत सकते। कांग्रेस से जुड़ने पर कन्हैया और जिग्नेश को तो फायदा हुआ है, लेकिन कांग्रेस को क्या फायदा हुआ है, यह समझना कठिन है। हां, नुकसान होता हुआ जरूर दिख रहा है। दरअसल ये फ्रीलांसर टाइप नेता हमेशा संगठन के लिए बोझ होते हैं। हार्दिक पटेल को देखिए।

हार्दिक को कांग्रेस में आए ढाई साल हो गए। उसके बाद से गुजरात में कांग्रेस की हार का सिलसिला रुकने के बजाय और तेज हुआ है। गुजरात कांग्रेस के नेताओं ने अभी तक हार्दिक को स्वीकार नहीं किया है। गुजरात में कांग्रेस चुनाव तो छोड़िए अपनी पार्टी की राज्य इकाई का पुनर्गठन पिछले ढाई साल से नहीं कर पाई। पार्टी का कोई प्रदेश प्रभारी, अध्यक्ष या विधायक दल का नेता नहीं है। इंदिरा गांधी ने 1967 के बाद कांग्रेस का बौद्धिक पक्ष वामदलों को आउटसोर्स कर दिया था। अब राहुल गांधी पूरी पार्टी को ही वामपंथ के हवाले कर रहे हैं। इसमें भी कोई समस्या नहीं होती, यदि यह काम एक सुविचारित नीति के तहत होता। बस ऐसा हो रहा है। क्यों हो रहा है, किसी को पता नहीं। जानने में किसी की दिलचस्पी भी नहीं दिखती।

दलित-मुस्लिम एकता का कड़वा सच, सिर्फ चुनाव में राजनीतिक लाभ लेना है मकसद

इन दिनों दलित-मुस्लिम एकता की चर्चा फिर से होने लगी है। कई ऐसे नेता हैं, जो खुद को दलित-मुस्लिम एकता का पैरोकार बता रहे हैं। उनका मकसद आने वाले विधानसभा चुनाव में राजनीतिक लाभ लेना है। एक समय यही काम जोगेंद्र नाथ मंडल ने किया था। उनका जन्म पूर्वी बंगाल में हुआ था। 1939-40 में वह कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के करीब आए, लेकिन जल्द ही उन्हें अहसास हो गया कि कांग्रेस के एजेंडे में उनके समाज के लिए ज्यादा कुछ करने की इच्छा नहीं है। इसलिए वह मुस्लिम लीग से जुड़ गए और कुछ दिनों में ही वह जिन्ना के खास बन गए। उन्होंने बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के साथ मिलकर अनुसूचित जाति संघ को पूर्वी बंगाल में स्थापित किया। तब पूर्वी बंगाल की राजनीति में दलित और मुस्लिम समुदाय का वर्चस्व था। जब 1946 में सांप्रदायिक दंगे फैल गए, तब जिन्ना के कहने पर उन्होंने पूर्वी बंगाल के सभी क्षेत्रों में यात्र की और दलितों को मुसलमानों के खिलाफ हिंसा में भाग न लेने के लिए तैयार किया। उन्होंने दलितों को समझाया कि मुस्लिम लीग के साथ विवाद में कांग्रेस के लोग दलितों को इस्तेमाल कर रहे हैं।

भारत विभाजन के बाद मंडल पाकिस्तान की संविधान सभा के सदस्य और वहां के प्रथम कानून एवं श्रम मंत्री बने। 1947 से 1950 तक वह पाकिस्तान की तत्कालीन राजधानी कराची में रहे। जब पाकिस्तान बना तो मंडल के कहने पर लाखों दलित पाकिस्तान चले गए। पाकिस्तान निर्माण के कुछ वक्त बाद ही गैर मुस्लिमों को निशाना बनाया जाने लगा। हिंदुओं के साथ लूटपाट, दुष्कर्म की घटनाएं सामने आने लगीं। मंडल ने इस विषय पर सरकार को कई खत लिखे, लेकिन उनकी एक न सुनी गई। उलटे उन्हें बाहर करने के लिए उनकी देशभक्ति पर संदेह किया जाने लगा।

मंडल को इसका अहसास हुआ कि जिस पाकिस्तान को उन्होंने अपना घर समझा था, वह उनके रहने लायक नहीं है। उन्हें विश्वास था पाकिस्तान में दलितों के साथ अन्याय नहीं होगा, लेकिन लगभग दो साल में ही दलित-मुस्लिम एकता का मंडल का ख्वाब टूट गया। जिन्ना की मौत के बाद मंडल 8 अक्टूबर, 1950 को लियाकत अली खां के मंत्रिमंडल से त्यागपत्र देकर भारत आ गए। मंडल ने अपने खत में लिखा, 'बंगाल में मुस्लिम और दलितों की एक जैसी हालत थी। दोनों ही पिछड़े और अशिक्षित थे। मुझे आश्वस्त किया गया था कि मुस्लिम लीग के साथ मेरे सहयोग से ऐसे कदम उठाए जाएंगे, जिससे बंगाल की बड़ी आबादी का भला होगा और हम सब मिलकर ऐसी आधारशिला रखेंगे, जिससे सांप्रदायिक शांति और सद्भाव बढ़ेगा। इन्हीं कारणों से मैंने मुस्लिम लीग का साथ दिया। 1946 में पाकिस्तान के निर्माण के लिए मुस्लिम लीग ने डायरेक्ट एक्शन डे मनाया था। इसके बाद बंगाल में भीषण दंगे हुए। कलकत्ता के नोआखाली नरसंहार में हजारों हिंदुओं की हत्या हुई, सैकड़ों ने इस्लाम कुबूल किया। इसके बाद मैंने दंगा प्रभावित इलाकों का दौरा किया। मैने हिंदुओं के भयानक दुख देखे, फिर भी मैंने मुस्लिम लीग के साथ सहयोग की नीति को जारी रखा।'

मंडल ने अपने त्यागपत्र में पाकिस्तान में दलितों पर हुए अत्याचार की कई घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, 'गोपालगंज के पास दीघरकुल में एक झूठी शिकायत पर स्थानीय नामशूद्र (दलित) परिवारों के साथ क्रूरता की गई। पुलिस के साथ मिलकर स्थानीय मुसलमानों ने नामशूद्र समाज के लोगों को पीटा और घरों को लूटा। निर्दोष हिंदुओं विशेष रूप से पिछड़े समुदाय के लोगों पर सेना और पुलिस ने हिंसा को बढ़ावा दिया। मुझे इस मामले में रिपोर्ट के लिए आश्वस्त किया गया, लेकिन रिपोर्ट नहीं आई।'

मंडल आगे लिखते हैं, 'खुलना जिले के कलशैरा में सशस्त्र पुलिस, सेना और स्थानीय लोगों ने निर्ममता से हिंदुओं के पूरे गांव पर हमला किया। मैंने 28 फरवरी 1950 को कलशैरा और आसपास का दौरा किया। वह स्थान खंडहर में बदल चुका है। लगभग 350 घरों को ध्वस्त कर दिया गया था। मैंने तथ्यों के साथ सूचना दी, लेकिन कुछ नहीं हुआ। ढाका में नौ दिनों के प्रवास के दौरान मैंने दंगा प्रभावित इलाकों का दौरा किया। नारायणगंज और चटगांव के बीच रेल पटरियों पर निर्दोष हिंदुओं की हत्याओं ने मुझे अंदर से झकझोर दिया। मैंने पूर्वी बंगाल के मुख्यमंत्री से मुलाकात कर दंगा रोकने का आग्रह किया। 20 फरवरी 1950 को मैं बारिसाल पहुंचा। यहां बड़ी संख्या में हिंदुओं को जिंदा जला दिया गया। मैंने जिले के सभी दंगा प्रभावित इलाकों का दौरा किया, मधापाशा के जमींदार के घर में 200 लोगों की मौत हुई। मैंने खुद वहां नरकंकाल देखे, जिन्हें गिद्ध और कुत्ते खा रहे थे। वहां पुरुषों की हत्याओं के बाद महिलाओं को आपस में बांट लिया गया। पूर्वी बंगाल के दंगे में 10,000 से अधिक हिंदुओं की हत्याएं हुईं। महिलाओं और बच्चों का विलाप देख मेरा दिल पिघल गया और मैंने स्वयं से पूछा, क्या मैं इसी इस्लाम के नाम पर पाकिस्तान आया था?'

मंडल ने अपने इस्तीफे में यह भी लिखा, 'विभाजन के बाद पश्चिमी पंजाब में करीब एक लाख पिछड़ी जाति के लोग थे। उनमें से बड़ी संख्या को जबरन इस्लाम में मतांतरित किया गया। इसी तरह सिंध में रहने वाली पिछड़ी जाति की बड़ी संख्या को मुसलमान बनाया गया। इनका कारण एक ही है। हिंदू धर्म को मानने के अलावा इनकी कोई गलती नहीं है।' आखिरकार लियाकत सरकार से इस्तीफे के बाद हताश-निराश मंडल भारत आ गए। कुछ वर्ष गुमनामी में बिताने के बाद पांच अक्टूबर, 1968 को उन्होंने अंतिम सांस ली।

दोषियों को मिले सजा

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर-खीरी में हिंसक घटनाओं के बीच राहत की खबर यह आई कि प्रशासन और किसान नेताओं में आरंभिक मसलों पर समझौता हो गया। इससे मृत किसानों के शवों का पोस्टमॉर्टम और फिर अंतिम संस्कार का रास्ता साफ हो गया। आंदोलनकारी किसानों ने हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज से पूरे मामले की जांच कराने की मांग की थी, जिसकी तैयारी चल रही है। अभी तक यूपी सरकार ने इस मामले को अच्छी तरह संभाला है। उसने सही वक्त पर आला पुलिस अधिकारियों को मौके पर भेजा। मृतक किसान परिवारों को 45 लाख रुपये का मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी देने का वादा किया। इसके साथ 8 दिनों में आरोपियों को अरेस्ट करने की बात भी सरकार ने कही है।

इन उपायों से इलाके में तनाव कम करने में मदद मिल सकती है। साथ ही, इस मामले में कई चीजें अभी स्पष्ट होनी हैं। चार किसानों को एक केंद्रीय मंत्री के बेटे की गाड़ी से कुचले जाने के इल्जाम हैं तो किसानों पर भी बीजेपी के चार कार्यकर्ताओं को मार डालने के आरोप हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी भी गौरतलब है।

उसने भी कहा कि जब भी ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं होती हैं, कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं होता। प्रदर्शनकारी आंदोलन को शांतिपूर्ण बताते हैं, लेकिन हिंसा होने पर उसकी जिम्मेदारी नहीं लेते।

अदालत ने किसान महापंचायत की जंतर-मंतर पर सत्याग्रह की अनुमति मांगने वाली याचिका की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। दूसरी ओर, इस मामले में केंद्र सरकार की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने कहा कि लखीमपुर खीरी जैसी घटनाओं को रोकने के लिए किसानों के विरोध प्रदर्शन पर तुरंत रोक लगाई जाए।

किसानों और सरकार की इन दलीलों से अलग हमें यह सोचने की जरूरत है कि समय-समय पर लखीमपुर खीरी जैसी घटनाएं क्यों होती हैं और उन्हें किस तरह से रोका जाए। कुछ दिन पहले एक विडियो वायरल हुआ, जिसमें संबंधित केंद्रीय मंत्री आंदोलनकारी किसानों को चेतावनी देते दिख रहे हैं।

सोशल मीडिया पर एक और वीडियो चर्चा में है, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल समर्थकों से आंदोलनकारी किसानों को शठे शाठ्यम् समाचरेत (जैसे को तैसा) की शैली में जवाब देने को कहते दिख रहे हैं। अगर ये वीडियो सही हैं तो कहना होगा कि ये बयान गैर-जिम्मेदाराना हैं।

जो लोग जिम्मेदार पदों पर बैठे हुए हैं, उन्हें कुछ भी कहते हुए अपने पद की गरिमा का भी खयाल करना होगा। आखिर संवैधानिक, लोकतांत्रिक मूल्यों को संरक्षित रखने की पहली जिम्मेदारी उनकी ही बनती है। वहीं, अगर बात लखीमपुर खीरी मामले की करें तो जांच के बाद दोषियों को सजा मिलना भी जरूरी है। तभी इस तरह की घटनाओं का दोहराव रुक पाएगा।

अराजकता के आगे असहाय देश, सुप्रीम कोर्ट की नाक के नीचे किसान संगठनों की अंधेरगर्दी जारी

बेशक अड़ियल किसान संगठनों से कोई उम्मीद नहीं की जा सकती। वे अपनी सनक के साथ विपक्षी दलों के समर्थन पर सवार हैं, लेकिन क्या देश के लोग पुलिस, सरकार और अदालतों से भी कोई उम्मीद न रखें? यह सवाल इसलिए, क्योंकि किसान संगठनों के आगे वे भी असहाय-निरुपाय नजर आ रही हैं। यह हास्यास्पद ही नहीं, शर्मनाक भी है कि कानून के शासन को लेकर नित नए उपदेश देने वाला सुप्रीम कोर्ट यह नहीं देख पा रहा कि किस तरह उसकी नाक के नीचे किसान संगठनों की अंधेरगर्दी जारी है।

लोकतंत्र की आड़ लेकर किस तरह लोकतंत्र को ही नष्ट करने का काम वि[illegible]ा सटीक उदाहरण है तथाकथित किसान संगठनों का आंदोलन। इस आंदोलन की ओर से बीते दस माह में दूसरी बार भारत बंद का आयोजन किया गया और इस दौरान जानबूझकर लोगों की नाक में दम किया गया। किसान संगठनों और उन्हें समर्थन दे रहे दलों के कार्यकर्ताओं की ओर से हरसंभव यह कोशिश की गई कि भारत बंद के दौरान लोगों को जाम में फंसना पड़े और उनका सड़कों पर निकलना दूभर हो जाए। लोगों को तंग करने के उद्देश्य से इस बार ट्रेनों को भी रोका गया। किसान संगठन ऐसा बार-बार करने में इसीलिए समर्थ हैं, क्योंकि एक तो वे किसानों की फर्जी आड़ लेने में लगे हुए हैं और दूसरे, इसलिए कि लोगों को तंग करने, उनकी रोजी-रोटी पर लात मारने और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाले अपने अराजक आंदोलन को लोकतांत्रिक बताने में लगे हुए हैं। वे ऐसा करने में तब समर्थ हैं, जब इसी साल 26 जनवरी को उन्होंने दिल्ली में देश को नीचा दिखाने और आम किसानों को कलंकित करने वाला घृणित काम किया था। उन्होंने गणतंत्र दिवस पर जबरन ट्रैक्टर रैली निकालकर जमकर नंगा नाच किया, लेकिन उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सका। किसान नेता जिस सफाई और ढिठाई के साथ कथित तौर पर 'बाहर से आए उत्पातियों' को कुसूरवार ठहराकर बच निकले, वह कानून एवं व्यवस्था के मुंह पर एक तमाचा ही था।

कायदे से पुलिस को ट्रैक्टर रैली शांतिपूर्ण रहने का भरोसा देने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन वह उन्हें नोटिस देने के अलावा कुछ नहीं कर सकी। किसान नेताओं ने यह नोटिस रद्दी की टोकरी में फेंक दिया हो तो हैरानी नहीं। 26 जनवरी को जैसी हिंसा लाल किले में हुई थी, कुछ वैसी ही 6 जनवरी को अमेरिका के संसद भवन (कैपिटल हिल) में हुई थी और उसके लिए तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ महाभियोग लाया गया। क्या यह विचित्र नहीं कि जैसी हिंसा के लिए जिम्मेदार माने गए अमेरिकी राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग लाया गया, वैसी ही हिंसा के लिए जिम्मेदार समडो गए किसान नेताओं के खिलाफ भारत में कुछ भी नहीं किया जा सका। इसका एक बड़ा कारण पिलपिली कानून एवं व्यवस्था रही और दूसरा यह कि किसान नेता यह नकली आड़ लेने में समर्थ रहे कि वे तो ट्रैक्टर रैली के नाम पर अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल कर रहे थे।

किसान नेताओं की सेहत पर तब भी कोई फर्क नहीं पड़ा था, जब उनके आंदोलन में शामिल होने आई एक युवती के साथ दुष्कर्म किया गया। यह दुष्कर्म भी इस कथित लोकतांत्रिक आंदोलन के साये में छिप गया। इस पर गौर करें कि अपने भारत में किसी आंदोलन को लोकतांत्रिक बताकर किस तरह के दुष्कृत्य किए जा सकते हैं। गौर इस पर भी करें कि ऐसे अराजक आंदोलनों के खिलाफ पुलिस और सरकारें किस तरह कुछ नहीं कर पातीं। पंजाब में सैकड़ों मोबाइल टावर नष्ट कर दिए गए, किसी का कुछ नहीं बिगड़ा। अराजक किसान संगठनों ने कई जगहों पर टोल प्लाजा पर कब्जा किया। इसके चलते प्रतिदिन करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ, लेकिन किसी के कान पर जूं नहीं रेंगी, क्योंकि इस अराजक आंदोलन पर बड़ी चतुराई के साथ लोकतांत्रिक आंदोलन का ठप्पा लगा दिया गया है।

बीते दस माह से पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में लाखों लोगों को अपने गंतव्य तक जाने में अतिरिक्त समय जाया करना पड़ रहा है, लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है, क्यों? क्योंकि किसान संगठन अपने आंदोलन को लोकतांत्रिक बताने में लगे हुए हैं। कथित किसान नेताओं के अराजक आंदोलन के कारण दिल्ली, हरियाणा एवं पंजाब में अब तक अरबों रुपये का नुकसान हो चुका है और हजारों लोगों की रोजी-रोटी पर बन आई है, लेकिन सरकारें और अदालतें इसलिए कुछ नहीं कर पा रही हैं, क्योंकि इस घोर अराजक और आम आदमी विरोधी आंदोलन को लोकतांत्रिक कहा जा रहा है। यह आंदोलन शासन व्यवस्था के लिए किस तरह भस्मासुर बन गया है, इसका प्रमाण है पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह का यह बयान कि किसान संगठन राज्य से बाहर जाकर आंदोलन करें।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के यह कहने से साफ है कि यह आंदोलन अराजक है कि धरने-प्रदर्शन के नाम पर सार्वजनिक स्थलों पर कब्जा नहीं किया जा सकता। बावजूद इसके किसान नेताओं पर इसलिए कोई असर नहीं, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट यह कहने का साहस नहीं जुटा पा रहा कि सड़कों पर कब्जा करना आम लोगों के अधिकारों को कुचलना है। यह तब है जब एक तरह से सुप्रीम कोर्ट की नाक के नीचे यानी दिल्ली के सीमांत इलाकों में सड़कों पर कब्जा करके रखा गया है। यह कुछ वैसा ही है जैसे नक्सली संगठन अपनी नाकाबंदी को लोकतांत्रिक बताने लगें। इस पर हैरानी नहीं कि किसान संगठनों के भारत बंद को इस बार कई नक्सली संगठनों ने भी अपना समर्थन दिया। क्या किसान नेता उस दिन का इंतजार कर रहे हैं, जब उनके आंदोलन को अन्य देश विरोधी ताकतें समर्थन देने की घोषणा करेंगी?

बेशक अड़ियल किसान संगठनों से कोई उम्मीद नहीं की जा सकती। वे अपनी सनक के साथ विपक्षी दलों के समर्थन पर सवार हैं, लेकिन क्या देश के लोग पुलिस, सरकार और अदालतों से भी कोई उम्मीद न रखें? यह सवाल इसलिए, क्योंकि किसान संगठनों के आगे वे भी असहाय-निरुपाय नजर आ रही हैं। यह हास्यास्पद ही नहीं, शर्मनाक भी है कि कानून के शासन को लेकर नित नए उपदेश देने वाला सुप्रीम कोर्ट यह नहीं देख पा रहा कि किस तरह उसकी नाक के नीचे किसान संगठनों की अंधेरगर्दी जारी है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपालदास के स्वास्थ्य में सुधार, मिल सकती है छुट्टी

लखनऊ । रामनगरी अयोध्या में बीती तीन अक्टूबर को अचानक तबीयत खराब होने के कारण राजधानी के मेदांता अस्पताल में भर्ती श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपालदास की हालत में काफी सुधार हो गया है। अब उनका मेडिकल ऑक्सीजन सपोर्ट भी हटा लिया गया है। माना जा रहा है कि आज उनको मेदांता अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। वह अयोध्या प्रस्थान करेंगे। सांस में तकलीफ और पेशाब में संक्रमण के चलते मेदांता अस्पताल में भर्ती श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास की हालत में काफी सुधार हो गया है। मेदांता अस्पताल के डॉक्टर्स की टीम लगातार उनकी देखरेख में लगी रही और गुरुवार को उनका ऑक्सीजन सपोर्ट भी हटा दिया गया। उनका पेशाब का संक्रमण भी अब ठीक हो गया है।

डाक्टरों ने पेशाब की जांच को संतोषजनक पाए जाने के बाद लगी नली को भी हटा दिया है। आइसीयू से बाहर कर उनको प्राइवेट वार्ड में भर्ती किया गया। मेडिकल डायरेक्टर डा. राकेश कपूर ने बताया कि करीब 83 वर्षीय महंत नृत्य गोपाल दास की हालत में अब पूरी तरह सुधार है। उन्हें शुक्रवार को डिस्चार्ज किया जा सकता है। फिलहाल क्रिटिकल केयर मेडिसिन और नेफ्रो डाक्टर उनकी निगरानी कर रहे हैं।

जमुई में तीसरे चरण की वोटिंग के दौरान मतदान केंद्र के पास दारू पार्टी! मिली अंग्रेजी शराब की बोतलें और खाना

जमुई। तीसरे चरण के मतदान के तहत जिले के जमुई सदर तथा गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत 20 पंचायतों में वोट डाले जा रहे हैं। दोनों प्रखंड में 268 मतदान केंद्रों पर वोटिंग चल रही है। ऐसे में दारू पार्टी के आयोजन की खबर भी सामने आई है। मौके से अंग्रेजी शराब की बोतले और खाने में सब्जी-पूड़ी की बरामदगी की गई है। पोलिंग बूथ के पास ही इस पार्टी का आयोजन किया गया। प्रशासन को जैसे ही इस बात की सूचना मिली, मौके पर से खाली शराब की बोतलें और खाने को जब्त किया गया। मामला, खड़सारी गांव के 47 नंबर बूथ का है। यहां समीप खाना बनाते व खिलाने के दौरान डीटीओ ने छापेमारी की। इस छापेमारी में 50 से अधिक शराब की खाली बोतलें बरामद की गई, जो इस बात का संकेत कर रही थीं कि मतदान के दिन यहां वोटरों को लुभाने के लिए दारू पार्टी का आयोजन किया गया। अंग्रेजी शराब की 50 बोतलें बरामद होने के बाद ये बात पूरे गांव में आग की तरह फैल गई। इधर जिला परिषद प्रत्याशी तनुज सिंह और मुखिया प्रत्याशी धर्मेंद्र मिस्त्री पर एफआईआर की बात सामने आ रही है। दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

बिहार में शराबबंदी के बाद भी दारू पार्टी

सवाल ये उठ रहा है कि बड़े पैमाने पर शराब की खाली बोतलें मिलने के बाद जिन्होंने इसका सेवन किया वो तो गांव के लोग ही होंगे? ऐसे में जहां बिहार में शराब की बिक्री अवैध है तो वहीं पीना भी। तो प्रशासन इतनी शराब पी चुके लोगों पर शिकंजा कसेगा। फिलहाल, दारू पार्टी को लेकर इलाके में पुलिस कैंप कर रही है। सवाल ये भी है कि जिस शराबबंदी कानून को लागू कराने के लिए पूरा पुलिस प्रशासन दिन रात छापेमारी करता है, तो क्या पंचायत चुनाव में धड़ल्ले से शराब खपाई गई? जमुई के इस गांव में आयोजित हुई दारू पार्टी इस सवाल को जायज बता रही है।

राम विलास पासवान की श्रद्धांजलि सभा में पशुपति पारस से दिखी सीएम नीतीश की नजदीकी, अब बीजेपी पर नजर

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री और लोजपा के संस्थापक रहे राम विलास पासवान की पुण्यतिथि पर एक महीने के अंदर पटना में दूसरे बड़े आयोजन ने बिहार की राजनीति की तस्वीर की काफी हद तक साफ कर दी। केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस की ओर से राष्ट्रीय लोकजनशक्ति पार्टी (हाल में चुनाव आयोग ने पुरानी लोजपा के दो गुटों को अलग-अलग नाम और सिंबल अलाट किया है। चिराग गुग लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) जबकि पारस गुट को राष्ट्रीय लोक जनशक्तिं पार्टी नाम इस्तेमाल करने की अनुमति मिली है।) के प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जदयू के नेताओं ने खूब भागीदारी दिखाई। और तो और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी आयोजन में पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने पुरानी दोस्ती की कही बात– मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रालोजपा के कार्यालय में पहुंच कर अच्छा-खासा वक्त गुजारा और राम विलास पासवान के साथ अपनी पुरानी दोस्ती के बारे में बातें कीं। उन्होंने पशुपति पारस की ओर से किए गए आयोजन की तारीफ की और कहा कि इससे लोगों को रामविलास जी को याद करने और उनको जानने का मौका मिलेगा। इस आयोजन में राज्यपाल फागु चौहान भी पहुंचे थे।

चिराग के बुलावे पर नहीं गए थे मुख्यमंत्री– आपको बता दें कि चिराग पासवान ने भी कुछ ही दिनों पहले अपने पिता की पुण्यतिर्थि मनाई थी। चिराग पासवान ने भी मुख्यमंत्री को अपने कार्यक्रम में निमंत्रित किया था। उन्होंने इसके लिए सीएम से मिलने की भी कोशिश की थी। हालांकि चिराग के कार्यक्रम में सीएम तो दूर जदयू का कोई अदना नेता भी झांकने तक नहीं गया। चिराग के कार्यक्रम में भाजपा के अलावा राजद और कांग्रेस के नेताओं की भागीदारी दिखी थी। खुद पशुपति पारस भी इस आयोजन में पहुंचे थे।

दोनों आयोजनों में एक फर्क साफ दिखा–चिराग के आयोजन में राजद और कांग्रेस की सक्रियता अधिक दिखी थी, वहीं पारस के आयोजन में इन दलों के नेता नदारद नजर आए। जदयू के नेता चिराग से दूरी बनाए रखे तो पारस के आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। भाजपा अभी दोनों से संबंध बनाए रखना चाहती है, लेकिन चिराग के आयोजन में भाजपा की सक्रियता अधिक दिखी थी।

लुधियाना में बाइकर्स गैंग एक्टिव, मोटरसाइकिल व तीन मोबाइल समेत झपटमार गिरफ्तार

लुधियाना । मोटरसाइकिल पर झपटमारी की वारदातें करने वाले झपटमार को थाना साहनेवाल पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक मोटरसाइकिल तथा 3 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। उसके खिलाफ केस दर्ज करके शुक्रवार उसे अदालत में पेश किया गया। जहां से एक दिन का रिमांड हासिल करके कड़ी पूछताछ की जा रही है। एएसआइ साहिब कुमार ने बताया कि उसकी पहचान गांव खानपुर निवासी अमृतपाल सिंह के रूप में हुई।

पुलिस को वीरवार शाम गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपित मोटरसाइकिल पर सवार होकर झपटमारी की वारदातें करता है। आज भी वह डेहलों रोड की धरोड़ पुली की और जा रहा है। सूचना के आधार पर की गई नाकाबंदी के दौरान उसे काबू कर लिया गया। एसएचओ बलविंदर सिंह ने कहा कि आरोपित का कोई पुराना रिकार्ड नहीं है। उसका एक ऐसे ढाबे पर उठना बैठना था। जहां पुलिस कर्मी उठते बैठते थे। रोजाना मिलने के कारण उसकी पुलिस वालों के साथ जान पहचान हो गई और बातचीत होने लगी। इसी पर उसका हौसला खुल गया कि उसका कोई कुछ नहीं कर सकता। उसी हौसले के बल पर वो झपटमारी की वारदातें करने लग गया। मगर वीरवार वो पकड़ा गया। उससे की जा रही पूछताछ में अहम खुलासे होने की संभावना है।

दहेज की मांग को लेकर नवविवाहिता का शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न करने के आरोप में थाना वूमेन पुलिस ने आरोपित पति के खिलाफ केस दर्ज करके उसकी तलाश शुरू की है। एएसआइ रणजीत सिंह ने बताया कि उसकी पहचान शिंगार सिनेमा के पीछे महाराजा रणजीत सिंह पार्क निवासी सचिन हांडा के रूप में हुई। पुलिस ने मोती नगर की बाबा गजा जैन कालोनी निवासी आंचल भारद्वाज की शिकायत पर उसके खिलाफ केस दर्ज किया। अपने बयान में उसने बताया कि 24 अप्रैल 2021 में उसकी शादी आरोपित के साथ हुई थी। शादी के कुछ ही दिनों बाद और दहेज लाने की मांग को लेकर आरोपित ने उसे शारीरिक व मानसिक तौर पर प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। जिसके चलते उसे पुलिस की शरण में जाना पड़ा।

लखीमपुर हिंसा मामले में आरोपित केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री के पुत्र आशीष मिश्रा मोनू बीमार, आज को होगा पेश

लखनऊ । लखीमपुर खीरी के तिकुनिया में उपद्रव तथा हिंसा में आठ लोगों की मृत्यु के मामले में किसानों की ओर दर्ज कराई गई एफआइआर में मुख्य आरोपित आशीष मिश्रा उर्फ मोनू शनिवार को लखीमपुर खीरी पुलिस लाइंस में क्राइम ब्रांच टीम के समक्ष पेश होगा। सुप्रीम कोर्ट में लगातार दूसरे दिन इसी केस को लेकर सुनवाई के बीच में केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा को शुक्रवार को ही क्राइम ब्रांच के समक्ष दस बजे पेश होना था, लेकिन आज तबीयत खराब होने के कारण वह पेश नहीं हो सका।

लखीमपुर खीरी कांड में आशीष मिश्रा उर्फ मोनू को 24 घंटे की और मोहलत मिली है। बताया जा रहा है कि आशीष मिश्रा बीमार है और पुलिस से पेश होने के लिए समय मांगा है। लखीमपुर खीरी पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने आशीष मिश्रा मोनू को शनिवार को दिन में 11ः00 बजे तक पेश होने का निर्देश दिया है। केंद्रीय मंत्री अजय कुमार मिश्र टेनी के घर पर एक और नोटिस चस्पा

कर दिया है। उनके बेटे आशीष को दूसरी नोटिस में 24 घंटे की मोहलत दी गई। आज सुबह 10 बजे पेश होने का इंतजार करती रही पुलिस।पुलिस ने इस बीच साफ कह दिया है कि अगर आशीष मिश्रा मोनू शनिवार को भी किसी कारण से पेश नहीं हो सके तो फिर कानून अपना काम करेगा। इस मामले में केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा टेनी का कहना है कि बेटे को कहीं छिपाया नहीं गया है। वह बड़ा है और अपने हिसाब से निर्णय लेता है।

आशीष मिश्रा के चचेरे भाई अमित मिश्रा ने कहा कि भागने की कोई बात नहीं है। आशीष एसआईटी के सामने पेश होंगे, छिपने की भी कोई बात नहीं है। अमित ने कहा कि यह कांग्रेस का फैलाया प्रोपेगेंडा है, आशीष उस वक्त (घटना के वक्त) बनवीरपुर में थे, मतलब मौका ए वारदात पर नहीं थे। लखीमपुर खीरी में उपद्रव तथा हिंसा के मामले में आशीष मिश्रा की तरफ से क्रास एफआइआर के लिए तहरीर देने वाला आशीष का दोस्त सुमित जायसवाल भी फरार है। वह घटना के समय थार जीप से निकलकर भागा था। सुमित जायसवाल को आशीष मिश्रा का करीबी बताया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश यूपी सरकार के वकील हरीश साल्वे ने कहा कि जिस आदमी के खिलाफ आरोप है, वो बेहद गंभीर आरोप है। हमने उसको नोटिस जारी किया है, अगर वो कल 11 बजे तक हाजिर नहीं होते हैं तो हम कार्रवाई करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार पर सवाल उठाते हुए पूछा कि लखीमपुर खीरी में हत्या के मामले में आरोपी से अलग व्यवहार क्यों हो रहा है तो हरीश साल्वे ने कहा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कोई भी बुलेट की इंजरी नहीं है।

इसी कारण आरोपी को सिर्फ नोटिस दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई बुलेट इंजरी नहीं है तो भी यह गंभीर अपराध है। साल्वे ने कहा कि मेरी पुलिस के उच्चाधिकारियों से बात हुई है। इस मामले में कार्रवाई की जाएगी।

तेजप्रताप यादव ने तेजस्वी के बुलावे को ठुकराया, राजद की मीटिंग छोड़ पहुंचे एलजेपी दतर

पटना । लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल में तेजप्रताप यादव को लेकर सबकुछ ठीक ठाक नहीं चल रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी के बयान के बाद तेजप्रताप यादव की आरजेडी में क्या स्थिति हैं, उसको लेकर सस्पेंस बरकार है। पार्टी के बड़े नेताओं से लेकर परिवार तक के लोगों न तो शिवानंद तिवारी के बयान पर कुछ रियेक्शन दे रहे हैं और न ही तेजप्रताप यादव ही खुलकर इस मसले पर अपनी राय रख रहे हैं। तेजप्रताप यादव को लेकर सस्पेंस के बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने शुक्रवार को उपचुनाव को लेकर रणनीति तैयार करने के लिए पार्टी के विधायकों की मीटिंग बुलाई। लेकिन, पटना में रहते हुए भी तेजप्रताप यादव पार्टी की मीटिंग में शामिल नहीं हुए।

राबड़ी आवास पर तेजस्वी यादव ने उपचुनाव की तैयारियों को लेकर पार्टी विधायकों की मीटिंग ली। लेकिन लालू यादव के बड़े बेटे और हसनपुर से पार्टी के विधायक तेजप्रताप यादव ने इस बैठक से दूरी बना ली। तेजस्वी यादव पार्टी के विधायकों के साथ उपचुनाव में जीत के लिए रणनीति तैयार कर रहे थे तो इधर तेजप्रताप यादव पशुपति गुट की पारस की तरफ से रामविलास पासवान की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उनके पुराना साथी और छात्र लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आकाश यादव भी साथ दिखें। हालांकि, मीटिंग के पहले राजद विधायक भाई बीरेन्द्र ने यह कहा कि सारे विधायकों को मीटिंग की सूचना गई है, सबको आना चाहिए।

कांग्रेस के लिए प्रचार करने की चर्चा– तेजप्रताप यादव को लेकर सियासी गलियारे में चर्चाओं का बाजार गरम है। पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी के बाद कांग्रेस के वरीय नेता ने गुरुवार को तेजप्रताप यादव से मुलाकात। इसके साथ ही कांग्रेस नेता अशोक कुमार ने यह कहा है कि, तेजप्रताप यादव कुशेश्वरस्थान सीट पर उनके बेटे के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। आपको बता दें कि बिहार कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष अशोक राम के बेटे अतिरेक कुमार को कांग्रेस पार्टी ने कुशेश्वरस्थान सीट से उम्मीदवार बनाया है।

एसआइटी से पूछताछ में आइएएस मोहमद इतिखारुद्दीन ने माना सभी वायरल वीडियो उनके सरकारी आवास के

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर लम्बे समय से चल रहे मतांतरण के प्रकरण में एसआइटी (विशेष जांच दल) के रडार पर आए सीनियर आइएएस अफसर मोहम्मद इफ्तिखारुद्दीन ने सरकारी आवास के दुरुपयोग की बात स्वीकार कर ली है। उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम (रोडवेज) के चेयरमैन तथा कानपुर के पूर्व मंडलायुक्त मोहम्मद इफ्तिखारुद्दीन ने माना कि मतांतररण को लेकर वायरल विवादास्पद वीडियो उनके सरकारी आवास के ही हैं।

एसआइटी (विशेष जांच दल) की पूछताछ में आइएएस इफ्तिखारुद्दीन ने वीडियो उनके कानपुर मंडलायुक्त आवास के ही होने की बात स्वीकार की है। इसके साथ यह भी कहा है कि यह वीडियो रमजान के हैं। वह टीम से पूछताछ के दौरान वह मतांतरण संबंधी कोई बात करने से बार-बार इन्कार करते रहे। एसआइटी वायरल वीडियो में कही जा रही धार्मिकबातों का परीक्षण आल इंडिया सर्विस कंडक्ट रूल्स के अनुरूप भी कर रही है। जल्द एसआइटी अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपने की तैयारी में है।

डीजी सीबीसीआइडी जीएल मीणा की अध्यक्षता में गठित दो सदस्यीय एसआइटी ने बुधवार को लखनऊ में आइएएस अफसर इफ्तिखारुद्दीन से लंबी पूछताछ की थी। इसके बाद गुरुवार शाम करीब चार बजे उनसे

पूछताछ का सिलसिला शुरू हुआ। इस दौरान इफ्तिखारुद्दीन की पत्नी व परिवार के दो अन्य सदस्य भी उनके साथ सीबीसीआइडी मुख्यालय पहुंचे थे। एसआइटी में शामिल एडीजी कानपुर जोन भानु भाष्कर ने इफ्तिखारुद्दीन से वायरल वीडियो व उनकी किताबों को लेकर सिलसिलेवार पूछताछ की है।

इस दौरान खासकर यह जानने का प्रयास किया गया कि उनके साथ वीडियो में नजर आ रहे अन्य लोग कौन हैं और उनका इफ्तिखारुद्दीन से कब से जुड़ाव है। कानपुर मंडलायुक्त के सरकारी आवास पर हुए धार्मिकआयोजन में किस तरह की बातें की गई थीं। दूसरी ओर एक वरिष्ठ आइपीएस अधिकारी का कहना है कि सेवा आचरण नियमावली के अनुसार किसी धर्म को मानने अथवा कोई धार्मिकआयोजन करने पर कोई पाबंदी नहीं है। एक लोकसेवक को पद पर रहते हुए किसी धर्म विशेष का प्रचार-प्रसार करना अथवा किसी धर्म विशेष के आयोजन में जाकर कोई भाषण देने की अनुमति नहीं है। एक अन्य अधिकारी कहते हैं कि इस दौरान यदि कोई लोकसेवक किसी धर्म के विरुद्ध कोई बात कहता है अथवा लिखता है तो वह कृत्य नियमावली के तहत दंडनीय है। मोहम्मद इफ्तिखारुद्दीन 17 फरवरी 2014 से 22 अप्रैल 2017 तक कानपुर के मंडलायुक्त के पद पर तैनात रहे थे।

किताबों को लेकर भी हुए सवाल-जवाब– एसआइटी मतांतरण के प्रकरण में यह भी देख रही है कि इफ्तिखारुद्दीन ने अपनी किताबों में किस तरह की धार्मिकबातों को लिखा है। आइएएस सेवा में रहते इन किताबों के प्रकाशन को लेकर कोई अनुमति ली गई थी अथवा नहीं।

एसआइटी ने रखे 80 वीडियो

इफ्तिखारुद्दीन से एसआइटी पूछताछ के दौरान उनके 80 वीडियो दिखाए और सवाल किए। एसआइटी ने चार दिनों तक कानपुर में रुककर विवादित वीडियो जुटाए थे। करीब 30 लोगों से पूछताछ हुई, जिसमें मंडलायुक्त कार्यालय व आवास के कर्मचारी भी शामिल थे।

आंतकी हमले में मारे गए भागलपुर के वीरेंद्र पासवान का श्रीनगर में अंतिम संस्कार, सीएम नीतीश ने जताई संवेदना

पटना । बीते पांच अक्टूबर को कश्मीर के श्रीनगर में हुए आतंकी हमले में बिहार के भागलपुर निवासी वीरेंद्र पासवान की मौत हो गई थी। गरीबी के कारण स्वजन उनके शव को भागलपुर लाने में असमर्थ रहे। उन्होंने शव का श्रीनगर में हीं अंतिम संस्कार कर दिया। इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वीरेंद्र पासवान के निकटतम आश्रित को मुख्यमंत्री राहत कोष से दो लाख रुपये देने की घोषणा की है। इसके अतिरिक्त श्रम संसाधन विभाग एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से नियमानुसार अन्य लाभ दिलाने का भी निर्देश दिया है।

गर्मियों में रोजी-रोटी के लिए जाते थे कश्मीर– मिली जानकारी के अनुसार वीरेंद्र पासवान अक्सर गर्मियों में रोजी-रोटी के चक्कर में कश्मीर जाते थे। वे श्रीनगर के मदीनसाहब व लालबाजार इलाके में ठेले पर गोलगप्पे बेचते थे। इसी दौरान पांच अक्टूबर की शाम आतंकी हमले में उन्हें गोली मार दी गई।

सरकार ने वीरेंद्र के पार्थिव शरीर को पटना तक एयरलिफ्ट कर लाने की पेशकश की थी, लेकिन गरीब स्वजन उसे पटना से भागलपुर स्थित अपने गांव तक ले जाने में असमर्थ थे। इस कारण उन्होंने श्रीनगर में ही अंतिम संस्कार के लिए सहमति दे दी। फिर शव का अंतिम संस्कार श्रीनगर में हीं कर दिया गया।

आतंकी हमले में हुई इस हत्या पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शोक व्यक्त करते हुए मृतक के आश्रितों को मुख्यमंत्री राहत कोष से दो लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। इसके अतिरिक्त श्रम संसाधन विभाग एवं समाज कल्याण विभाग की योजनाओं से नियमानुसार अन्य लाभ भी दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीरेंद्र पासवान की हत्या से वे मर्माहत हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने मां ब्रह्मचारिणी की पूजा कर की लोकमंगल की कामना

गोरखपुर । दो दिन के दौरे पर गुरुवार को गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार की सुबह गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में मां भगवती के दूसरे स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सुबह चार से छह बजे के बीच करीब दो घंटे तक चली पूजा में मुख्यमंत्री ने गौरी-गणेश की आराधना के साथ सभी देव-विग्रहों का षोडषोचार भी पूजन किया।

आचार्य रामानुज त्रिपाठी वैदिक ने कराई पूजा– शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन का अनुष्ठान मंदिर के प्रधान पुरोहित आचार्य रामानुज त्रिपाठी वैदिक के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। उनके सहयोग में गुरु गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डा. अरविंद चतुर्वेदी, आचार्य डा. रोहित मिश्र, डा. दिग्विजय शुक्ल, नित्यानंद चौबे आदि वेदपाठी ब्राह्मण मौजूद रहे। पूजा के बाद गलतियों की क्षमाप्रार्थना के साथ आरती हुई। प्रसाद वितरण के बाद सुबह का अनुष्ठान सम्पन्न हुआ।

पूजा में यह रहे शामिल– पूजा के दौरान मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, द्वारिका तिवारी, दुर्गेश बजाज आदि भी मौजूद रहे। समस्त अनुष्ठान कोविड प्रोटोकाल के साथ सम्पन्न हुआ। उधर नवरात्र के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं और कोविड प्रोटोकाल के साथ नवरात्र का पर्व मनाने की अपील की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोरखपुर आगमन की सूचना पर उनसे अपनी समस्या कहने के लिए हमेशा की तरह बड़ी संख्या में लोग शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर के हिंदू सेवाश्रम और यात्री निवास पहुंचे। नवरात्र की पूजा की वजह से मुख्यमंत्री खुद तो जनता दर्शन के लिए नहीं जा सके लेकिन उन्होंने अधिकारियों को इसके लिए पहले से निर्देशित कर रखा था। ऐसे में तय समय पर कमिश्नर, डीएम, एसएसएस सहित जिले के करीब सभी आला अफसर जनता दर्शन में पहुंचे और सभी लोगों की समस्याएं सुनीं और आवदेन पत्र लेकर समाधान का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने दोनों स्थानों को मिलाकर 300 लोगों की समस्या सुनी।

तेजप्रताप को राजद का बड़ा झटका, स्टार प्रचारकों की लिस्ट से लालू प्रसाद के विधायक बेटे आउट

पटना । बिहार में विधानसभा की दो सीटों पर उपचुनाव के लिए राजद ने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद एवं तेजस्वी यादव समेत 20 नेताओं की सूची में तेजप्रताप यादव को जगह नहीं दी गई है। यह पहला मौका है, जब उन्हें राजद का स्टार प्रचारक नहीं समझा गया है। बताया जा रहा है कि हालिया विवाद का साइड इफेक्ट राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी और जगदानंद सिंह पर भी पड़ा है। लालू प्रसाद की सहमति से दिल्ली से बनाकर भेजी गई सूची में उक्त दोनों नेताओं को भी जगह नहीं मिली है। हालांकि मीसा भारती का भी नाम शामिल नहीं है। यह भी पहली बार ही हुआ है।

राजद की ओर से तर्क दिया जा रहा कि कुशेश्वरस्थान और तारापुर सीटों की सामाजिक स्थिति को देखते हुए सूची बनाई गई है। मतदाताओं को प्रभावित करने वाले नेताओं को प्रमुखता से जगह दी गई है। प्रचारकों की सूची में राजद प्रमुख लालू प्रसाद के बाद दूसरे नंबर पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को रखा गया है। इसके बाद क्रमशः अब्दुल बारी सिद्दीकी, जयप्रकाश नारायण यादव, उदय नारायण चौधरी, श्याम रजक, भोला यादव, वृषिण पटेल, ललित यादव, मनोज कुमार झा, तनवीर हसन, आलोक मेहता, शिवचंद्र राम, अनिल सहनी, लवली आनंद, चंद्रहास चौपाल, भरत बिंद, रामवृक्ष सदा, अनिल साधु एवं भरत मंडल हैं।

तेजप्रताप को पहला बड़ा झटका

राजद परिवार में तेजप्रताप के लिए यह पहला बड़ा झटका है। इसके पहले राजद के स्टार प्रचारकों की प्रत्येक सूची में उनका नाम तेजस्वी यादव के तुरंत बाद रहा करता था। यहां तक कि लोकसभा चुनाव में राजद के खिलाफ प्रत्याशी उतारने के बावजूद राजद ने उन्हें स्टार प्रचारक बनाए रखा था।

महज एक दिन पहले शिवानंद तिवारी ने बयान दिया था कि तेजप्रताप को राजद से आउट कर दिया गया है। गुरुवार को उसकी सच्चाई सामने आ गई। सूची में लालू परिवार से सिर्फ दो नाम हैं। राबड़ी देवी के बारे में कहा जा रहा है कि स्वास्थ्य कारणों से उन्हें जगह नहीं दी गई है।

ये हैं राजद के स्टार प्रचारक

लिस्ट में सबसे पहला नाम राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का है। सूची में तेजस्वी यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी, जयप्रकाश नारायण यादव, मनोज कुमार झा,तनवीर हसन ,आलोक कुमार मेहता, शिवचंद्र राम, अनिल कुमार साहनी, लवली आनंद, उदय नारायण चौधरी, श्याम राजक, भोला यादव, वृषण पटेल, ललित कुमार यादव, चंद्रहास चौपाल, अनिल कुमार उर्फ साधु पासवान भरत मंडल, भरत बिन्द एवं रामवृक्ष सादा का नाम शामिल है।

तेजप्रताप का नाम स्टार प्रचारकों की लिस्ट में न होने से कई तरह की चर्चाएं गर्म हो गई हैं। कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष अशोक राम दावा कर रहे हैं कि उनके बेटे के समर्थन में वोट मांगने तेजप्रताप आएंगे। हाल के दिनों में तेजप्रताप कई बार राजद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद और तेजस्वी के खिलाफ मुखर हो चुके हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि इसी कारण तेजप्रताप को स्टार प्रचारकों की लिस्ट से बाहर कर दिया है।

दवाओं की कीमत में अब नहीं चलेगी कोई मनमानी, बिहार सरकार करने जा रही इस तरह की व्यवस्था

पटना । प्रदेश में दवाओं की कालाबाजारी, मनमानी कीमतों के दिन अब लदने वाले हैं। इनपर अब प्राइस मानिटरिंग एंड रिसोर्स यूनिट की नजर रहेगी। इतना ही नहीं कैंसर, ब्लड शूगर, ब्लड प्रेशर, हृदय रोग और किडनी से जुड़ी बीमारियों की दवाओं का मूल्य नियंत्रण भी मूल्य अनुश्रवण और संसाधन इकाई के जिम्मे होगा। दवा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लगाने के लिए स्वास्थ्य विभाग जल्द ही प्रदेश में औषधि नियंत्रण निदेशालय के अधीन प्राइस मानिटरिंग एंड रिसोर्स यूनिट का गठन करेगा। इसकी कवायद शुरू कर दी गई है। राज्य स्तर पर बनने वाली यह इकाई राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथारिटी) की तर्ज पर काम करेगी। राज्य स्तर पर बनने वाली इकाई में अध्यक्ष समेत सदस्यों के पद होंगे। ये इकाई स्वास्थ्य विभाग के अधीन कार्य करेगी।

स्वास्थ्य सूत्रों ने बताया कि मूल्य अनुश्रवण और संसाधन इकाई का पहला काम दवाओं की कीमत की निगरानी करना होगा। इसके साथ यह इकाई यह भी देखेगी कि राज्य में जो दवाएं लोगों को मिल रही हैं उनकी गुणवत्ता बेहतर हो। इसके अलावा दवाओं की सहजता से उपलब्धता और उपभोक्ताओं को जागरूक करना भी इस इकाई के कार्य होंगे। इसके अलावा इसे राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण को राज्य से आवश्यक डाटा भी मुहैया कराना होगा।

इकाई बनाने वाला 16 वां राज्य होगा बिहार

स्वास्थ्य सूत्रों ने बताया कि दवाओं की कालाबाजारी और मनमानी कीमतों पर अंकुश लगाने को अलग से यूनिट बनाने वाला बिहार 13 वां राज्य होगा। इसके पूर्व उत्तर प्रदेश, केरल, ओडिशा, गुजरात राजस्थान, हरियाणा, नागालैंड, त्रिपुरा, पंजाब, आंध्रप्रदेश, मिजोरम, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, तेलंगाना और महाराष्ट्र में पीएमआरयू की स्थापना की की जा चुकी है। सूत्रों ने बताया कि इकाई गठन को लेकर कैबिनेट ने हाल ही में स्वीकृति दी है। नवंबर-दिसंबर तक यह यूनिट अस्तित्व में आ जाएगी और कार्य करने लगेगी।

परिवहन विभाग वाहन दुर्घटना में मौत पर देगा पांच लाख का मुआवजा

पूर्वी चंपारण । अब सड़क हादसे में मरनेवालों के आश्रितों को मुआवजा की राशि के लिए इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं होगी। अब उन्हें मुआवजा की राशि परिवहन विभाग द्वारा दिया जाएगा। विभागीय स्तर पर मृतक को पांच लाख व घायलों को पचास हजार रुपये देने का प्रावधान किया गया है। प्रारंभिक चरण में मृतक के आश्रित को 25 हजार व घायल को 12,500 रुपये दिए जाएंगे। जांच की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शेष राशि का भुगतान किया जाएगा। जिला परिवहन पदाधिकारी अनुराग कौशल सर्?िह ने कहा कि सड़क हादसे में अगर किसी की मौत होती है या घायल होता है तो वह विभाग में आवेदन कर सकता है।

विभागीय स्तर पर जांच की प्रक्रिया पूरी करने के बाद मृतक के आश्रित को पांच लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा। बताया कि सड़क हादसे कई प्रकार से होते हैं। इसमें दो वाहनों की टक्कर, वाहन से कुचलकर या हिट एंड रन आदि प्रमुख होते है। इसके लिए अलग-अलग फार्मेट में कार्रवाई की रूपरेखा तय की गई है। फार्म दो में हिट एंड रन से संबंधित आवेदन दिया जाएगा। फार्म तीन में जांच की पूरी रिपोर्ट होगी। वहीं फार्म चार में स्वीकृति आदेश होगा। बताया गया कि इस पूरी प्रक्रिया में थानाध्यक्ष, सिविल सर्जन, अनुमंडल पदाधिकारी व जिला परिवहन पदाधिकारी को जांच की भूमिका होगी। इसके लिए थाना स्तर पर एक सॉफ्टवेयर बन रहा है जहां इस प्रकार के मामले रहेंगे।

घटना के बाद प्राथमिकी व उसकी जांच की जिम्मेदारी थानाध्यक्ष की होगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट सीएस को देना होगा।

डीटीओ इसकी जांच करने के बाद एसडीओ को अनुशंसा करेंगे। एसडीओ द्वारा आवेदन की स्वीकृति के बाद जिला परिवहन पदाधिकारी राशि को अंतिम रूप से मृतक के आश्रित व घायलों को देंगे। बताया गया कि वाहन की टक्कर से मौत के बाद अगर वाहन चालक फरार हो जाता है और वाहन की पहचान नही होती है तो भी विभागीय स्तर पर पांच लाख रुपये मृतक के आश्रितों को दिया जाएगा।

वहीं वाहन के पकड़े जाने के बाद बीमा का क्लेम के आधार पर राशि की प्राप्ति की जाएगी। जिला परिवहन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि अगर बीमा का क्लेम पांच लाख से अधिक होता है तो शेष राशि मृतक के आश्रित को दिया जाएगा।

आमजन अब घर बैठे दर्ज करा सकेंगे ई-एफआईआर

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने किया सिटीजन पोर्टल का लोकार्पण

भोपाल (एजेंसी)। मप्र में आमजन अब घर बैठे सिटीजन पोर्टल पर ई-एफ आईआर दर्ज करा सकेंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जनकल्याण और सुराज के 20 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित समारोह में सिटीजन पोर्टल का लोकार्पण करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा नागरिकों को सुविधा उपलब्ध कराए जाने के लिए नित-नए प्रयास किए जा रहे हैं। नवाचारों को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। सुशासन की स्थापना कर आमजन का जीवन सहज और सुगम बनाने के लिए समन्वित प्रयास जारी हैं।

सिटीजन पोर्टल द्वारा आम नागरिकों को ई-एफआईआर के रूप में एफ आईआर दर्ज करने की वैकल्पिक सुविधा प्रदान की गई है। इससे नागरिक ऑनलाइन संबंधित थाने को घटना के संबंध में ई-एफआईआर दर्ज करा सकते हैं। नागरिकों द्वारा मप्र पुलिस की वेबसाइट अथवा सिटीजन पोर्टल पर स्वयं का पंजीयन कर पंजीकृत आईडी से लॉगिन करके ही ई-एफ आईआर दर्ज की जा सकती है। सिटीजन पोर्टल प्रारंभ हो जाने से पीड़ित व्यक्ति 15 लाख तक की वाहन चोरी या एक लाख तक की सामान्य चोरी के मामलों में ई-एफआईआर से ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकेगा। आम व्यक्ति को इससे आधार ई-साइन की सुविधा मिलेगी।

प्रदेश में मप्र पुलिस मोबाइल एप की सुविधा भी प्रदान की गई है। इस एप द्वारा गुम दस्तावेज और मोबाइल गुम होने की सूचना की इलेक्ट्रॉनिक पावती, संकट के समय परिजनों एवं डॉयल-100 को एसएमएस भेजने की सुविधाएं गुमशुदा व्यक्ति अथवा अज्ञात शव की जानकारी सर्च करने की सुविधा प्रदान की गई है। महिला अपराध को नियंत्रित करने एवं महिलाओं को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के लिये प्रदेश के सभी जिलों में महिला थानों की स्थापना की गई है। प्रदेश में कुल 1159 थानों के लिए डॉयल-100 की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। अपराधों पर बेहतर नियंत्रण करने तथा आपातकाल में त्वरित सहायता देने के उद्देश्य से डॉयल-100 तथा सीसी टीव्ही सर्विलेंस व्यवस्था का विस्तारीकरण किया गया है। प्रदेश में इस वर्ष पुलिस की रिक्तियों पर 4 हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। सरकार द्वारा वर्ष 2021-22 में पुलिस विभाग में अधोसंरचनात्मक आवास एवं कल्याण के लिए 380 करोड़ की राशि से निर्मित होने वाले नवीन प्रशासकीय भवनों की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। इससे 34 शहरी थाने, 220 अर्द्ध-शहरी-ग्रामीण थाने एवं 199 नवीन पुलिस चौकियों का निर्माण कराये जाने का प्रावधान किया गया है।

मप्र पुलिस परिवार के बच्चों के लिए 6 नए जॉब ओरिएन्टेड कोर्स होंगे शुरू

पुलिस आईटीआई और आईटीएम यूनिवर्सिटी के बीच हुआ एमओयू

भोपाल । मप्र पुलिस परिवार के बच्चों को जॉब ओरिएन्टेड कोर्स कराने के लिए शुक्रवार को पुलिस आईटीआई और आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर के मध्य एमओयू हुआ। विशेष डीजी ट्रेनिंग अरूणा मोहन राव और यूनिवर्सिटी के कुलपति एसएस भाकर ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।आईटीएम यूनिवर्सिटी के सहयोग से पुलिस परिवार के बच्चों के लिए छह माह के जॉब ओरिएन्टेड प्रशिक्षण जैसे फैशन डिजाइनिंग, कम्यूनिकेशन स्किल, डिजीटल फोटोग्राफी, बेसिक प्रोग्रामिंग लैग्वेजेस्, डिजीटल कम्यूनिकेशन तथा जर्नलिज्म तथा मॉस कम्यूनिकेशन के प्रारंभ किए गए हैं। इन सभी के लिए निर्धारित स्थान 30-30 रहेंगे। एडिश्नल एसपी प्राचार्य आईटीआई सुमन गुर्जर ने बताया कि परंपरागत कोर्स के अलावा ये नए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पुलिस परिवार के बच्चों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सहायक होंगे। प्रवेश प्रक्रिया पूर्व की तरह ही होगी। उन्होंने बताया कि आईटीआई परिसर में छात्र, छात्राओं के हॉस्टल, लाइब्रेरी, प्लेग्राउंड, जिम, हॉस्पिटल, ओपीडी, मेस तथा शासन नियमानुसार स्कॉलरशिप की सुविधा भी उपलब्ध है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम शिवराज ने लोक नायक जयप्रकाश नारायण की पुण्यतिथि पर किया नमन

भोपाल, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोक नायक जयप्रकाश नारायण की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री ने निवास स्थित सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। जेपी अथवा 'लोक नायक' के नाम से प्रसिद्ध जयप्रकाश नारायण भारतीय स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और राजनेता थे। उन्हें मुख्यतः 1970 में इंदिरा गांधी के विरुद्ध विपक्ष का नेतृत्व करने के लिए जाना जाता है। भारत सरकार ने उन्हें सन 1998 में मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से नवाजा। सन 1965 में उन्हें समाज सेवा के लिए 'मैगसेसे' पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। जयप्रकाश नारायण जी का निधन लंबी बीमारी के बाद पटना में 8 अक्टूबर 1979 को हुआ।

उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने जारी की बीस सदस्यीय स्टार प्रचारकों की सूची

भोपाल । मप्र में होने वाले उपचुनावों के लिए कांग्रेस ने शुक्रवार को स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है, जिसमें बीस नाम शामिल हैं। सूची में अभा कांग्रेस के महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी मुकुल वासनिक, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, सुरेश पचौरी, कांतिलाल भूरिया, अरूण यादव, संजय कपूर, कुलदीप इंदौरा, अजय सिंह, सज्जन सिंह वर्मा, जीतू पटवारी, कमलेश्वर पटेल, मुकेश नायक, सिद्धार्थ कुशवाह, आरिफ मसूद, ओमकार सिंह मरकाम, गोविंद सिंह, एनपी प्रजापति, युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया और महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना जायसवाल के नाम शामिल हैं।

ऋण के लिए बेहतर विकल्प हो सकता है अपेक्स बैंक

मात्र 8 फीसदी ब्याज दर पर पढ़ाई से लेकर वाहन तक के लिए मिल सकता है लोन

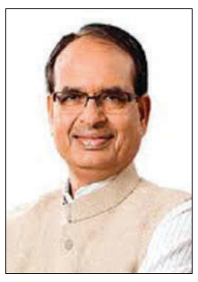

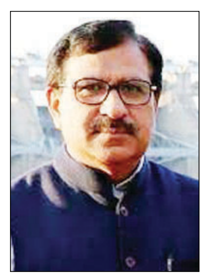

भोपाल (एजेंसी)।

सामान्य तौर पर जब आवास से लेकर वाहन और पढ़ाई तक के लिए कर्ज लेने की बात आती है तो फिर राष्ट्रीयकृत बैंकों की ओर ग्राहकों का ध्यान पहले जाता है, लेकिन अब इस मामले में प्रदेश का सबसे बड़ा सहकारी बैंक मप्र राज्य सहकारी बैंक यानि अपेक्स बैंक बेहतर विकल्प हो सकता है। इस बैंक के माध्यम से महज 8 फीसदी ब्याज दर पर कर्ज मिल सकता है।

अपेक्स बैंक ने कम ब्याज दर की सुविधा केंद्र सरकार और राज्य सरकार के कर्मचारियों को तो दी ही है। इसके साथ ही निगम, मण्डल, बोर्ड सहित सभी सहकारी बैंकों, संस्थाओं और राष्ट्रीयकृत बैंकों के कर्मचारियों को भी यह सुविधा दी है। इस श्रेणी के दायरे में आने वाले ग्राहकों को आवास ऋण, उपभोक्ता ऋण, व्यक्तिगत ऋण, वाहन ऋण तो मिल ही सकता है। इसके साथ ही यदि उच्च शिक्षा के लिए भी ऋण लेने की जरुरत है तो बैंक कम ब्याज दरों पर कर्ज देने के लिए तैयार है। इधर इसी क्रम में यदि इस दायरे में आने वाले ग्राहकों को घूमने- फिरने की राह में पैसे की तंगी रोड़ा बन रही है तो भी यहां से भ्रमण के लिए ऋण मिल सकता है। इसके अलावा चिकित्सा ऋण, त्यौहार ऋण के साथ ही अचल संपत्ति के बंधक पर ऋण सुविधा भी महज 8 फीसदी ब्याज दर पर उपलब्ध कराई जा रही है। बैंकों के ब्याज दर को प्रतिस्पर्धी रखने में भी अपेक्स बैंक के प्रशासक एवं आयुक्त व पंजीयक सहकारी संस्थाएं नरेश कुमार पाल ने भी निर्णायक भूमिका निभाई है।

किसानों से खरीदी में भी निभाई बड़ी भूमिका

ऐसा नही है कि बैंक केवल कम दरों पर कर्ज देने की जिम्मेदारी निभा रहा है, बल्कि अपेक्स बैंक ने किसानों से उनकी उपज के समर्थन मूल्य पर उपार्जन में भी बड़ी भूमिका निभाई है। सहकारी समितियों के माध्यम से अपेक्स बैंक ने वर्ष 2020-21 की अवधि में खरीदी का रिकार्ड भी बनाया। इस अवधि में एक करोड़ 29 लाख मीट्रिक टन गेहूं के साथ चना, सरसों और मसूर की भी खरीदी की गई। इस अवधि में 8 लाख मीट्रिक टन चना, सरसों और मसूर की खरीदी की गई। इसी तरह इस अवधि में ही समर्थन मूल्य पर 1404 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से 5.86 लाख किसानों से 37.26 लाख मीट्रिक टन धान की भी खरीदी की गई। यह सिलसिला बीते सीजन में भी बरकरार रहा। वर्ष 2021-22 की अवधि में 17.25 लाख किसानों से 128.16 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की गई। खरीदी केंद्रों में कोरोना काल को देखते हुए मेकेनाइज्ड ग्रेन क्लीनिंग एवं ग्रेडिंग मशीनों की भी व्यवस्था की गई, जिससे कि किसानों से मानक क्वालिटी की गेहूं खरीदी की जा सके।

जीरो फीसदी पर 7150 करोड़ से अधिक का कर्ज किसानों को दिया

प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के दिशा- निर्देशों और सहकारिता मंत्री अरविंद सिंह भदौरिया की प्रदेश की सहकारी साख आंदोलन को मजबूत और पारदर्शी बनाने की कल्पना को साकार रूप देने के लिए शीर्ष बैंक प्रबंधन प्रदेश में कार्यरत त्रि - स्तरीय अल्पकालीन सहकारी साख संरचना के माध्यम से और बेहतर और मजबूत करने की दिशा में भी लगातार प्रयासरत है। इसी का नतीजा है कि प्रदेश में लगभग 12 लाख किसानों को जीरो फीसदी ब्याज दर पर 7150.44 करोड़ रुपए का फसल ऋण उपलब्ध कराया गया, जो कि पिछले वर्ष के मुकाबले 57 फीसदी अधिक है। खरीफ सीजन 2021-22 की अवधि में भी किसानों को 4.47 लाख मीट्रिक टन रासायनिक खाद उपलब्ध कराने के साथ ही 37.92 लाख किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड भी वितरित किए गए।

इनका कहना

अपेक्स बैंक उपभोक्ताओं को कम ब्याज दर पर कर्ज देने के लिए तत्पर है। दरों को इतना प्रतिस्पर्धी रखा गया है कि उपभोक्ता ज्यादा से ज्यादा आकर्षित हो। प्रदेश में बैंकिंग सुविधाएं को और बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी का नतीजा है कि बैंक लगातार फायदे में है। प्रदेश में सहकारिता आंदोलन को सफल बनाने के लिए अपेक्स बैंक समर्पित भाव से लगातार काम में जुटा हुआ है। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की मंशा के अनुरूप और सहकारिता मंत्री अरविंद भदौरिया के मार्गदर्शन में अपेक्स बैंक सहकारिता क्षेत्र को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

पीएस तिवारी
प्रबंध संचालक, मप्र राज्य सहकारी बैंक

सांख्यिकी संकेतकों के संकलन में सुधार लाने के लिए टास्क फोर्स समिति गठित

तीन माह में देगी रिपोर्ट

भोपाल (एजेंसी)। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा सांख्यिकी के संकेतकों के संकलन की व्यवस्था में सुधार लाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए टास्क फोर्स समिति गठित की गई है। यह समिति अपना प्रतिवेदन अगले तीन माह में देगी।

विभाग के अनुसार विकास के विभिन्न संकेतकों को तय करने में प्राथमिक रूप से एकत्र किए गए सांख्यिकी आंकड़ों की शुद्धता आवश्यक है। इसके लिए विभाग की ओर से विशेष पहल की जा रही है कि सांख्यिकी आंकड़ों की शुद्धता बनी रहे, जिससे विकास के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित निर्णय लेने में विभाग और ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। इस विषय पर शुक्रवार को राजधानी भोपाल स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में आयोजित विभागीय टास्क फोर्स की पहली बैठक में विभाग को सुदृढ़ बनाने की रणनीति पर विचार विमर्श हुआ। प्रोफेसर अमिताभ कुंडु सीनियर फेलो, वर्ल्ड रिर्सोसेज इंस्टीटयूट, नई दिल्ली की अध्यक्षता में गठित टास्क फोर्स में समिति की बैठक अटल बिहारी बाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान भोपाल के सभाकक्ष में आयोजित हुई।

बैठक में गुलशन बामरा, प्रमुख सचिव योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी, अभिषेक सिंह आयुक्त एवं संयोजक आर्थिक एवं सांख्यिकी एवं प्रमुख सलाहकार, राज्य नीति एवं योजना आयोग, स्वतंत्र कुमार सिंह, सदस्य सचिव मप्र राज्य नीति तथा योजना आयोग के साथ टास्क फोर्स के सदस्यगण प्रोफेसर रवि डोलकिया, आईआईएम अहमदाबाद, सांख्यिकी विषय-विशेषज्ञ, प्रोफेसर जिमोल उन्नी, सदस्य, स्थाई समिति, आर्थिक सांख्यिकी, सांख्यिकी विषय-विशेषज्ञ, अमिताभ पण्डा, पूर्व आईएसएस, कोलकाता डेटा विज्ञान विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ. दीपक सेठिया, आईआईएम इंदौर आईटी विषय वस्तु विशेषज्ञ प्रोफेसर गणेश कावड़िया, पूर्व विषय-विशेषज्ञ, डीएव्हीव्ही, इन्दौर, अर्थमीति विशेषज्ञ, जेपी परिहार, सेवानिवृत्तत, संयुक्त संचालक, संभागीय योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय इंदौर तथा डॉ. व्हीएस धपानी, संयुक्त संचालक, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय मध्यप्रदेश ने भाग लिया।

एनएसयूआई के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मंजुल त्रिपाठी ने शुक्रवार को राजधानी भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। इस दौरान किसी बात को लेकर एनएसयूआई कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए और जमकर झूमा-झटकी हुई।

एनएसयूआई के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मंजुल त्रिपाठी ने ग्रहण किया पदभार

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में कांग्रेस की छात्र इकाई भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मंजुल त्रिपाठी ने शुक्रवार को आगर मालवा विधायक विपिन वानखेडे की उपस्थिति में पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर एनएसयूआई के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मंजुल त्रिपाठी का स्वागत किया।

आगर मालवा विधायक विपिन वानखेडे की अनुशंसा पर एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मध्यप्रदेश एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष पद पर मंजुल त्रिपाठी की नियुक्ति की है। मंजुल त्रिपाठी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा जी के चित्र पर माल्यार्पण कर विधि विधान से पूजा पाठ की एवं परम्परानुसार निवृत्तमान अध्यक्ष एवं विधायक विपिन वानखेड़े से विधिवत रूप से एनएसयूआई के कार्यालय में छात्र पदाधिकारियों के साथ सादगी पूर्ण तरीके से पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष, विवेक त्रिपाठी, एनएसयूआई के भोपाल जिला अध्यक्ष, आशुतोष चौकसे आदि छात्र पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

योजनाबद्ध तरीके की खेती से बदलेगी किसानों की तकदीर

जन्म-दिन पर किसानों को दिए उपहार के लिए प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री चौहान का जताया आभार

भोपाल (एजेंसी)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने अपने जन्म-दिन के अवसर पर किसानों की तरक्की का रास्ता खोलने वाली योजना का उपहार देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना से किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी। श्री पटेल ने कहा कि परंपरागत खेती के स्थान पर योजनाबद्ध तरीके से की जाने वाली खेती से किसानों की तकदीर बदलेगी।

कृषि मंत्री श्री पटेल ने कहा है कि मध्यप्रदेश के 56 हजार 602 गांव में परंपरागत खेती के बजाय योजनाबद्ध तरीके से खेती की संभावनाओं को टटोला जा रहा है। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग ने प्रदेश के सभी गांवों में मिट्टी का परीक्षण और पानी तथा अन्य सुविधाओं की उपलब्धता का सर्वे शुरू कर दिया है। श्री पटेल ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के प्रयासों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी, किसानों की आय चार गुना तक हो, इसके लिए सर्वे के बाद कृषि मित्रों के माध्यम से प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा।

कृषि मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा घोषित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना में प्रदेश के सभी गांवों की कृषि, पशुपालन, मछली-पालन, उद्यानिकी, भूमि उपयोग, सिंचाई, बिजली सहित अन्य जानकारियां एकत्रित की जाएंगी। गांव में अधोसंरचना, स्वच्छता और पेयजल की स्थिति की जानकारी भी जुटाई जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के किसानों की आय को दोगुना करने के संकल्प को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में कृषि विभाग निरंतर कार्य कर रहा है।

ये कैसा किसानों का सम्मान : कमलनाथ

भोपाल । मप्र में किसान सम्मान राशि की वसूली के नोटिस अपात्र किसानों को मिलने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। नाथ ने ट्वीट करते हुए कहा है कि पहले प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के नाम पर प्रदेश में उपचुनावों को देखते हुए बढ़-चढ़कर किसानों के खाते में राशि डलवाई गई, इसका खूब श्रेय लिया गया और अब प्रदेश में लाखों किसानों को अपात्र बताकर उन्हें राशि की रिकवरी व वसूली के नोटिस थमा दिए गए हैं, अब उन्हें धमकाया जा रहा है, उनकी जमीन बंधक बनाने की धमकी दी जा रही है। इस तरह का कृत्य कर भाजपा सरकार किसानों का रोज अपमान कर रही है। कायदे से तो इस राशि की वसूली उन जिम्मेदार अधिकारियों से होना चाहिए, जिन्होंने बगैर जांच के अपात्र किसानों के नाम सूची में जोड़ दिए, लेकिन निशाना किसानों को बनाया जा रहा है। नियम से तो पात्र किसानों की पहले जांच होकर सूची बनना थी और फिर उन्हें खातों में राशि जाना थी, लेकिन अब उनके खातों में राशि को डालकर अपराधियों की तरह व्यवहार कर, भाजपा सरकार उनका रोज अपमान वसूली के नाम पर कर रही है।

राष्ट्रीय अप्रेन्टिसशिप मेले में चयनित अभ्यार्थियों की संख्या में मप्र देश में तीसरे स्थान पर

भोपाल (एजेंसी)। संचालक, कौशल विकास जितेन्द्र सिंह राजे ने बताया कि 4 अक्टूबर को आयोजित राष्ट्रीय अप्रेन्टिसशिप मेले में चयनित होने वाले अभ्यार्थियों की संख्या में मध्यप्रदेश का देश में तीसरा स्थान रहा है। स्किल इंडिया, प्रशिक्षण महानिदेशालय और नेशनल स्किल डेवलपमेंट कारपोरेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय अप्रेन्टिसशिप मेले में शामिल होने वाले अभ्यार्थियों की संख्या में 6 हजार 636 युवाओं के साथ प्रथम स्थान पर कर्नाटक, दूसरे स्थान पर तेलंगाना 5063 तथा 4 हजार 586 युवा अभ्यार्थियों के साथ मध्यप्रदेश तीसरे स्थान पर रहा।

संचालक श्री राजे ने बताया कि 4 अक्टूबर को देशभर में 600 से अधिक स्थानों पर अप्रेन्टिसशिप मेला आयोजित किया गया। इसमें 50 हजार 878 आवेदकों का चयन हुआ है। प्रदेश में अप्रेन्टिसशिप मेले में आईटीआई (इंजीनियरिंग, नॉन इंजीनियरिंग ट्रेड) डिप्लोमा, कौशल प्रमाण-पत्र धारक और अन्य स्नातक उत्तीर्ण 10 हजार 957 पुरुष एवं महिला अभ्यार्थी शामिल हुए थे। मेले में रीवा संभाग से 993, भोपाल से 895, इंदौर से 658, जबलपुर से 597, ग्वालियर से 533, उज्जैन से 437, बालाघाट से 239 और सागर संभाग से 234 कुल 4,586 अभ्यर्थियों का चयन हुआ। मेले के दौरान युवाओं से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। बदलते बाजार परिदृश्य और उद्योगो के नए स्वरूप के लिए युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने अप्रेन्टिसशिप एक महत्वपूर्ण घटक है। कौशल विकास और उद्यमियता की राष्ट्रीय नीति 2015 के तहत अप्रेन्टिसशिप को कुशल कार्यबल को लाभकारी रोजगार प्रदान करने के साधन के रूप में मान्यता दी गई है। इसका उद्देश्य कुशल कार्यबल के लिए आपूर्ति और मांग में अंतर को कम करना और मौके पर प्रशिक्षण एवं भर्ती के माध्यम से बेहतर सुनिश्चित करते हुए युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करना है।

कांग्रेस में टिकट के लिए हुई बगावत, पूर्व विधायक के भतीजे ने भरा निर्दलीय फॉर्म

बदलेंगे समीकरण

अलीराजपुर, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में तीन विधानसभा सीटों और एक लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव 30 अक्टूबर को होने हैं। उपचुनाव के लिए कांग्रेस और भाजपा ने अपने-अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया। हालांकि प्रत्याशी के ऐलान के बाद कांग्रेस में फूट देखने को मिल रही है। वहीं आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेसी खेमे में कांग्रेसियों के विरोधी स्वर निश्चित ही पार्टी के लिए चिंता का विषय बन सकते हैं।

इसी बीच अब अलीराजपुर की जोबट उपचुनाव को लेकर कांग्रेस में बगावत हो गई है। पूर्व विधायक कलावती भूरिया के भतीजे दीपक भूरिया ने निर्दलीय नामांकन दाखिल किया है। महेश पटेल को कांग्रेस से टिकट मिलने से वे नाराज हो गए थे। दीपक के मैदान में आने से यह उपचुनाव त्रिकोणीय हो सकता है।

शुक्रवार को नामांकन दाखिल करने पहुंचे दीपक भूरिया अपने समर्थकों के साथ आतिशबाजी कर रहे थे। नामांकन दाखिल करने के बाद भूरिया ने कहा कि कलावती भूरिया के सम्मान में चुनाव लड़ूंगा। बता दें कि महेश पटेल को टिकट मिलने के बाद से ही कांग्रेस पार्टी में अंदर ही अंदर टिकट बंटवारे से पहले घमासान दिखाई दे रहा था, जो अब स्पष्ट हो गया है। वहीं इससे पहले कांग्रेस में शामिल सुलोचना रावत ने भाजपा का दामन थम लिया है और भाजपा ने सुलोचना रावत को उम्मीदवार बनाया है।

कॉमर्शियल वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप एवं रियर मार्किंग प्लेट अनिवार्य : राजपूत

बिना मानक गुणवत्ता वाले रिफ्लेक्टर टेप के कामर्शियल वाहनों को जारी नहीं होगा फिटनेस

भोपाल (एजेंसी)। परिवहन एवं राजस्व मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के परिवहन विभाग एक और प्रभावी पहल करने जा रहा है। बिना मानक गुणवत्ता के रिफ्लेक्टर टेप (परावर्ती पट्टिकाओं) वाले कामर्शियल वाहनों को अब फिटनेस सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में समस्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किये गये है। रात्रि में या सर्दियों के मौसम में कोहरे के समय सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण दूर खड़े या दूर से आ रहे वाहन का नहीं दिखाई पड़ना होता है। ऐसे में दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग 4.5 लाख सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 1.5 लाख व्यक्तियों की मृत्यु हो जाती है। परिवहन मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि वाहनों पर लगाई जाने वाली रिफ्लेक्टर टेप एआईएस मापदण्डों के अनुरूप होना चाहिए। इस संबंध में एसओपी जारी कर इस प्रक्रिया को पूर्णतः कंप्यूटीकृत किया जा रहा है।

वाहन निर्माताओं के अधिकृत डीलरों द्वारा वाहन पर लगाए गए रिफ्लेक्टर टेप का सर्टिफिकेट पोर्टल के माध्यम से ही जनरेट होकर प्रिंट हो सकेगा। सर्टिफिकेट पर वाहन पर लगाए गए रिफ्लेक्टर टेप की विस्तृत जानकारी जैसे लंबाई, चौड़ाई, रंग, टेप का निर्माण वर्ष, कोड, निर्माता का नाम तथा वाहन की जानकारी, जैसे वाहन पंजीयन क्रमांक, चेचिस नंबर, इंजन नंबर, वाहन श्रेणी, वाहन की बॉडी का प्रकार आदि अंकित रहेगा।

कृषि विभाग में मुख्यमंत्री कोविड-19 योजना में 22 सदस्यों को मिली अनुकंपा नियुक्ति

जिला मुख्यालयों पर जन-प्रतिनिधियों ने सौंपे नियुक्ति-पत्र

भोपाल, (एजेंसी)। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा 22 परिवारों के पात्र सदस्यों को गुरुवार को जिला मुख्यालयों पर जन-प्रतिनिधियों द्वारा नियुक्ति-पत्र सौंपे गए। उक्त नियुक्तियां मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकम्पा नियुक्ति योजना अंतर्गत की गई हैं।

कलेक्टर कार्यालय इंदौर, राजगढ़, उज्जैन, रीवा, सिवनी, झाबुआ, शिवपुरी, अशोकनगर, रतलाम इत्यादि जिला मुख्यालयों पर जन-प्रतिनिधियों द्वारा शासन के नियमों एवं प्रावधानों के अनुसार अनुकम्पा नियुक्ति-पत्र प्रदान किए। सागर संभाग में 5, जबलपुर में 4, उज्जैन में 3, भोपाल, इंदौर एवं ग्वालियर में 2-2 और शहडोल संभाग में एक अभ्यर्थी को अनुकम्पा नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार कोविड संकट काल में कर्तव्य निर्वहन के दौरान 22 विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों के आकस्मिक निधन से उनके एक-एक परिजन को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई है।

सहायक ग्रेड-3 के पद पर दी गई है अनुकम्पा नियुक्ति : कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार सभी 22 अभ्यर्थियों को सहायक ग्रेड-3 के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति दी गई है। इनमें सामान्य वर्ग के 11, अन्य पिछड़ा वर्ग के 7 और अनुसूचित-जाति एवं जनजाति वर्ग के 2-2 अभ्यर्थियों को अनुकम्पा नियुक्ति दी गई। नौ आवेदकों को नियमित पदों के विरुद्ध, जबकि 13 आवेदकों को वित्त एवं सामान्य प्रशासन विभाग की अनुमति अनुसार सांख्येत्तर पदों के विरुद्ध अनुकम्पा नियुक्ति दी गई है।

राजकुमार राव और कृति सेनन की फिल्म 'हम दो हमारे दो' का टीजर रिलीज

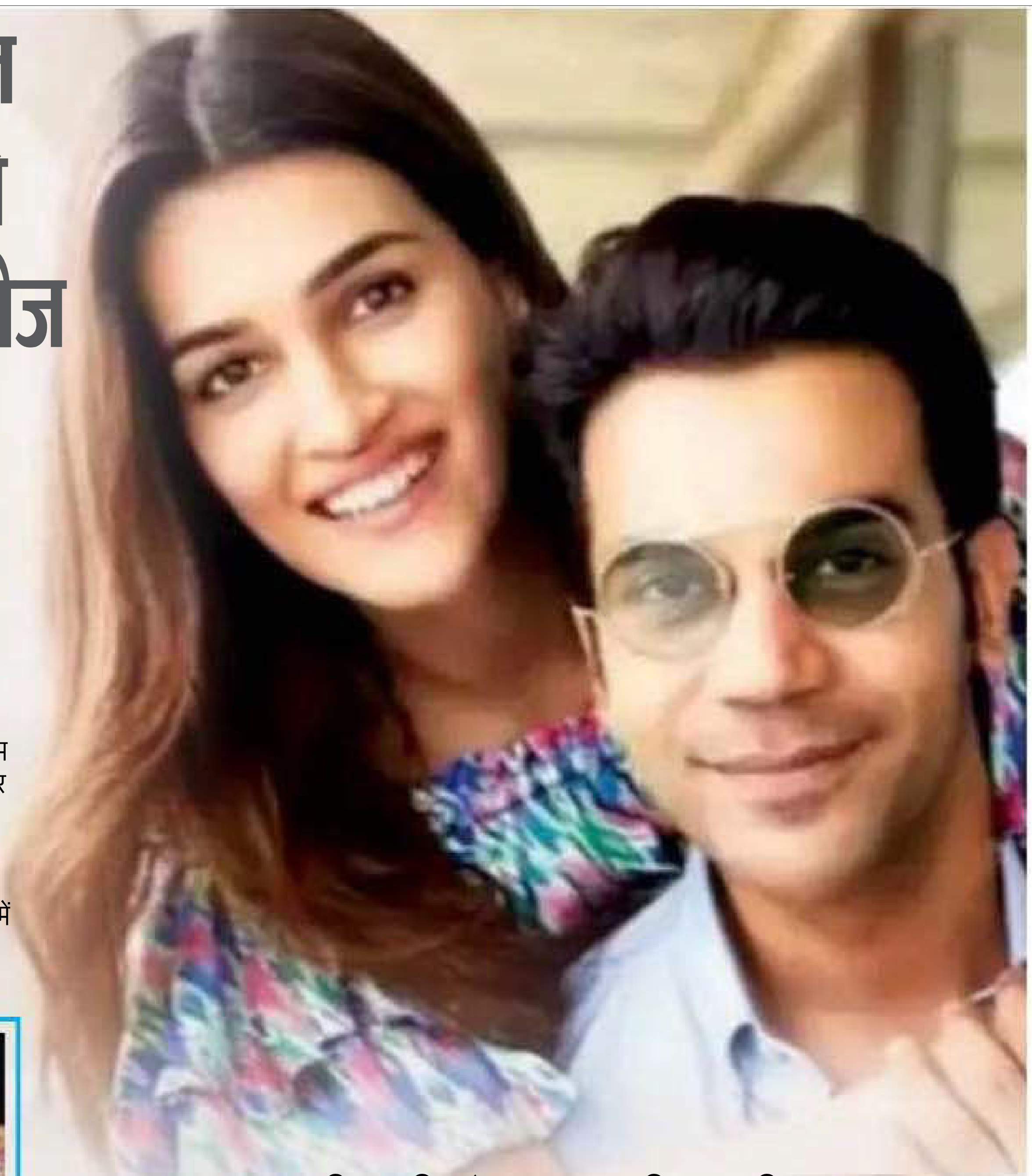

'स्त्री' और 'लुका छुपी' के बाद दिनेश विजान एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए फिल्म 'हम दो हमारे दो' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में राजकुमार राव और कृति सेनन नजर आने वाली हैं। हाल ही में इस फिल्म का टीजर रिलीज किया गया है। 'हम दो हमारे दो' के टीजर की शुरुआत स्त्री, लुका छुपी, बाला और मिमी जैसी फिल्मों के जिक्र से होती है। बाद में कृति और राजकुमार को इंट्रोड्यूस करते हुए, टीजर में परेश रावल की आवाज में सवाल पूछा जाता है, अब हमारा हीरो क्या करेगा?' इसके बाद कृति सेनन राजकुमार राव से कहती हैं, अपने मम्मी पापा को घर ले आना, बात खत्म करनी है, लाइफ शुरू करते हैं। परेश रावल कहते सुनाई देते हैं- अब हीरो गोद लेगा, किसे मम्मी और डैडी को। वहीं फिल्म के मेकर्स ने टीजर जारी करने के साथ साथ इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है। अभिषेक जैन द्वारा निर्देशित फिल्म 'हम दो हमारे दो' का प्रीमियर 29 अक्टूबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर होगा। इस फिल्म में कृति सेनन और राजकुमार राव के अलावा परेश रावल, रत्ना पाठक और अपारशक्ति खुराना भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म को अभिषेक जैन, प्रशांत झा और अभिजीत खुमान ने लिखा है। हम दो हमारे दो की कहानी एक युवा जोड़े के बारे में है जो अपने जीवन में खालीपन को भरने के लिए दो माता-पिता को गोद लेने का फैसला करते हैं।

नहीं रहे रामायण में रावण का किरदार निभाने वाले अरविंद त्रिवेदी, सह-कलाकारों ने व्यक्त किया शोक

अभिनेता और पूर्व सांसद अरविंद त्रिवेदी का मंगलवार, 5 अक्टूबर की देर रात मुंबई में निधन हो गया। 82 वर्षीय दिग्गज अभिनेता पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे। रामानंद सागर की रामायण में रावण के किरदार निभाने के बाद वह आज तक रावण के नाम से ही जाने जाते हैं। उन्होंने लगभग 300 हिंदी और गुजराती फिल्मों में अभिनय किया है। वह 1991 से 1996 तक सांसद रहे। दिग्गज अभिनेता का अंतिम संस्कार 6 अक्टूबर को मुंबई में होगा। अरविंद त्रिवेदी के सह-कलाकारों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। शो में लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले सुनील लहरी ने दिवंगत अभिनेता की तस्वीरें साझा कीं और लिखा, फ़बहुत दुखद समाचार है कि हमारे सबके प्यारे अरविंद भाई (रामायण के रावण) अब हमारे बिच नहीं रहे भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। मैं अवाक हूं मैंने पिता तुल्य, मेरे मार्गदर्शक, शुभचिंतक और सज्जनको खो दिया है। इस साल मई में सुनील ने अरविंद त्रिवेदी की मौत की अफवाहों को खारिज किया था। उन्होंने सभी से ऐसे तनावपूर्ण समय में फेक न्यूज न फैलाने को कहा था। अरविंद पहले भी इस तरह की मौत के झांसे का शिकार हो चुके हैं। दीपिका चिखलिया ने भी इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल नोट लिखा। उन्होंने लिखा, 'मेरे दिल ने उनके परिवार के प्रति संवेदना महसूस की, एक बहुत अच्छे इंसान अरविंद त्रिवेदी। दीपिका चिखलिया ने रामायण में सीता की प्रतिष्ठित भूमिका निभाई।

इस लाइलाज बीमारी से जूझ रहीं यामी गौतम, बोलीं- ये इतने भी बुरे नहीं...

बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम अपनी बेहतरीन अदाकारी और खूबसूरती से लाखों दिलों पर राज करती हैं। यामी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस के साथ अक्सर अपनी ग्लैमर तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। हाल ही में यामी गौतम ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए बताया कि वे एक ऐसी स्किन डिजीज से जूझ रही हैं जिसका इलाज नहीं है। इस बीमारी के चलते उन्हें एक्टिंग और मॉडलिंग के अपने प्रोफेशन में काफी परेशानी होती है। यामी गौतम ने इंस्टाग्राम अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए अपनी 'केराटोसिस पिलारिस' नाम की स्किन की बीमारी का खुलासा किया है। जिसमें स्किन पर छोटे-छोटे दाने और खुदरापन हो जाता है। उन्होंने लिखा, हेलो इंस्टा फैमिली, हाल ही मेरा एक फोटो शूट हुआ था और तस्वीरें पोस्ट प्रोडक्शन के लिए भेजी जानी थीं। तभी मैंने सोचा कि मुझे अपनी समस्या को स्वीकार कर लेना चाहिए और जो है उसे वैसे ही अपनाने में कोई हर्ज नहीं है। यामी ने लिखा, मैं टीनेज से त्वचा की बीमारी से जूझ रही हूं जिसका नाम केराटोसिस पिलारिस है और अब मैं सभी को इस बीमारी के बारे में बताना चाहती हूं। वो लोग जो इस कंडीशन के बारे में नहीं जानते, तो जान लें कि इस डिजीज में स्किन पर छोटे-छोटे बम्प्स निकल आते हैं। ये इतने भी बुरे नहीं होते, जितना कि पास वाली आंटी इसे बना देती हैं।

उन्होंने लिखा, टीनएज के दौरान यह मेरी स्किन पर हुआ और इसका अभी भी कोई इलाज नहीं है। मैंने कई सालों तक इसे बर्दाश्त किया है और आखिरकार आज मैंने अपने डर और असुरक्षाओं को दूर करने का फैसला किया और अपनी कमियों को दिल से स्वीकार किया। मैंने आपके साथ अपनी सच्चाई को शेयर करने का साहस किया। वर्क फ्रंट की बात करें तो यामी गौतम ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म 'विक्की डोनर' से की थी। यामी गौतम हाल ही 'भूत पुलिस' में नजर आई थीं। हिन्दी फिल्मों के अलावा वह पंजाबी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ भाषाओं की फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

बिग बॉस 15 : करण कुंद्रा ने कहा, सिद्धार्थ शुक्ला की यात्रा सबसे प्रेरणादायक थी

जाने-माने टीवी अभिनेता करण कुंद्रा ने कहा कि वह 'बिग बॉस' में दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला की यात्रा से प्रेरित हैं। कुंद्रा सलमान खान की मेज़बानी वाले रियलिटी कार्यक्रम के 15वें संस्करण में शामिल होनी वाली नई हस्ती हैं। शुक्ला का 40 साल की उम्र में पिछले महीने अचानक से निधन हो गया था। उन्होंने 'बिग बॉस' का 13वां संस्करण जीता था। कुंद्रा ने कहा, 'मैंने सोशल मीडिया पर जो देखा है, उसमें सिद्धार्थ की यात्रा सबसे प्रेरणादायक रही है, वह निडर थे, वह मजबूत थे और उन्होंने इसे बहुत अच्छी तरह से खेला। कुछ भी हो, हम सभी को उनकी याद आएगी और सिर्फ मुझे ही नहीं बल्कि हर प्रतिभागी को आएगी।' कुंद्रा ने कहा, 'मैं बस ढेर सारे प्यार की उम्मीद कर रहा हूं और आशा है कि मैं अपने तरीके से लड़ूंगा और इसे अच्छा और वास्तविक बनाए रखूंगा और खेल जीतूंगा।'

अभिनेता ने पिछले शनिवार को 'बिग बॉस' के घर में प्रवेश करने से पहले कहा, फ़लोग कहते हैं कि लोग बिग बॉस तब करते हैं जब वे अपना करियर फिर से शुरू करना चाहते हैं। तो मैं स्पष्ट रूप से उस स्थिति में नहीं हूं। मेरी स्थिति अनोखी है और मुझे ऐसी अनोखी चीजें करना पसंद है। मैंने कभी भी स्थापित मानदंडों का पालन नहीं किया है और मैंने वही किया है जिससे मुझे खुशी मिलती है।फ़ कुंद्रा (36) ने अपने करियर की शुरुआत धारावाहिक 'कितनी मोहब्बत है' से की। इसके बाद उन्होंने 'बेताब दिल की तमन्ना है', 'ये कहां आ गए हम', ' यह रिश्ता क्या कहलाता है' समेत अन्य धारावाहिक किए हैं। उन्होंने विक्रम भट्ट की 'हॉरर स्टोरी' और '1921' समेत अन्य फिल्मों में भी काम किया है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की नई फिल्म 'अद्भुत' का टीजर हुआ रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी जल्द ही डायना पेंटी के साथ फिल्म 'अद्भुत' में नजर आने वाले हैं। नवाजुद्दीन की इस नई फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। इस फिल्म को शब्बीर खान निर्देशित कर रहे हैं। हाल ही में नवाजुद्दीन की 'अद्भुत' का टीजर रिलीज किया गया है। इस टीजर में नवाजुद्दीन फिल्म के को-स्टार संग नजर आ रहे हैं। वीडियो की शुरुआत में नवाजुद्दीन कहते हैं कि गौर से देखों क्या दिखाई देता है। उनका जवाब देते हुए अभिनेत्री श्रेया धनवंतरी कहती है कुछ नहीं। इसके बाद अभिनेता लाइट्स ऑन करते और कहते हैं कि अगर कुछ दिखाई नहीं दे रहा है तो इसका मतलब ये नहीं की वो वहां है। इसका मतलब है कि वहां रोशनी कम है। इस टीजर को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर करते हुए नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कैप्शन में लिखा, अद्भुत यात्रा शुरू होती है। शब्बीर खान के निर्देशन में इन किरदारों को एक्सप्लोर करना एक रोमांचक प्रक्रिया होगी। इस फिल्म में नवाजुद्दीन और डायना पेंटी के अलावा रोहन मेहरा और श्रेया धनवंतरी अहम किरदार में नज़र आएंगे। फिल्म को लेकर निर्देशक शब्बीर खान का कहना है- निकम्मा के बाद, यह सोनी पिक्चर्स फिल्म्स इंडिया और शब्बीर खान फिल्म्स द्वारा निर्मित दूसरी फिल्म है। उन्होंने कहा, जब सिनेमाई अनुभवों और रचनात्मक निर्देशन की बात आती है तो हम हमेशा एक ही पेज पर होते हैं और हम नवाजुद्दीन, डायना, श्रेया और रोहन जैसे पावरहाउस कलाकारों की टुकड़ी को एक साथ लाने वाली इस कहानी को लेकर भी उतने ही उत्साहित हैं। हमें उम्मीद है कि फिल्म दर्शकों को बड़े पैमाने पर जोड़ेगी।

52 साल की उम्र में विक्रम भट्ट ने गुपचुप तरीके से रचाई दूसरी शादी

बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्देशक और प्रोड्यूसर विक्रम भट्ट गुपचुप तरीके से दूसरी बार शादी के बंधन में बंध गए हैं। उनकी पत्नी का नाम श्वेतांबरी सोनी हैं। बताया जा रहा है कि दोनों की शादी पिछले साल हुई है लेकिन विक्रम भट्ट ने इसे सभी से छिपाकर रखा। हालांकि अब इस राज से पर्दा उठ चुका है। खबरों के अनुसार विक्रम भट्ट और श्वेतांबरी सोनी ने पिछले साल लॉकडाउन में शादी की थी। अपनी इस शादी के बारे में उन्होंने कुछ रिश्तेदारों के अलावा ज्यादा किसी को नहीं बताया। उन्होंने अपनी शादी को काफी प्राइवेट रखा था। वहीं अब विक्रम ने अपनी पत्नी श्वेताबंरी के जन्म दिन पर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर उनके साथ एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए विक्रम ने अपनी पत्नी के लिए प्यार भरा पोस्ट लिखा और उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। विक्रम भट्ट ने लिखा, तुमने मुझे अंदर से बाहर कर दिया और तुमने मुझे दिखाया कि जीवन किस बारे में है। केवल आप, इकलौता जिसने मेरा दिल चुरा लिया। मैं वह सब करना चाहता हूं जो मैं सिर्फ आपको दिखाने के लिए कर सकता हूं। आपको खुद को समझाएं, केवल आप। इकलौता जिसने मेरा दिल चुरा लिया, जन्मदिन मुबारक हो मेरे प्यार। बता दें कि विक्रम भट्ट की पहली शादी अदिति भट्ट से हुई थी। दोनों की एक बेटी कृष्णा है। हालांकि 1998 में दोनों ने तलाक ले लिया। जिसके बाद विक्रम ने सुष्मिता सेन और फिर अमीषा पटेल को लंबे समय तक डेट किया। हालांकि अब वो एक बार फिर शादी के बंधन में बंध गए हैं। विक्रम की पत्नी श्वेतांबरी सोनी की बात करें तो वह मुंबई में ट्रिनिटी आर्ट गैलरी से जुड़ी हैं।

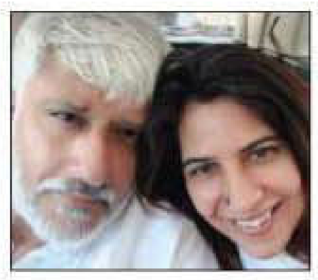

ओलंपिक चैंपियन नीरज 2024 खेलों तक मौजूदा कोच के साथ बने रहना चाहते हैं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने अपने मौजूदा कोच जर्मनी के क्लाउस बार्टोनिट्ज को खुद लिए सर्वश्रेष्ठ बताते हुए शुक्रवार को कहा कि वह 2024 के पेरिस खेलों में भी अपनी यह शानदार साझेदारी जारी रखना चाहेंगे। इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में एक परिचर्चा के दौरान, चोपड़ा ने कहा कि बार्टोनिट्ज के तरीके उनके अनुकूल हैं क्योंकि यह बायो-मैकेनिक विशेषज्ञ गंभीर सत्रों के दौरान भी चुटकुले सुनाकर माहौल खुशनुमा बना देता है। उन्होंने देश के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा की मौजूदगी में कहा, कई बार, अभ्यास सत्र के दौरान मैं बहुत गंभीर नहीं रहना चाहता हूं। कई कोच ऐसे होते है जो डंडा पकड़ के पीछे खड़े होते हैं लेकिन क्लाउस सर ऐसे नहीं है। इस 23 साल के खिलाड़ी ने कहा, अभ्यास में जब भी हमें गंभीर और पूरा दमखम लगाना होता है, तो हम गंभीरता से काम करते हैं लेकिन सत्र के बीच में कभी-कभी वह चुटकुले सुनाते हैं और इससे प्रशिक्षण के दौरान माहौल आनंदमय हो जाता है। तोक्यो खेलों में स्वर्ण पदक के साथ ही एथलेटिक्स में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने नीरज ने कहा, उनके प्रशिक्षण के तरीके मेरे अनुकूल हैं और मेरी उनसे काफी अच्छी बनती है। मैं अगले ओलंपिक के लिए भी उनके साथ प्रशिक्षण जारी रखना चाहता हूं। चोपड़ा 2019 से बार्टोनिट्ज के साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं। वह पहले जर्मनी के ही पूर्व विश्व रिकॉर्ड धारक उवे होन की देख रेख में प्रशिक्षण ले रहे थे, जिन्हें हाल ही में भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने उनके वेतन और प्रशिक्षण विधियों सहित कई मतभेदों के कारण कार्यमुक्त कर दिया था। चोपड़ा तोक्यो में अपनी ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद पूरे देश के चहेते बन गए थे, लेकिन 2019 में अपने मुख्य हाथ की कोहनी की सर्जरी से गुजरने के बाद उन्हें अनिश्चित समय का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, जब मेरी सर्जरी हुई थी तब वह मेरे लिए यह बहुत कठिन समय था। मुझे 30-45 दिनों के लिए पूर्ण आराम करना था। मैंने जल्दी वापस आने के लिए चीजों को पूरा किया। मुझे धीमी साइकिल चलाने के लिए व्यायाम करने के लिए कहा गया था लेकिन मैंने वापसी के लिए जल्दबाजी की जिससे मेरे पैरों में चोट लग गई। उन्होंने कहा, मैं विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा लेने से चूक गया जिसमें पदक विजेताओं ने वह दूरी तय की जो मैं कर सकता था। लेकिन मुझे खुशी थी कि इन सब के बाद मैं अपने पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर सका। बिंद्रा ने कहा कि 2008 के बीजिंग खेलों में उनके स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारत को दूसरा स्वर्ण जीतने में 13 साल का समय लगा यह देश में खेल के धीमी विकास को दर्शाता है। उन्होंने कहा, 13 साल (एक और स्वर्ण जीतने के लिए) लगना एक धीमी प्रगति है लेकिन फिर भी भारतीय खेल प्रगति कर रहा है और अगला दशक खेल के विकास में भारत का दशक हो सकता है। उन्होंने कहा, इसके अलावा, भारतीय एथलीटों की आज की पीढ़ी निडर, आत्मविश्वास से भरी हुई है और नीरज उनमें से एक है। मौजूदा एथलीटों को जिस तरह के संसाधन मिल रहे हैं, उसकी किसी भी देश में मिलने वाली सुविधाओं से की जा सकती है। अपने बारे में बात करते हुए, बिंद्रा ने कहा, मैं मूल रूप से थोड़ा डरपोक और शर्मीला व्यक्ति हूं। मैंने अपने पूरे करियर में अपनी काबिलियत पर संदेह किया।

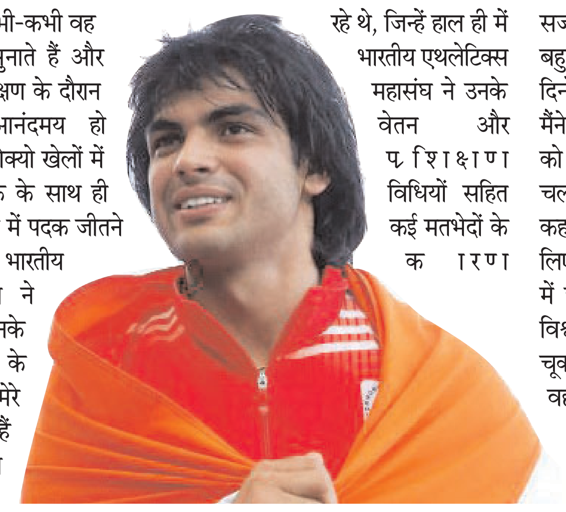

थामस और उबेर कप में भारत की उम्मीद स्टार खिलाड़ियों पर

एजेंसी ■ आरहस (डेनमार्क)

सुदीरमन कप के लचर प्रदर्शन को भुलाकर भारत अब शनिवार से यहां शुरू होने वाले थामस और उबेर कप में साइना नेहवाल तथा चिराग शेट्टी और सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी जैसे स्टार खिलाड़ियों के दम पर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगा। कुछ स्टार खिलाड़ियों की अनुपस्थिति और सीनियर खिलाड़ियों के लय में नहीं होने के कारण भारत पिछले सप्ताह फिनलैंड के वनाता में खेले गए सुदीरमन कप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था। लेकिन साइना तथा चिराग और सात्विक की वापसी से भारत महिला एवं पुरुष टीम प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगा। एक सप्ताह तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में पांच महाद्वीपों के 16 देश भाग लेंगे। पुरुषों के थॉमस कप में भारतीय टीम को ग्रुप सी में चीन, नीदरलैंड और ताहिती के साथ रखा गया है जबकि महिला टीम को उबेर कप के ग्रुप बी में थाईलैंड, स्पेन और स्कॉटलैंड के साथ रखा गया है। पुरुष टीम अपना पहला मैच नीदरलैंड से जबकि महिला टीम स्पेन से खेलेगी। दस सदस्ईय पुरुष टीम में चार एकल खिलाड़ी और तीन युगल जोड़ियां शामिल हैं। एकल में बी साई प्रणीत के अलावा दुनिया के पूर्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत, समीर वर्मा और किरण जॉर्ज जबकि युगल में चिराग और सात्विक की दुनिया की 10वें नंबर की जोड़ी, ध्रुव कपिला और एमआर अर्जुन तथा कृष्ण प्रसाद और विष्णु वर्धन चुनौती पेश करेंगे। चिराग का मानना है कि भारत के पास पदक जीतने का मौका है। उन्होंने कहा, ड्रा को देखते हुए भारत को क्वार्टर फाइनल तक तो पहुंचना चाहिए। इसके बाद पदक जीतने के लिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। मेरा मानना है कि भारत के पास मौका है। भारतीय पुरुष टीम पिछले 11 वर्षों में थामस कप के नाकआउट चरण में नहीं पहुंच पाई है। महिला टीम ने उबेर कप में 2014 और 2016 में कांस्य पदक जीता था लेकिन इस बार उसे ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पी वी सिंधू की कमी खलेगी जिन्होंने तोक्यो खेलों के बाद विश्राम करने का निर्णय किया था।

एक नजर

एमबापे के शानदार खेल से फ्रांस नेशन्स लीग के फाइनल में

तूरिन। काइलिन एमबापे के शानदार प्रदर्शन से फ्रांस ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करके बेल्जियम को 3-2 से हराकर नेशन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। एमबापे ने पेनल्टी पर एक गोल करने के अलावा एक अन्य गोल करने में मदद की। थियो हर्नानडेज ने आखिरी मिनट में गोल दागकर फ्रांस को फाइनल में पहुंचाया जहां रविवार को उसका मुकाबला स्पेन से होगा। बेल्जियम ने पहले हाफ के आखिरी क्षणों में दो गोल किए। उसकी तरफ से यानिक करास्को ने 37वें और रोमेलु लुकाकु ने 40वें मिनट में गोल दागे। एमबापे ने 62वें मिनट में करीम बेजेंमा के लिए गोल बनाया और इसके सात मिनट बाद पेनल्टी पर गोल किया। स्पेन ने बुधवार को पहले सेमीफाइनल में इटली को हराया था।

डब्ल्यूबीबीएल टीम ब्रिस्बेन हीट से जुड़ी पूनम यादव

मेलबर्न। स्पिनर पूनम यादव ने आगामी सत्र के लिए ब्रिस्बेन हीट से अनुबंध किया है और इस तरह से वह महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) से जुड़ने वाली आठवीं भारतीय क्रिकेटर बन गई हैं। भारत की 30 वर्षीय लेग स्पिनर ब्रिस्बेन की टीम में न्यूजीलैंड की एमिलिया केर की जगह लेगी। केर ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कारणों से पिछले महीने बिग बैश से हटने का फैसला किया था। पूनम अभी भारतीय टीम के साथ आस्ट्रेलियाई दौरे पर हैं। वह आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे की श्रृंखला के दो मैचों में खेली थी लेकिन उन्हें दिन रात्रि टेस्ट मैच के लिए अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली थी। वह आगामी सत्र के लिए डब्ल्यूबीबीएल टीम से जुड़ने वाली आठवीं भारतीय खिलाड़ी हैं। भारत की जो अन्य खिलाड़ी इस टी20 लीग में खेलेंगी उनमें शेफाली वर्मा, राधा यादव (दोनों सिक्सर्स), स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा (दोनों थंडर), ऋचा घोष (हरिकेन्स), जेमिमा रोड्रिग्स और हरमनप्रीत कौर (दोनों रेनेगेड्स) शामिल हैं।

संक्षिप्त खबर

रसेल के आईपीएल प्लेऑफ में खेलने की संभावना : हस्सी

एजेंसी ■ शारजाह

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के मुख्य सलाहकार डेविड हस्सी ने कहा कि टीम के चोटिल आलराउंडर आंद्रे रसेल के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ तक फिट होने की संभावना है। केकेआर ने गुरुवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 86 रन से बड़ी जीत दर्ज करके प्लेऑफ में अपनी जगह लगभग सुनिश्चित कर दी है। उसका मुकाबला सोमवार को एलिमिनेटर में तीसरे स्थान की टीम से होगा। हस्सी ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, उसका (रसेल) बुधवार को फिटनेस परीक्षण हुआ था और मुझे लगता है कि वह जल्द वापसी करेगा। वह प्लेऑफ में खेलने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। उन्होंने कहा, उसका खेलना केवल हमारे लिए ही नहीं टूर्नामेंट के लिए भी महत्वपूर्ण है। वह विश्वस्तरीय खिलाड़ी है और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करता है। दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं जबकि केकेआर ने चौथे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की है। उसने लीग चरण में 14 मैचों में 14 अंक के साथ अपने अभियान का अंत किया तथा उसका रन रेट अन्य टीमों से बेहतर है। हस्सी ने स्वीकार किया कि भारतीय चरण में संघर्ष करने के बाद केकेआर का यूएई चरण में भाग्य बदला। उन्होंने कहा, टूर्नामेंट के शुरू में हम वैसी क्रिकेट नहीं खेल पाए जैसी खेलना चाहते थे। ऐसे में बीच में कुछ समय मिलना हमारे लिए अच्छा रहा। इससे हम नए सिरे से रणनीति तैयार करने में सफल रहे। केकेआर की इस सफलता के लिए उन्होंने मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम को श्रेय दिया। उन्होंने कहा, वह (मैकुलम) शांतचित होकर काम करते हैं और उनके पास टीम को आगे बढ़ाने की योजना है। उनका मानना है कि प्रत्एक खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे। वह प्रत्एक को यह अहसास दिलाते हैं कि वह टीम का सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने कहा कि उनका कोई भी बल्लेबाज राहुल तेवतिया का साथ नहीं दे पाया जिन्होंने एक छोर संभाल रखा था। सैमसन ने कहा, शारजाह उसका (तेवतिया) पसंदीदा मैदान है। उसे यहां बल्लेबाजी करना पसंद है। हम उसके साथ अच्छी साझेदारी निभा सकते थे। हम मैच को करीबी बना सकते थे।

सऊदी अरब से हारकर जापान विश्व कप क्वालीफाईंग की दौड़ में पिछड़ा

एजेंसी ■ सियोल

जापान की सऊदी अरब के हाथों 0-। से हार के कारण लगातार सातवीं बार विश्व कप फुटबॉल में जगह बनाने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। जापान ग्रुप बी में अपने पहले तीन मैचों से दो मैच गंवा चुका है तथा वह शीर्ष पर चल रहे आस्ट्रेलिया और सऊदी अरब से छह अंक पीछे है। इन दोनों टीमों के समान नौ अंक हैं। छह टीमों के ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें अगले साल कतर में होने विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। स्थानापन्न फिरास अल बुराइकान ने जेद्दाह में 45 हजार दर्शकों के सामने खेले गए मैच में 71वें मिनट में गोल किया। आस्ट्रेलिया ने दोहा में ओमान को 3-। से हराकर गोल अंतर के कारण अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। यह क्वालीफिकेशन में उसकी रिकार्ड 11वीं जीत है। फुटबॉल आस्ट्रेलिया के अनुसार यह किसी एक विश्व कप क्वालीफाईंग मुकाबले में नया रिकार्ड है। इससे पहले जर्मनी, स्पेन और मैक्सिको के नाम पर लगातार 10 जीत दर्ज करने का रिकार्ड था। आस्ट्रेलिया ने सितंबर 2019 से लेकर क्वालीफाईंग का प्रत्एक मैच जीता है। इनमें से आठ मैचों में उसने अपने प्रतिद्वंद्वी को गोल नहीं करने दिया। उसने अब तक 35 गोल किए हैं जबकि उसके खिलाफ केवल तीन गोल हुए हैं। उसका अगला मुकाबला मंगलवार को साइतामा में जापान से होगा। अवेर मैबिल ने नौवें मिनट में आस्ट्रेलिया को बढ़त दिलाई लेकिन मंधार अल अलावी ने ओमान को बराबरी दिला दी। मार्टिन बोएल और मिशेल ड्यूक ने दूसरे हाफ में गोल करके आस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की।

भारत ने जूनियर निशानेबाजी विश्व चैंपियनशिप में दसवां स्वर्ण जीता

एजेंसी ■ लीमा

रिदम सांगवान और विजयवीर सिद्धू की भारतीय जोड़ी ने आईएसएसएफ जूनियर निशानेबाजी विश्व चैंपियनशिप में 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। यह भारत का प्रतियोगिता में कुल 23वां पदक है जिससे उसने शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की है। सांगवान और सिद्धू ने थाईलैंड के कान्याकोर्न हिरुनफोम और श्चाकोन त्रिनिफाकरोन को 9-। से हराकर भारत को चैंपियनशिप में 10वां स्वर्ण पदक दिलाया। भारत ने इस स्पर्धा का कांस्य पदक भी जीता। तेजस्विनी और अनीश ने थाइलैंड के ही चाविसा पादुका और राम खामहेंग को 10-8 से पराजित करके कांसे का तमगा हासिल किया। जूनियर महिला 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में प्रसिद्धि महंत, निश्चल और आयुषी पोद्दार ने रजत पदक जीता। उन्हें फाइनल में अमेरिका की एलिजाबेथ मैकगिन, लॉरेन जॉन और कैरोलिन टकर से 43-47 से हार झेलनी पड़ी। भारत के नाम पर अब 10 स्वर्ण, नौ रजत और चार कांस्य पदक दर्ज हैं। अमेरिका छह स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य पदक लेकर दूसरे स्थान पर है।

टी20 विश्व कप

पाकिस्तान ने सरफराज, हैदर और जमां को टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया

एजेंसी ■ कराची

पाकिस्तान ने शुक्रवार को टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम में तीन बदलाव किए जिसमें आजम खान, मोहम्मद हसनैन और खुशदिल शाह की जगह पूर्व कप्तान सरफराज अहमद, फखर जमां और हैदर अली को शामिल किया गया। मिस्बाह उल हक के इस्तीफे के बाद पूर्व स्पिनर सकलैन मुश्ताक को अंतरिम मुख्य कोच बनाया गया है। पहले की घोषणा के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज वर्नोन फिलेंडर इस प्रतियोगिता के लिए टीम के बल्लेबाजी और गेंदबाजी सलाहकार होंगे। टीम में बदलाव की समयसीमा 10 अक्टूबर है। राशिद लतीफ और शोएब अख्तर सहित पाकिस्तान के कई पूर्व क्रिकेटरों ने चार सितंबर को घोषित टीम में कई बदलाव करने की मांग की थी। पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) ने एक बयान में कहा, खिलाड़ियों के प्रदर्शन और लय को ध्यान में रखते हुए चयनकर्ताओं ने तीन बदलाव किए हैं। उन्होंने कहा, सरफराज अहमद और हैदर अली ने क्रमशः आजम खान और मोहम्मद हसनैन की जगह ली है, जबकि रिजर्व खिलाड़ी में शामिल फखर जमां को मुख्य टीम में शामिल करते हुए खुशदिल शाह को रिजर्व में रखा गया है। पाकिस्तान अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 24 अक्टूबर को भारत के खिलाफ करेगा। पीसीबी ने कहा, सोहैब मकसूद को टीम में शामिल करने पर निर्णय चिकित्सीय सलाह के बाद किया जाएगा। शीर्ष क्रम का यह बल्लेबाज पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण छह अक्टूबर के बाद नेशनल टी20 टूर्नामेंट में नहीं खेल सका है। मुख्य चयनकर्ता मुहम्मद वसीम ने कहा कि घरेलू टी20 टूर्नामेंट में बदलाव करने से पहले उनके प्रदर्शन पर विचार किया गया।

पाकिस्तान की 15 सदस्ईय टीम: बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान (उपकप्तान), आसिफ अली, फखर जमां, हैदर अली, हारिस रऊफ, हसन अली, इमाद वसीम, मोहम्मद हफीज, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मोहम्मद वसीम जूनियर, सरफराज अहमद (विकेटकीपर)), शाहीन शाह अफरीदी, सोहैब मकसूद।

रिजर्व खिलाड़ी: खुशदिल शाह, शाहनवाज दहानी और उस्मान कादिर।

आईसीसी पर निर्भरता कम करने की जरूरत: रमीज राजा

एजेंसी ■ कराची

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख रमीज राजा ने खुलासा किया है कि बोर्ड के बजट का 50 प्रतिशत हिस्सा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से मिलने वाले अनुदान से आता है जबकि वैश्विक संस्था को अधिकांश राजस्व भारत से मिलता है। गुरुवार को इस्लामाबाद में अंतर प्रांतीय मामलों की सीनेट की स्थाई समिति के समक्ष पेश रमीज ने कहा कि समय आ गया है कि पीसीबी आईसीसी से मिलने वाले कोष पर अपनी निर्भरता कम करे और स्थानीय बाजार से जरूरत पूरी करे। पीसीबी प्रमुख ने कहा, आईसीसी राजनीतिक रंग में रंगी संस्था है जो एशियाई और पश्चिमी गुटों में बंटी है और इसका 90 प्रतिशत राजस्व भारत से आता है। रमीज ने कहा कि आसीसी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी की तरह बन गई है और अगर न्यूजीलैंड और इंग्लैंड की पुष्ट श्रृंखला के रद्द होने जैसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकना है तो पीसीबी को अपनी बात रखनी होगी। उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड ने जो किया वह अस्वीकार्य है क्योंकि उन्होंने अब तक हमारे साथ कोई सूचना साझा नहीं की है कि किस आधार पर उन्होंने पाकिस्तान में श्रृंखला रद्द की। लेकिन अब वह श्रृंखला का कार्यक्रम दोबारा तय करने का प्रयास कर रहे हैं। रमीज ने संकेत दिए कि एक हफ्ते के समय में न्यूजीलैंड के खिलाफ स्थगित श्रृंखला से जुड़ी अच्छी खबर आ सकती है।

विश्व कप क्वालीफाईंग : ब्राजील जीता, अर्जेंटीना ने खेला ड्रा

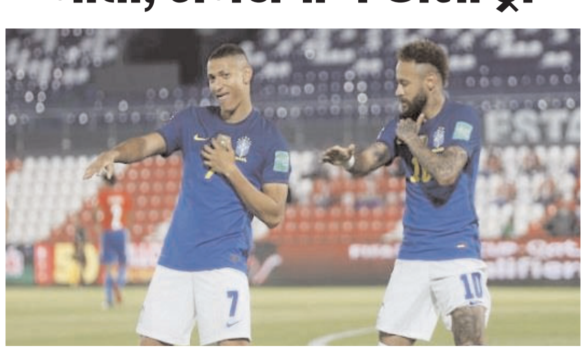

एजेंसी ■ साओ पाउलो

शीर्ष पर काबिज ब्राजील ने फीफा विश्व कप फुटबॉल के दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर्स में शुरू में पिछड़ने के बाद वापसी करके जीत दर्ज की लेकिन अर्जेंटीना को ड्रा खेलने के कारण अंक बांटने के लिए मजबूर होना पड़ा। ब्राजील ने निलंबित नेमार और चोटिल कासेमीरो के बिना वेनेजुएला पर 3-। से जीत दर्ज की जबकि अर्जेंटीना ने पराग्वे के खिलाफ गोलरहित ड्रा खेला। ब्राजील अंकतालिका में सबसे निचले स्थान पर चल रहे वेनेजुएला से 71वें मिनट तक पिछड़ रहा था। काराकास में खेले गए इस मैच में मारक्विन्हो ने ब्राजील को बराबरी दिलाई। गैब्रियल बारबोसा ने 85वें मिनट में पेनल्टी पर ब्राजील के लिए दूसरा गोल किया जबकि स्थानापन्न एंटनी ने इंजुरी टाइम में तीसरा गोल दागा। वेनेजुएला की तरफ से 11वें मिनट में एरिक रामिरेज ने गोल किया था। लेकिन लियोनेल मेस्सी की मौजूदगी के बावजूद अर्जेंटीना गोल करने में नाकाम रहा। पराग्वे के मजबूत रक्षण के सामने अर्जेंटीना की एक नहीं चली। दोनों गोलकीपर अर्जेंटीना के एमिलियानो मार्टिनेज और पराग्वे के एंटनी सिल्वा ने बेहतरीन खेल दिखाया। ब्राजील 27 अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि अर्जेंटीना के नौ मैचों में 19 अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है। इक्वेडोर और उरूग्वे के 10 मैचों में समान 16 अंक हैं। इक्वेडोर ने अधिक मैच जीते हैं।

श्रृंखला हरमनप्रीत की अगुवाई वाली भारतीय टीम अगले दो टी20 मे अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर दौरे का सकारात्मक अंत करना चाहेगी।

आस्ट्रेलिया के सामने आक्रामक रवैया अपनाएगी भारतीय महिला टीम

एजेंसी ■ गोल्ड कोस्ट

जेमिमा रोड्रिग्स की फॉर्म में वापसी से उत्साहित भारतीय टीम आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के बारिश की भेंट चढ़ने के बाद अब शनिवार को यहां होने वाले दूसरे मैच में आक्रामक रवैया अपनाकर श्रृंखला में बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी। जेमिमा को 50 ओवरों के प्रारूप में लगातार असफलता के बाद अंतिम एकादश में अपना स्थान गंवाना पड़ा था लेकिन उन्होंने पहले टी20 में 36 गेंदों पर नाबाद 49 रन बनाकर अच्छी वापसी की। बारिश के कारण यह मैच पूरा नहीं हो पाया था। इक्कीस वर्षीय जेमिमा ने द हंड्रेड में अच्छा प्रदर्शन किया था और यह अच्छा संकेत है कि उन्होंने अपनी उस फॉर्म को बरकरार रखा है। उनकी वापसी से भारतीय टीम की बल्लेबाजी अधिक आक्रामक हो गई जिसमें शीर्ष क्रम में स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा जैसी धुरंधर बल्लेबाज हैं।

मंधाना और शेफाली ने इस दौरे में अच्छी फॉर्म दिखाई है। इन दोनों ने टेस्ट मैचों में उपयोगी पारियां खेली और गुरुवार को पहले टी20 में भी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। चोट के कारण वनडे और एकमात्र दिन रात्रि टेस्ट में नहीं खेल पाने वाली कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी वापसी की। इससे भारतीय बल्लेबाजी काफी मजबूत बन गई है। भारत को दौरे के शुरू में परिस्थितियों से तालमेल बिठाने में समय लगा और उसने पहले दोनों वनडे गंवाए लेकिन इसके बाद उसने दबदबा बनाए रखा है। उसने तीसरे वनडे में दो विकेट से जीत दर्ज करके आस्ट्रेलिया के वनडे में 26 जीत के अभियान पर रोक लगाई और फिर बारिश से प्रभावित टेस्ट में भी अपना पलड़ा भारी रखा था। पहले टी20 में भी भारतीय टीम बड़ा स्कोर बनाने की स्थिति में दिख रही थी। बारिश के कारण जब खेल रोका गया तब उसने 15.2 ओवर में चार विकेट पर 131 रन बनाए थे।

हरमनप्रीत की अगुवाई वाली भारतीय टीम अगले दो टी20 में अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर दौरे का सकारात्मक अंत करना चाहेगी। युवा यास्तिका भाटिया और ऋचा घोष के लिए भी मध्यक्रम में अपना जलवा दिखाने का यह अच्छा मौका है। गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी शिखा पांडे, पूजा वस्त्राकर, राजेश्वरी गायकवाड़, मेघना सिंह, रेणुका सिंह और दीप्ति शर्मा पर रहेगी। दूसरी तरफ आस्ट्रेलिया के पास कई आलराउंडर हैं और ऐसे में कप्तान मेग लैनिंग के पास विकल्पों की कमी नहीं है। उसके पास एलिस पैरी, एलिसा हीली, लैनिंग, एशलीग गार्डनर और बेथ मूनी के रूप में अनुभवी खिलाड़ी भी हैं।

टीमें इस प्रकार हैं

भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, यास्तिका भाटिया, शिखा पांडे, मेघना सिंह, पूजा वस्त्राकर, राजेश्वरी गायकवाड़, पूनम यादव, ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देओल, अरुंधति रेड्डी, राधा यादव, रेणुका सिंह।

आस्ट्रेलियाः मेग लैनिंग (कप्तान), डार्सी ब्राउन, मैटलन ब्राउन, स्टेला कैंपबेल, निकोला कैरी, हन्ना डार्लिंगटन, एशले गार्डनर, एलिसा हीली, ताहलिया मैक्ग्रा, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पैरी, जॉर्जिया रेडमायने, मौली स्ट्रानो, एनाबेल सदरलैंड, टायला व्लामिनक, जॉर्जिया वेयरहैम।

मैच भारतीय समयानुसार दोपहर बाद एक बजकर 40 मिनट पर शुरू होगा।